राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 अमेरिका में नौकरी पर आएगा भारी संकट, पद संभालने से पहले.....

मुंबई में 26/11 आतंकी हमले के बाद कसाब को परोसी गई..... 12

वर्ष : 15 | अंक : 211 | नई दिल्ली, रविवार, 17 नवंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

राहुल गांधी की अगली चार पीढ़ी भी जम्मू कश्मीर में फिर से धारा 370 नहीं ला सकती है : शाह

दुमका, एजेंसी

दुमका। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और झारखंड मुक्त मोर्चा (झामुमो) पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगली चार पीढ़ी भी जम्मू कश्मीर में फिर से धारा 370 नहीं ला सकती है। श्री शाह ने क्रांतिकारियों की धरती दुमका के गांधी मैदान में भाजपा से दुमका विधानसभा के प्रत्याशी सुनील सोरेन और जामा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी सुरेश मुर्मू के पक्ष में विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। उन्होंने जनता से मुट्ठी बंद हाथ ऊपर कर भाजपा प्रत्याशी को जिताने का संकल्प लिया। झारखंड के हेमंत सोरेन पर गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर निशाना साधते हुए कहा कि 'हेमंत बाबू' आप कांग्रेस के साथ मिलकर कर आप गहरी साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन पिछले दरवाजे से आदिम जनजाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण काटकर मुसलमान को देना चाहती हैं। जनता सब जानती है। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार रहते संभव नहीं है। इन सारे षड्यंत्रकारी को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। यहां के जल, जंगल और जमीन को लूटने में झामुमो सरकार रही है। उनके घर घर से करोड़ों रुपए का खजाना इडी को मिला है। यह जनता का पैसा है।

भाजपा सरकार भ्रष्ट कांग्रेस और झामुमो नेताओं को सलाखों के पीछे डालेगी और गरीब लोगों से लूटा गया एक-एक पैसा वसूलेगी। गृह मंत्री ने कहा कांग्रेस की सरकार ने भारत पर बहुत दिनों तक राज किया आदिम जनजातियों के लिए क्या किया? यह भी पूछा जाना चाहिए की देश के पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक कौन-कौन प्रधानमंत्री 'धरती आबा' लोक नायक बिरसा मुंडा के गांव गए हैं। यह काम एकमात्र देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।भाजपा ने आदिवासियों के लिए क्या किया तो वो सुने 15 नवंबर 2021 को आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाने का काम नरेंद्र मोदी ने कियो बीते शुक्रवार को पीएम मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देते हुए, डाक विभाग ने महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी को सम्मानित करने के लिए उनकी 150वीं जयंती के अवसर एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। साथ ही साथ पूरे देश के जनजातीय समुदाय के लोगों को 6600 करोड़ से अधिक की योजनाओं का सौगात दिया है। 'धरती आबा' कि 150वीं जयंती में पूरे एक वर्ष मानने को लेकर एक कमेटी बनाई गई है। श्री शाह ने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि कि राहुल बाबा आपकी चौथी पीढ़ी भी जम्मू कश्मीर में धारा 370 वापस नहीं ला सकती है। आप सिर्फ जनता को धोखा देने का षड्यंत्र कर सकते हैं उन्होंने जनता से अपील की कि राहुल गांधी के किसी साजिश का शिकार नहीं होना है। उन्होंने कांग्रेस और झामुमो पर यह झूठ फैलाने का भी आरोप लगाया कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) से आदिवासी अधिकारों का हनन होगा। अमित शाह ने जनसभा में स्पष्ट करते हुए कहा कि केंद्र सरकार आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखेगी। गृह मंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा हेमंत सोरेन को बांग्लादेश बॉर्डर का ज्ञान नहीं है। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए लाल कालीन बिछा दिया है। वे बोले वोटर और राशन कार्ड कौन बना रहा है? बांग्लादेश घुसपैठियों के पक्ष में के सुप्रीम कोर्ट कौन गया है? झारखंड सरकार की संरक्षणवादी नीति के कारण यह लोग झारखंड में बस गए हैं और आदिवासियों की जमीन, युवाओं के रोजगार पर कब्जा कर लिया है ।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C

न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना 80,405

चांदी 1,1000

सेंसेक्स 80,220

निफ्टी 24,472

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी फिर विदेश जा रहे हैं, मणिपुर जाने से क्यों कर रहे हैं इनकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह शनिवार को विदेश जा रहे हैं लेकिन यह समझ से परे है कि वह मणिपुर का दौरा क्यों नहीं कर रहे हैं। विपक्षी पार्टी ने यह टिप्पणी तब की है जब प्रधानमंत्री मोदी वार्षिक जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील और नाइजीरिया तथा गुयाना की तीन दिवसीय यात्रा पर शनिवार को रवाना होंगे। कांग्रेस के प्रभारी महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा, अगले तीन दिन तक हम नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री के ताबड़तोड़ झूठ और अमर्यादित प्रचार अभियान से बचे रहेंगे। वह एक बार फिर से विदेश जा रहे हैं, जहां वह किसी तरह की शासन कला या बड़प्पन का परिचय देने के बजाय घरेलू राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन मोदी जी लगातार उस अशांत राज्य मणिपुर का दौरा करने से क्यों इनकार कर रहे हैं जहां के लोग मई 2023 से दुख और तकलीफ झेलने को मजबूर हैं और पूरी तरह से टूट गए हैं। रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री का मणिपुर जाने से इनकार करना समझ से परे है। कांग्रेस मणिपुर का दौरा न करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधती रही है और उसने राज्य में स्थिति को संभालने में नाकामी को लेकर भी केंद्र सरकार की आलोचना की है। मणिपुर में पिछले साल मई से मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

गरीब, मध्यम वर्ग लेने लगा है जोखिम
देश में दिखने लगा है परिवर्तन : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि उनकी सरकार ने अच्छी आर्थिक नीतियों एवं सुशासन के बल पर जनता का आत्म विश्वास बढ़ाया है और गरीबों एवं मध्यम वर्ग के बीच जोखिम लेने की संस्कृति को पुनर्जीवित किया है जो भारत में बड़े बदलाव ला रही है। श्री मोदी ने यहां देश के प्रतिष्ठित समाचार पत्र हिन्दुस्तान टाइम्स के 100 वर्ष पूरे होने के मौके पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि उनकी सरकार ने निवेश से रोजगार, विकास से गरिमा का जो मंत्र दिया है, उससे लोगों का जीवन आसान हुआ और उनमें सम्मान एवं स्वाभिमान का भाव पैदा हुआ जिसने देश एवं समाज के विकास को भी गति दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने लंबे समय तक भारत की राजनीति और नीतियों को देखा है। उन्हें पहले एक जुमला अक्सर सुनाई देता था-अच्छी आर्थिकी इज बुरी राजनीति। विशेषज्ञ कहे जाने वाले लोग इसे खूब बढ़ावा देते थे। लेकिन इससे पहले की सरकारों को हाथ पर हाथ रख कर बैठे रहने का बहाना मिल जाता था। यह एक तरह से कुशासन को, अक्षमता को छिपाने का माध्यम बन गया था। पहले सरकार इसलिए चलाई जाती थी कि बस अगला चुनाव जीत लिया जाए। चुनाव जीतने के लिए एक वोट बैंक बनाया जाता था और फिर उस वोट बैंक को खुश करने के लिए योजनाएं बनती थी। इस प्रकार की राजनीति ने सबसे बड़ा नुकसान यह किया कि देश में असंतुलित असमानता इसका दायरा बहुत बढ़ता गया। कहने को विकास बोर्ड लग जाता था दिखता नहीं था। असंतुलित अवस्था ने, इस मॉडल ने जनता का सरकारों के प्रति विश्वास तोड़ दिया। उन्होंने कहा, ह्लहम आज इस विश्वास को वापस लाए हैं। हमने सरकार का एक उद्देश्य तय किया है। ये उद्देश्य वोटबैंक वाली जो राजनीति होती है ना उससे हजारों मील दूर है। हमारी सरकार का उद्देश्य एक बड़ा है, विराट है, व्यापक है। हम, जनता का विकास, जनता द्वारा विकास एवं जनता के लिए विकास के मंत्र को लेकर चल रहे हैं। हमारा उद्देश्य नया भारत बनाने का है, भारत को विकसित बनाने का है। और जब हम इस विराट लक्ष्य को लेकर निकल पड़े हैं तो भारत की जनता ने भी हमें अपने विश्वास की पूंजी सौंपी है। आप कल्पना कर सकते हैं सोशल मीडिया के इस जमाने में भ्रामक प्रचार दुष्प्रचार सब कुछ चारों तरफ अपने पैर जमा करके बैठा है। इतने सारे अखबार हैं, इतने सारे चैनल हैं, उस दौर में भारत के नागरिक का विश्वास हम पर है, हमारी सरकार पर है। उन्होंने कहा कि जब जनता का विश्वास बढ़ता है, आत्मविश्वास बढ़ता है तो देश के विकास पर एक अलग ही प्रभाव दिखता है। पुरानी विकसित सभ्यताओं से लेकर आज के विकसित देशों तक एक चीज हमेशा से आम रही है, ये आम चीज है जोखिम उठाने की संस्कृति। एक समय था जब हमारा देश पूरे विश्व के कारोबार और संस्कृति का हॉटस्पॉट था। हमारे व्यापारी एवं नाविक एक तरफ दक्षिण पूर्वी एशिया के साथ काम कर रहे थे, तो दूसरी ओर अरब, अफ्रीका और रोमन साम्राज्य से भी उनका गहरा नाता जुड़ता था। उस समय के लोगों ने जोखिम लिया और इसलिए भारत के उत्पाद एवं सेवाएं सागर के दूसरे छोर तक पहुंच पाए। आजादी के बाद हमें जोखिम लेने की इस संस्कृति को और आगे बढ़ाना था। लेकिन आजादी के बाद की सरकारों ने तब के नागरिकों को वो हौसला ही नहीं दिया, इसका परिणाम ये हुआ कि कई पीढ़ियां एक कदम आगे बढ़ाने और दो कदम पीछे खींचने में ही गुजर गई। अब बीते 10 सालों में देश में जो परिवर्तन आए हैं उन्होंने भारत के नागरिकों में जोखिम उठाने की संस्कृति को फिर से नई ऊर्जा दी है। उन्होंने कहा, ह्लआज हमारा युवा हर क्षेत्र में जोखिम उठाने लगा है। कभी एक कंपनी शुरू करना जोखिम माना जाता था, 10 साल पहले तक मुश्किल से किसी स्टार्टअप का नाम सुनते थे...आज देश में रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स की संख्या सवा लाख से ज्यादा हो गई है। एक जमाना था कि खेलों में और खेलों को पेशे के रूप में अपनाने में भी जोखिम था, लेकिन आज हमारे छोटे शहरों के नौजवान भी ये जोखिम उठाकर दुनिया में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। स्वसहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं का भी उदाहरण है। आज देश में करीब एक करोड़ लखपति दीदी बनी हैं। ये गांव-गांव में उद्यमी बनकर अपना कुछ बिजनेस चला रही हैं। मुझे कुछ समय पहले एक ग्रामीण महिला से संवाद करने का अवसर आया, उस महिला ने मुझे बताया था कि कैसे उसने एक ट्रैक्टर खरीदा और अपनी कमाई से पूरे परिवार की आय बढ़ा दी। एक महिला ने एक जोखिम लिया और अपने पूरे परिवार का जीवन बदल डाला। जब देश के गरीब और मध्य वर्ग के लोग जोखिम लेना शुरू कर दें तब बदलाव सही मायने में दिखने लगता है। यही हम भारत में आज होते देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लआज भारत का समाज अभूतपूर्व आकांक्षाओं से भरा हुआ है। इन आकांक्षाओं को हमने अपनी नीतियों का बड़ा आधार बनाया है।

जनकपुरधाम में राम-सीता विवाह महोत्सव का शुभारंभ, अयोध्या के लिए तिलक भेजा गया

काठमांडू, एजेंसी

काठमांडू। हर वर्ष पारंपरिक रूप से मनाए जाने वाले भगवान राम और सीता के विवाह महोत्सव का शुभारंभ हो चुका है। विवाह से पूर्व तिलक चढ़ाने की परंपरा के मुताबिक जनकपुरधाम से तिलक लेकर सीता माता के मायके की तरफ से करीब 500 लोग शनिवार को अयोध्या के लिए रवाना हुए। जनकपुरधाम के जानकी मंदिर परिसर में सुबह आयोजित समारोह के दौरान पूरे क्षेत्र से एकत्रित किए गए तिलक के सामान को पूरे विधि-विधान से पूजा के बाद अयोध्या के लिए रवाना किया गया। पिछले एक हफ्ते से जनकपुर और आसपास के क्षेत्र के सर्वसाधारण जनता की तरफ से सीता माता के ससुराल भेजने के लिए लोगों ने अपने-अपने घरों से उपहार भेजा है। इन उपहारों को बांस के बने दौरे में रखकर भेजा जाता है। उपहारों में मिठाई, कपड़ा, गहने इत्यादि शामिल हैं। जानकी मंदिर परिसर में आयोजित समारोह में मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री सतीश कुमार सिंह, जानकी मंदिर के उत्तराधिकारी महंथ रामरोशन दास तथा जनकपुरधाम के मेयर मनोज साह के नेतृत्व में करीब 500 लोगों का समूह सौ वाहनों से अयोध्या के लिए रवाना हुआ। यह तिलक जनकपुर से बीरगंज होते हुए बिहार के रक्सौल में प्रवेश करेगी और वहां से बेतिया, बाल्मीकिनगर से गोरखपुर होते हुए रविवार को अयोध्या पहुंचेगी। इस समारोह का समन्वय कर रहे विश्व हिंदू परिषद नेपाल के महासचिव जितेंद्र सिंह ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि सोमवार (18 नवंबर) को अयोध्या के कारसेवकपुरम् में तिलकोत्सव का आयोजन किया गया है। जानकी मंदिर और जनकपुरधाम से गए तिलक के भार को उसी दिन श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह पंकज को सौंपा जाएगा। उसी समारोह में भगवान राम के परिवार को 6 दिसंबर को होने वाले विवाह महोत्सव में बारात लेकर आने के लिए निमंत्रण भी सौंपा जाएगा।

संविधान देश का डीएनए है, लेकिन भाजपा और संघ के लिए यह कोरी किताब है: राहुल

अमरावती, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी संविधान को देश का डीएनए मानती है, जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के लिए यह एक कोरी किताब है। महाराष्ट्र के अमरावती में एक रैली में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि संविधान में कहीं भी यह नहीं लिखा है कि विधायकों की खरीद-फरोख्त कर सरकारें गिराई जा सकती हैं जैसा कि महाराष्ट्र में किया गया। उन्होंने कहा कि इसमें यह भी नहीं लिखा है कि बड़े उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया जा सकता है। राहुल ने कहा, कांग्रेस संविधान को देश का डीएनए मानती है, जबकि सत्तारूढ़ भाजपा और संघ के लिए यह एक कोरी किताब है। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा द्वारा हाल ही में किए गए उस दावे के बाद यह टिप्पणी की है जिसमें कहा गया था कि कांग्रेस नेता अपनी चुनावी रैलियों में संविधान की एक प्रति दिखा रहे हैं जिसके अंदर खाली पन्ने हैं। राहुल ने आरोप लगाया, मेरी बहन ने मुझे बताया कि इन दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उसी मुद्दे पर बोल रहे हैं जिसे मैं उठाता रहा हूं। मैंने उनसे लोकसभा में कहा था कि जाति जनगणना होनी चाहिए और आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाई जानी चाहिए। अब वह अपनी चुनावी रैलियों में कह रहे हैं कि मैं आरक्षण के खिलाफ हूं। वह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की तरह याददाश्त चले जाने की समस्या से ग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अब कहेंगे कि राहुल गांधी जाति जनगणना के खिलाफ हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया, विरोधी लोगों ने मेरी छवि खराब करने और मुझे बदनाम करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए हैं जबकि मैं दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए खड़ा हूं। राहुल गांधी ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और नोटबंदी किसानों और छोटे व्यवसायों को खत्म करने के हथियार हैं।

जी 20 में सार्थक चर्चा को लेकर हूं आशान्वित: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वह ब्राजील में होने वाले अगले जी-20 शिखर सम्मेलन में सार्थक चर्चा को लेकर आशान्वित हैं जिसने पिछले वर्ष भारत की अध्यक्षता में इस समूह के लिए अपना एजेंडा तय किया था। मोदी ने नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना की अपनी पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना होने से पहले यहां जारी एक एक बयान में यह टिप्पणी की। प्रधानमंत्री का पहला गंतव्य नाइजीरिया होगा जहां से वह ब्राजील जायेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, ब्राजील में, मैं ट्रोइका सदस्य के रूप में 19वें जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा। पिछले वर्ष, भारत की सफल अध्यक्षता ने जी-20 को लोगों का जी-20 बना दिया तथा ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को इसके एजेंडे में शामिल कर दिया। मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन 18-19 नवंबर को रियो डि जेनेरियो में होने वाले इस सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं में शामिल होंगे। भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ जी-20 ट्रोइका का हिस्सा है। जब किसी संगठन का कोई मुख्यालय नहीं होता है तथा उसका जिम्मा पिछले, वर्तमान एवं अगले अध्यक्ष देश पर होता है तब ये देश ट्रोइका कहलाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, इस वर्ष, ब्राजील ने भारत की विरासत को आगे बढ़ाया है।

झूठे दावे छोड़ चिकित्सा क्षेत्र की बदहाली पर ध्यान दें योगी : अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने झांसी मेडिकल कालेज में आग लगने की घटना को दुखद बताते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सलाह दी कि सब ठीक होने का झूठा दावा करने की बजाय उन्हे चिकित्सा क्षेत्र की बदहाली पर ध्यान देना चाहिये। अकिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट किया झाँसी मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 10 बच्चों की मृत्यु एवं कई बच्चों के घायल होने का समाचार बेहद दुखद एवं चिंताजनक है। सबके प्रति संवेदनात्मक श्रद्धांजलि। उन्होने कहा आग का कारण ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर में आग लगना बताया जा रहा है। ये सीधे-सीधे चिकत्सीय प्रबंधन व प्रशासन की लापरवाही का मामला है या फिर खराब क्वॉलिटी के आक्सीजन कॉन्सट्रेटर का। इस मामले में सभी ज़िम्मेदार लोगों पर दंडात्मक कार्रवाई हो। अखिलेश यादव ने कहा मुख्यमंत्री जी चुनावी प्रचार छोड़कर, सब ठीक होने के झूठे दावे छोड़कर स्वास्थ्य और चिकित्सा की बदहाली पर ध्यान देना चाहिए। जिन्होंने अपने बच्चे गंवाएं हैं, वो परिवारवाले ही इसका दुख-दर्द समझ सकते हैं। ये सरकारी ही नहीं, नैतिक ज़िम्मेदारी भी है। आशा है चुनावी राजनीति करनेवाले पारिवारिक विपदा की इस घड़ी में इसकी सच्ची जाँच करवाएंगे और अपने तथाकथित स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्रालय में ऊपर-से-नीचे तक आमूलचूल परिवर्तन करेंगे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर निशाना साधते हुये उन्होने कहा रही बात उप्र के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री की तो उनसे कुछ नहीं कहना है क्योंकि उन्हीं के कारण आज उप्र में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा व्यवस्था की इतनी बदहाली हुई है। संकीर्ण-साम्प्रदायिक राजनीति की निम्न स्तरीय टिप्पणियाँ करने में उलझे मंत्री जी को तो शायद ये भी याद नहीं होगा कि वो स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री हैं। न तो उनके पास कोई शक्ति है न ही इच्छा शक्ति, बस उनके नाम की तख़्ती है। अखिलेश यादव ने मांग करते हुये कहा सबसे पहले उप्र भाजपा सरकार समस्त झुलसे बच्चों के लिए विश्वस्तरीय चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराए व जिन्होंने अपने बच्चों को खोया है, उन समस्त शोक संतप्त परिवारों को 1-1 करोड़ संवेदना राशि दे। गोरखपुर न दोहराया जाए। गौरतलब है कि झांसी मेडिकल कालेज में शुक्रवार देर रात आग लगने की घटना में नीकू वार्ड में भर्ती दस नवजात शिशुओं की झुलस कर मौत हो गयी थी।

नवजात की मौत महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में आग लगने से 10 नवजात शिशुओं की मौत.....

झांसी अस्पताल हादसा : अधिकारियों ने दी जानकारी, कैसा है घटनास्थल का हाल

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के झांसी से दिल को दहला देने वाली घटना की खबर आ रही है। यहां झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में आग लगने से 10 नवजात शिशुओं की मौत की पुष्टि हुई है। जबकि, 47 के करीब नवजात को रेस्क्यू कर बचा लिया गया है। झांसी के इस बाल चिकित्सा वार्ड (एसएनसीयू) में शुक्रवार की देर रात यह हादसा हो गया। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां घटनास्थल पर हैं। बताया जा रहा है कि अब यहां अस्पताल में लगे आग पर काबू पा लिया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस घटना की जानकारी मिलते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ह्लजनपद झांसी स्थित मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में घटित एक दुर्घटना में हुई बच्चों की मृत्यु अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। जिला प्रशासन तथा संबंधित अधिकारियों को युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्यों को संचालित कराने के निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। घटना का जानकारी मिलते ही सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। ब्रजेश पाठक ने एक्स पोस्ट में लिखा, ह्लआज झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष (एसएनसीयू वार्ड) में अग्निकाण्ड की हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में कई नवजात शिशुओं की मृत्यु अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है।

जिला प्रशासन तथा संबंधित अधिकारियों को युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्यों को संचालित कराने के निर्देश दिए हैं। मैं स्वयं दुर्घटना स्थल पर पहुंच रहा हूं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि पुण्यात्माओं को शांति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। इस घटना को लेकर झांसी के जिला अधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि कॉलेज के एनआईसीयू (शिशु वार्ड) में अंदर की यूनिट में शुक्रवार रात 10.30 से 10.45 के बीच आग लगी थी। अंदर की यूनिट में ज्यादा गंभीर रूप से बीमार बच्चे थे, जबकि बाहर की यूनिट में कम गंभीर रूप से बीमार बच्चे थे। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, 10 बच्चों की मौत हो गई है। उस समय वार्ड में मौजूद कर्मचारियों का कहना है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। जिलाधिकारी ने कहा कि बाहर की यूनिट के सभी बच्चों को बचा लिया गया है। अंदर की यूनिट के भी कुछ बच्चों को बचाया गया है। झांसी मंडल के कमिश्नर बिमल कुमार दुबे ने बताया कि घटना के समय वार्ड में 54-55 बच्चे भर्ती थे। घायल बच्चों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। झांसी मंडल के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। मौके पर फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां पहुंची। पुलिस की टीम मौजूद है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कमिश्नर और डीआईजी के नेतृत्व में जांच टीम का गठन कर 12 घंटे के भीतर रिपोर्ट तलब की है।

बिजनौर में तेज रफ्तार कार की ऑटो से टक्कर, 7 लोगों की मौत

बिजनौर, एजेंसी। बिजनौर के धामपुर क्षेत्र में शनिवार सुबह घने कोहरे के कारण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। यह हादसा धामपुर के देहरादून नैनीताल नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार द्वारा श्री व्हीलर को पीछे से टक्कर मारने के कारण हुआ। हादसे में श्री व्हीलर के चालक सहित सात लोगों की मौत हो गई। हादसे में सभी मृतक झारखंड में शादी कर वापस अपने गांव तिबड़ी आ रहे थे। जानकारी के अनुसार, एक ही परिवार के 6 लोग थे और यह यह शादी विशाल नाम के युवक की थी। ये लोग ट्रेन से मुरादाबाद आए और फिर एक श्री व्हीलर कर अर्धरात्रि के समय गांव जा रहे थे। जब वह धामपुर नगीना मार्ग पर फायर स्टेशन के पास पहुंचे तो पीछे से क्रेटा कार ने टक्कर मार दी। इन सभी 6 लोगों की उपचार के लिए अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

चारधाम यात्रा के लिए 91 हजार लेकर हेलिकॉप्टर के फर्जी टिकट दिए

हरिद्वार, एजेंसी। गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के यात्रियों के हेलिकॉप्टर की बुकिंग कराने के नाम पर फर्जी टिकट देकर 91 हजार हड़प लेने का मामला सामने आया है। गुप्तकाशी से ट्रांसफर होकर आई जीरो एफआईआर पर नगर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश से मई माह में 17 लोग चारधाम यात्रा के लिए आए थे। हरिद्वार में सभी केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री की यात्रा करने के लिए मिल गए। श्यामलाल शाहू की ओर से दी गई शिकायत में बताया गया कि इनमें दो महिला यात्रियों का ऑनलाइन टिकट नहीं था। हरिद्वार में ऑफलाइन टिकट लिया। इसी बीच हरिद्वार में एक व्यक्ति मिला, जिसने ने केदारनाथ जाने के लिए हेलिकॉप्टर टिकट बनवाने के लिए कहा। आरोप है कि उसने एक अन्य व्यक्ति का मोबाइल नंबर दिया। उससे 15 हेलिपेड टिकट बुक करवाए। जब 21 मई को हेलिपेड टिकट स्टेशन पर पहुंचते तो पता चला कि टिकट फर्जी है। एक के 4600 रुपये कुल 91,800 रुपये ऑनलाइन दिए थे। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

बंदरों के डर से घर की छत पर जाने से कतराते हैं लोग

ऋषिकेश, एजेंसी। कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने हरिधाम कॉलोनी में स्थानीय वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात की। इस दौरान उनकी समस्याओं को सुना और मौके पर निस्तारण भी कराया। बृहस्पतिवार को मंत्री अग्रवाल हरिधाम कॉलोनी में वरिष्ठ नागरिकों के बीच पहुंचे और कुशलता की जानकारी ली। साथ ही उनकी समस्याएं भी जानी। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बंदरों का आतंक इस क्षेत्र में अत्यधिक है। बंदरों के हमले से कई लोग घायल भी हो चुके है। स्थानीय नागरिक अपने घर की छत पर जाने से कतराते हैं। मंत्री अग्रवाल ने मौके से ही रेंजर ऋषिकेश को फोन कर समस्या के निदान को लेकर निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने स्थानीय नागरिकों की अन्य समस्याओं जैसे नाली सफाई व चौड़ीकरण, बिजली की लटकती तारें, सड़क के बीच बना विद्युत पोल आदि के निदान करने का भी आश्वासन दिया। इस मौके पर दर्शन लाल, अभिनव चौहान, करणपाल, एसएस गुप्ता, मंजुला निगम, शाहजेंद्र शर्मा, अमित गोयल, जितेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

मंत्री ने किया पहाड़ी रसोई का उद्घाटन

ऋषिकेश, एजेंसी। देवभूमि मां गंगा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से पहाड़ी रसोई का शुभारंभ किया गया है। जिसका उद्घाटन कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने किया। इस रसोई में ट्रस्ट की महिलाओं की ओर से विश्व प्रसिद्ध पहाड़ी व्यंजन परोसे जाएंगे। मुनि की रेती में ऋषिलोक मार्ग पर पर्यटक आवास गृह के समीप ट्रस्ट की महिलाओं की सहयोग से पहाड़ी रसोई का संचालन शुरू किया गया है। ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट की महिलाएं भी इस रसोई में सहभागिता निभा रही हैं। मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि आज उचित खान-पान नहीं होने के कारण कई रोग पैदा हो रहे हैं। इसके लिए पहाड़ी रसोई के व्यंजन और ऑर्गेनिक उत्पाद जन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होंगें। साथ ही इससे महिला उत्थान व स्वरोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिओम शर्मा ने कहा कि देवभूमि मां गंगा चैरिटेबल ट्रस्ट उत्तराखंड में पलायन रोकने के लिए अहम भूमिका निभा रहा है। सभी के हाथों में रोजगार होगा तो प्रदेश से पलायन भी रूकेगा। इस मौके पर ट्रस्ट सचिव योगेश उनियाल, अमिता उनियाल, डॉ. ज्योति शर्मा, ज्योतिषाचार्य सोनिया राज, योगाचार्य उदय रायल, शिविक राज आदि मौजूद रहे।

नकदी और मोबाइल लूट में नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

रूड़की, एजेंसी। कंपनी कर्मचारी से नकदी और मोबाइल लूट में पुलिस ने एक नाबालिग और एक युवक को गिरफ्तार किया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त बाइक और तीन सौ रुपये की नकदी भी बरामद की है। पुलिस ने युवक को जेल और नाबालिग को बाल सुधार गृह भेज दिया है। तीसरा आरोपी केरल फरार हो गया है। पुलिस उसकी जानकारी जुटा रही है। मनोज कुमार मौर्या निवासी गांव लिदेहना, जिला गोंडा यूपी भगवानपुर की एक कंपनी में नौकरी करते हैं। सात नवंबर की रात वह कंपनी से पैदल ही कमरे पर जा रहे थे। इस बीच बाइक सवार तीन युवक उनके पास आए और उन्हें कमरे पर छोड़ने की बात कही। उनकी बातों में आकर वह बाइक पर बैठ गए। इस बीच तीनों उन्हें खेतों में ले गए और मारपीट कर 4500 रुपये और मोबाइल व दस्तावेज लूट लिए थे। साथ ही मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने तहरीर पर केस दर्ज कर तीनों की तलाश शुरू कर दी थी। प्रभारी निरीक्षक सूर्यभूषण नेगी ने बताया कि बुधवार शाम चेकिंग के दौरान दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इस पर दोनों ने बताया कि उन्होंने अपने एक साथी के साथ मिलकर लूट की थी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जाबिर उर्फ इल्लो निवासी गांव सिकंदरपुर, भगवानपुर और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 300 रुपये और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। तीसरा आरोपी सावाज केरल फरार हो गया है।

नई पहल: 47 महिलाओं ने झाड़ू उठाई तो बदल गई बागेश्वर शहर की सूरत

अभिनव प्रयास बना पूरे राज्य के लिए मिसाल

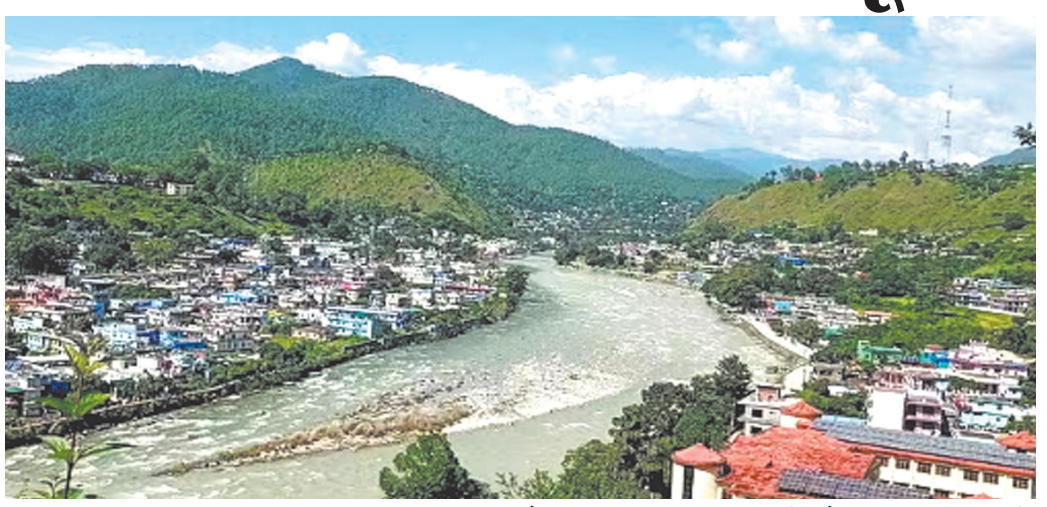

बागेश्वर, एजेंसी। नगर पालिका बागेश्वर का अभिनव प्रयास पूरे राज्य के लिए मिसाल बना है। महिलाओं ने लोगों को गीले कूड़े से खाद बनाने के लिए प्रेरित किया। पालिका ने कूड़ा संग्रहण के लिए महिलाओं को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए। अब ये महिलाएं सुबह कूड़ा एकत्रीकरण का काम करती हैं। 47 महिलाओं ने हाथ में झाड़ू उठाई तो बागेश्वर शहर की सूरत ही बदल गई। नगर पालिका बागेश्वर का यह अभिनव प्रयास आज पूरे प्रदेश के लिए मिसाल बन गया है। अन्य निकायों में भी इसकी तर्ज पर पहल की कोशिश की जा रही है। दरअसल, बागेश्वर का भौगोलिक स्वरूप ऐसा है कि हर गली मोहल्ले तक कूड़ा एकत्रीकरण का काम वाहन से नहीं हो पाता था। पालिका ने वर्ष 2017-18 में यहां के 100 परिवारों के घरों से सूखा अपशिष्ट लेने के लिए पहले चरण में 18 महिलाओं को अनुबंधित किया था। इन्हें प्रति महिला प्रति दिन 100 रुपये की दर से 3000 रुपये प्रति महिला को मासिक भुगतान किया जाता था। पालिका ने इन महिलाओं को गीले और सूखे कूड़े के पृथक्करण की जानकारी दी। इन महिलाओं ने लोगों को गीले कूड़े से खाद बनाने के लिए प्रेरित किया। पालिका ने कूड़ा संग्रहण के लिए महिलाओं को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए। अब ये महिलाएं सुबह कूड़ा एकत्रीकरण का काम करती हैं और इसके बाद अपने दैनिक घरेलू कार्य भी आसानी से कर लेती हैं। गीले कचरे से कंपोस्ट खाद भी तैयार कर रहीं हैं। इस अभिनव प्रयास को शहरी कार्य संस्थान प्रकाशित कर चुका है। वर्तमान में 11 वार्डों में 47 महिलाएं और दो महिला सुपरवाइजर कूड़ा एकत्रीकरण कर रहीं हैं। उनके प्रभावित होकर नगर पंचायत कपकोट में एक वार्ड में दो महिलाएं ये काम कर रहीं हैं। उन्हें 1,41,000 मानदेय दिया जा रहा है। दो सुपरवाइजर को 10 हजार का मानदेय दिया जाता है। ये महिलाएं सभी वार्डों से 75 हजार रुपये यूजर चार्ज वसूल कर रही हैं। सचिव शहरी विकास नितेश झा का कहना है कि यह अभिनव प्रयास अन्य निकायों के लिए मिसाल है। कूड़ा संग्रहण के दौरान इन महिलाओं के लिए चुनौतियां भी कम न थीं। निकृष्ट कार्य मानने वाले समाज के बीच इनको तिरस्कार का सामना करना पड़ा। कई बार उनको कूड़ेवाली के नाम से पुकारा जाता, जिससे उनका मनोबल प्रभावित होता था। वार्डों में जब काम शुरू हुआ तो गीला और सूखा कूड़ा मिलाकर देते थे, जो वार्डों से मुख्य मार्गों तक सिर पर ढोते समय उनके कपड़े भी गीले हो जाते थे। सर्दी व बरसात में सिर पर कूड़ा ढोना बेहद मुश्किल काम था।

छात्रावास को बालिकाओं का इंतजार

ऋषिकेश, एजेंसी। शहीद दुर्गा मल्ल पीजी कॉलेज में बालिकाओं के लिए बनाए गए छात्रावास में पर्याप्त छात्राएं नहीं मिलने से यह शुरू नहीं हो पा रहा है। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि पर्याप्त संख्या में आवास लेने वाली छात्राएं मिलने के बाद ही इसे शुरू किया जा सकेगा।

छात्रा बाहुल्य डोईवाला महाविद्यालय के नवनिर्मित बालिका छात्रावास को छात्राओं का इंतजार है। बालिकाओं के लिए केंद्र सरकार के राष्ट्रीय शिक्षा उच्चतर अभियान के तहत तीन करोड़ रुपये की लागत से छात्रावास तैयार किया था। जिसका लोकार्पण जुलाई माह में उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने किया था।

नए शैक्षिक सत्र से इसे शुरू करने की योजना थी। लेकिन छात्राओं की ओर से अभी आवेदन मिलने शुरू नहीं हो सके हैं। छात्राओं के आवेदन मिलने के बाद ही छात्रावास के लिए वार्डन समेत अन्य व्यवस्थाओं को कॉलेज प्रशासन की ओर से बनाया जाएगा। कॉलेज की ओर से छात्रावास का लाभ लेने के लिए आवेदन करने को कहा जा रहा है। बालिका छात्रावास को शुरू कराने के लिए 20-25 छात्राओं की जरूरत है। अभी छात्राओं की ओर से छात्रावास में प्रवेश लेने संबंधी आवेदन नहीं मिले हैं। आवेदन मिलने के बाद छात्रावास के जरूरी व्यवस्थाओं को बनाया जाएगा। पर्याप्त आवेदन नहीं मिलने की वजह से छात्रावास को शुरू करने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

पांच उड़ाने विलंब से एयरपोर्ट पहुंची

ऋषिकेश, एजेंसी। विस्तारा के एयर इंडिया में विलय के बाद एयर इंडिया की उड़ानें संबंधित शहरों से देरी से देहरादून पहुंच रही हैं। विलय के बाद बीते सोमवार को देहरादून एयरपोर्ट पर विस्तारा की कुल तीन शहरों की उड़ानों ने आखिरी बार उड़ान भरी थी।

मंगलवार से एयर इंडिया ने विस्तारा के विमानों से मुंबई, दिल्ली और बंगलूरू से देहरादून के लिए उड़ान भरना शुरू कर दिया है। विलय होने के कारण कई तकनीकी और दूसरे कारणों के कारण लगातार तीसरे दिन एयर इंडिया की उड़ानें देरी से एयरपोर्ट पहुंची।

वहीं दिल्ली सहित देश के कई शहरों में प्रदूषण के कारण छाई धुंध के कारण भी फ्लाइटें विलंब से एयरपोर्ट पहुंच रही हैं। बृहस्पतिवार को मुंबई से देहरादून आने वाली एयर इंडिया की उड़ान दोपहर 2:20 के स्थान पर 3:11 बजे एयरपोर्ट पहुंची। एलायंस एयर की अमृतसर वाली उड़ान ढाई बजे के स्थान पर 3:18 बजे आई। एयर इंडिया दिल्ली पौने तीन बजे के स्थान पर 3:44 बजे एयरपोर्ट पर उतरी।

यातायात को सरल, सुगम और सुरक्षित बनाएं : जिलाधिकारी

हरिद्वार, एजेंसी। बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट में सड़क सुरक्षा की बैठक जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में हुई। जनपद में यातायात को सरल, सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए। निर्देश दिए कि परिवहन विभाग, लोनिवि, एनएचएआई व पुलिस के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें।

जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने निर्देश देते हुए कहा कि जिले में ब्लैक स्पोट्स चिन्हित कर प्राथमिकता से कार्यवाही अमल में लाई जाए। नगर निगम रूड़की को देवबंद और झबरेडा तिराहे पर ट्रैफिक लाइट न होने पर जल्द प्रस्ताव बनाकर लाइट लगवाने के निर्देश दिए। खैरा ढाबा से श्यामपुर तक साइन बोर्ड ओर डायवर्जन बोर्ड लगवाने के निर्देश दिए। जनपद में होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष प्रयास करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि तहसील स्तर पर महीने में एक बार बैठक हो।

बीएचईएल में बनाए गए चौराहें मानकों के अनुरूप बने हैं कि नहीं पीडब्लूडी, एआरटीओ और सीओ मिलकर रिपोर्ट देंगे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को वाहन दुर्घटना में घायलों तक स्वास्थ्य सेवाएं व एम्बुलेंस पहुंचाने में रेस्पोन्स टाइम कम से कम करने के निर्देश दिए। एआरटीओ को शुगर मिल के आसपास क्षेत्रों में ट्रैक्टर ट्रॉली पर रिफ्लेक्टर टेप लगवाने और चंडी चौक पर शाम को चेकिंग बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त मजिस्ट्रेट आशीष कुमार मिश्रा, एसपी यातायात पंकज गैरोला, एसडीएम जितेंद्र कुमार, डॉ. आरके गुप्ता, एआरटीओ रश्मि पंत, एएनएचआई के अभिषेक कुमार, डॉ. नरेश चौधरी, जिला शिक्षाधिकारी आशुतोष भंडारी आदि मौजूद रहे।

हल्द्वानी में युवतियों से छेड़छाड़, विरोध पर घर में किया पथराव, दोनों तरफ से हुई पथरबाजी; पुलिस को सौंपी तहरीर

हल्द्वानी , एजेंसी। नशे से धुत युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। शादी में आई लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की। विरोध में दोनों ओर से जमकर पथराव हुआ। दोनों पक्षों ने छेडछाड़ और मारपीट का आरोप लगाते हुए काठगोदाम थाने में पुलिस को तहरीरें सौंपी हैं।

दमुवाढूंगा क्षेत्र में नशे से धुत युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। शादी में आई लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की। विरोध में दोनों ओर से जमकर पथराव हुआ। दोनों पक्षों ने छेडछाड़ और मारपीट का आरोप लगाते हुए काठगोदाम थाने में पुलिस को तहरीरें सौंपी हैं।

यह घटना वार्ड 37 के मित्रपुरम में मंगलवार रात हुई। मोहल्ले में दुकान चलाने वाले एक पक्ष का कहना है कि रात के समय उनकी नाबालिग बेटी दुकान बंद कर रही थी। तभी पास में ही रहने वाले कुछ लड़के नशे की हालत में वहां पहुंच गए। इनमें से एक ने लड़की का हाथ पकड़कर अपनी ओर खींच लिया। विरोध के बीच लड़की की मां वहां पहुंच गई। मां ने बेटी को बचाना चाहा तो उनके थप्पड़ मार दिया। पिता पहुंचे तो उनके सिर पर पत्थर मार दिया, जिससे गहरी चोट आई। इसके बाद युवक व उसके साथियों ने घर पर पथराव कर दिया। इससे मां के सिर में गहरी चोट आ गई। युवक ने बाहर खड़ी मोटर साइकिल को नाले में फेंक दिया। पथराव से घर में लगे कांच टूट गए। उधर दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया है कि उनके घर में शादी का कार्यक्रम था। पड़ोसियों ने पहुंचकर मारपीट करते हुए पथराव भी कर दिया। शादी में आई युवतियों से छेड़खानी की गई। एसओ काठगोदाम दीपक बिष्ट ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से तहरीर मिली हैं। मामले की जांच की जा रही है।

पत्नी को छोड़ की दूसरी शादी, विरोध पर मारने की कोशिश

रूड़की, एजेंसी। ई-रिक्शा चालक ने पत्नी को बिना तलाक दिए एक युवती से शादी कर ली। विरोध करने पर पत्नी के साथ मारपीट कर गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। साथ ही बेटे के साथ पत्नी को घर से बाहर निकाल दिया। महिला ने पुलिस को तहरीर दी है। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र स्थित सुनहरा रोड निवासी एक महिला ने पुलिस को बताया कि करीब तीन साल पहले उसकी शादी हुई थी। उसका दो साल का बेटा भी है।

बीच बाजार तमंचा लहराते युवक दबोचा, तलवार और फरसा बरामद

रुद्रपुर, एजेंसी। काशीपुर रोड पर कार और बाइक की टक्कर हो गई। इसमें कार सवार ने हाथ में तमंचा लहराना शुरू कर दिया। शोर-शराबा सुनकर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार सवार को तमंचा संग गिरफ्तार कर लिया। कार की तलाशी लेने पर तमंचा, तलवार और फरसा बरामद किया गया। पुलिस ने कार सवार के खिलाफ केस दर्ज लिया है। गुरु पर्व पर पुलिसकर्मी चौकी बाजार में ड्यूटी कर रहे थे। तभी काशीपुर बाईपास रोड पर कार चालक और बाइक सवार के बीच वाहन के टकराने को लेकर विवाद हो गया। शोर-शराबा सुनकर बाजार चौकी इंचार्ज एसआई जितेंद्र सिंह और आर्दश कालोनी चौकी इंचार्ज होशियार सिंह मौके पर पहुंचे।

ग्लोबल इन्फ्रा प्रोजेक्ट से स्थानीय व्यापारियों को भी जोड़ने की मांग

देहरादून, एजेंसी। डाकपत्थर क्षेत्र के व्यापारियों और ट्रेड यूनियन के पदाधिकारियों ने कहा कि वह ग्लोबल इन्फ्रा प्रोजेक्ट का स्वागत करते है। इस प्रोजेक्ट से स्थानीय व्यापारियों और आम लोगों को भी जोड़ा जाए। स्थानीय व्यापारियों और लोगों को प्रोजेक्ट से जोड़े बिना व्यापार और आवागमन की सुविधा दोनों ही ठप हो जाएगी। इसलिए प्रोजेक्ट का काम शुरू करने से पहले व्यापारियों और स्थानीय लोगों का पक्ष भी सुना जाना चाहिए। डाकपत्थर क्षेत्र के व्यापारियों और ट्रेड यूनियन के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को अग्निशमन केंद्र परिसर में बैठक की। व्यापारियों ने कहा कि डाकपत्थर परियोजना क्षेत्र में करीब 180 एकड़ भूमि पर ग्लोबल इन्फ्रा प्रोजक्ट का निर्माण होना है। इसमें शैक्षणिक, पर्यटन और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विश्वस्तरीय संस्थान स्थापित किए जाएंगे। परियोजना क्षेत्र की अधितकतर भूमि उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड और कुछ सिंचाई विभाग के स्वामित्व में है। वर्ष 1964 में देश और क्षेत्र के विकास के लिए ग्राम पंचायत जीवनगढ़ और तत्कालीन एनफील्ड ग्राम पंचायत ने अपनी भूमि दी थी। लेकिन, भूमि को यूआईआईडीबी/सिडकुल को नीलामी के लिए हस्तांतरित की जा रही है। कहा कि सरकार के इस फैसले से स्थानीय व्यापारियों के रोजगार पर संकट खड़ा हो जाएगा। डाकपत्थर पछवादून का अंतिम बाजार है। व्यापारियों और ट्रेड यूनियन के पदाधिकारियों ने कहा कि पछवादून की निजी बस सेवा का अंतिम स्टॉप डाकपत्थर है। यहां से संचालित होने वाली बस सेवा का लाभ सीमांत हिमाचल प्रदेश, कालसी, बाढ़वाला, अंबाड़ी, डाकपत्थर, जीवनगढ़ और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों को मिलता है। बताया कि यहां बस स्टैंड की व्यवस्था होनी चाहिए। भूमि के हस्तांतरण से पहले व्यापारियों से सुझावों पर सोच विचार के उपरांत उच्चतम न्यायालय के हाल में दिए निर्णय का पालन किया जाए। बैठक में इंटेक के जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, राजेश सचदेवा, रतन लाल गोदियाल, जगदीश सिंह, अजय गुलाटी, अशोक, अमन, हनी मित्तल, सुमित चौहान, रमाकांत गुप्ता, महमूद खान, कपिल गोयल, मोनी, भूरा, रहमान, बबलू, मोहम्मद नफीस, वीरेंद्र, सुमित चौहान, रमेश डोभाल मौजूद रहे।

वॉलीबाल में रानीबाग, कबड्डी में सांगुड़ीगांव विजेता

भीमताल/पहाड़पानी (नैनीताल), एजेंसी। मिनी स्टेडियम में खेल महाकुंभ प्रतियोगिता आयोजित हुई। वॉलीबाल में रानीबाग, खोखो में ज्योलीकोट, सांगुड़ीगांव, कबड्डी में सांगुड़ीगांव विजेता रहा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष कमला आर्या, समाजसेवी नितेश बिष्ट, आशा उप्रेती आदि मौजूद रहे। ओखलकांडा के नाई में कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग में भीड़ापानी प्रथम, बालिका में नाई प्रथम रहा। संजय परिहार, संजय कांडपाल मौजूद रहे।

इधर पतलोट में 1500 मीटर दौड़ में दीपक कुड़ाई, 100 मीटर में गणेश बोरा, 5000 मीटर में दीपक कुड़ाई, 800 मीटर में नीरज पोखरिया प्रथम रहे।

चार माह से उधार में राशन खरीद रहा नाभा हाउस छात्रावास प्रशासन

ऋषिकेश, एजेंसी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय बालक छात्रावास नाभा हाउस प्रशासन पिछले चार माह से उधार में राशन खरीद बच्चों को भोजन करा रहा है। जिससे छात्रावास प्रशासन पर दो लाख रुपये से अधिक की उधारी हो चुकी है। अब दुकानदार भी उधार में राशन देने से हाथ खड़े कर रहे हैं। यदि जल्द छात्रावास प्रशासन को बजट नहीं मिला तो यहां रह रहे छात्रों के समक्ष भोजन का संकट पैदा हो जाएगा।

छात्रावास में अनियमितता की शिकायत किसी व्यक्ति ने सीएम पोर्टल पर की थी। जिस पर मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रदीप रावत यहां निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। छात्रावास की वार्डन डॉ. अंजू श्रीवास्तव ने उन पर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया।

उन्होंने अधिकारियों को बताया कि छात्रावास का एक कर्मचारी करीब सात-आठ साल से झूठे शपथ पत्र के आधार पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस छात्रावास ऋषिकेश और शिशु शिक्षा समिति आदर्श नगर में लगातार एक ही समय में दोनों स्थानों पर कार्य कर रहा था। जब कर्मचारी के इस षड्यंत्र का पता विभाग को चला तो विभागीय कार्रवाई में दोषी पाए जाने पर उक्त कर्मचारी को छात्रावास से पदमुक्त कर दिया गया था। उसके बाद से ही कर्मचारी छात्रावास के बच्चों व वार्डन से रंजिश रखने लगा और निरंतर षड्यंत्रकारी कर झूठी कूट रचित शिकायतें मुख्यमंत्री पोर्टल, शिक्षा अधिकारी आदि को भेज कर विभाग को गुमराह करता रहा। वार्डन श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले चार माह से बजट नहीं मिला है। उधार में राशन आदि का प्रबंध किया जा रहा है।

तामली और मंच में इलाज नहीं मिलने से आना पड़ा जिला अस्पताल

चंपावत, एजेंसी। जिला मुख्यालय से 52 किमी दूर सीमांत क्षेत्र तामली की एक महिला की बुधवार देर रात को अचानक तबीयत खराब हो गई। बुधवार देर रात को तामली निवासी कलावती पांडेय (46) का स्वास्थ्य खराब हो गया। भाजपा नेता देवेंद्र जोशी ने बताया कि परिजनों की मदद से उन्हें तामली एएनएम सेंटर में ले गए। वहां सेंटर बंद था। इसके बाद उन्हें मंच अस्पताल में ले गए, लेकिन वहां सिर्फ नर्स मिली। इससे उनका इलाज नहीं हो पाया। संचार की दिक्कत होने से 108 वाहन से संपर्क नहीं हो पाया। फिर उन्हें निजी वाहन से जिला अस्पताल लाया गया। अस्पताल में महिला इलाज किया गया, लेकिन रात में एक्स-रे नहीं होने से बीमार को निजी अस्पताल ले जाकर एक्सरे कराया गया। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आशीष ने बताया कि महिला का प्राथमिक इलाज किया गया। उसके बाद एक्सरे के लिए भेजा गया।

मंच क्षेत्र की 108 एंबुलेंस खराब, मरीज हो रहे परेशान

चंपावत, एजेंसी। जिले के मंच क्षेत्र की 108 एंबुलेंस खराब होने से मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते क्षेत्र के लोगों को निजी वाहनों से मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाना पड़ रहा है। 19 दिनों से खराब है। इसके चलते क्षेत्र की 10,000 से अधिक आबादी परेशान है। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि एंबुलेंस खराब होने से लोगों को काफी परेशानियां आ रही हैं। बताया कि मरीज को लाने और ले जाने में दिक्कत आ रही है। मरीज को अस्पताल पहुंचने में लोगों को निजी वाहन बुक करना पड़ रहा है।

अस्कोट में कलश यात्रा के साथ मल्लिकार्जुन महोत्सव शुरू, श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया

पिथौरागढ़, एजेंसी। अस्कोट में कलश यात्रा के साथ मल्लिकार्जुन महोत्सव और मेले का शुभारंभ हुआ। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में ढोल-नगाड़ों के साथ मंदिर तक कलश यात्रा निकाली। श्रद्धालुओं ने मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा।

पिथौरागढ़ जिले के अस्कोट में कलश यात्रा के साथ मल्लिकार्जुन महोत्सव और मेले का शुभारंभ हुआ। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में ढोल-नगाड़ों के साथ मंदिर तक कलश यात्रा निकाली

इसमें क्षेत्र के लोग शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा।

बृहस्पतिवार को मल्लिकार्जुन महोत्सव का शुभारंभ कुंवर भानुराज सिंह पाल और कांग्रेस नेता प्रदीप पाल ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव पूरे क्षेत्र की आस्था का केंद्र है। इसे भव्य रूप में मनाया जाएगा। इससे पूर्व महिलाओं और क्षेत्र के लोगों ने मंदिर तक भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए कलश यात्रा निकाली। पंडित नारायण दत्त पंत ने पूजा संपन्न कराई। इस दौरा लोगों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर मंगल कामना की। शुक्रवार यानि आज से महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। मंदिर में रात्रि जागरण के साथ भजन-कीर्तनों का भी आयोजन होगा।

विज्ञान भवन : नई दिल्ली में दो दिवसीय आयुषकॉन कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक सम्पन्न

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिनांक 13-14 नवम्बर, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयुष्मान द्वारा आयुषकॉन-2024 का भव्य आयोजन किया गया, जिसका थीम था- आयुष एण्ड होलिस्टिक हेल्थ। इस आयोजन का उद्घाटन तेलंगाना राज्य के राज्यपाल महामहिम श्री जिशनु देव वर्मा जी ने किया। इस आयोजन के उद्घाटन सत्र में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर जी, सीसीआरवाईएन के निदेशक डॉ राघवेंद्र राव जी, जदयू के वरिष्ठ मंत्री श्री के. सी. त्यागी जी, रामकृष्ण मिशन आश्रम नई दिल्ली के सचिव स्वामी सवालीकनंद जी, राज्य सभा सांसद श्री राम चंद्र जांगड़ा जी, इंटेग्रेटेड आयुष काउंसिल के अध्यक्ष डॉ शिष्टा नड्डा बसु जी उपस्थित रहे

उद्घाटन वक्तव्य में आयुष्मान के संयोजक डॉ.विपिन कुमार जी ने मंच पर उपस्थित सभी विशेष अतिथियों को शॉल एवं प्रशस्ति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में महामहिम श्री जिशनु देव वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर जी, सीसीआरवाईएन के निदेशक डॉ राघवेंद्र राव जी, जदयू के वरिष्ठ मंत्री श्री के. सी. त्यागी जी, रामकृष्ण मिशन आश्रम नई दिल्ली के सचिव स्वामी सवालीकनंद जी, राज्य सभा सांसद श्री राम चंद्र जांगड़ा जी, इंटेग्रेटेड आयुष काउंसिल के अध्यक्ष डॉ शिष्टा नड्डा बसु का स्वागत किया और आयुषकॉन-2024 के इस आयोजन में उनकी उपस्थिति के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापन किया।

डॉ.विपिन कुमार जी ने अपने उद्घाटन भाषण में सबसे पहले आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज उन्हीं के प्रयासों से भारत चाँद पर कदम रखने में सफल रहा। यह क्षण हम सब भारतवासियों के लिए गौरव का क्षण है। आयुषकॉन-2024 के इस अवसर उन्होंने प्रधानमंत्री जी को साधुवाद देते हुए कहा कि वे एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पद संभालते ही विकसित भारत का संकल्प किया और पूरे देशवासियों से विकसित भारत बनने में योगदान के लिए प्रेरित किया। इसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए भारतीय जान परम्परा आगे बढ़ाने एवं उसे अपनाने के लिए आयुष मंत्रालय बनाया । उन्होंने कहा कि विकसित भारत केवल एक सपना नहीं है यह हमारे विश्वगुरु बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, विश्वगुरु बनने के लिए हमें अपनी परम्परा से जुड़ना होगा, आयुष के साथ ही हम इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं इसके लिए सरकार के प्रयास बेहद सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि आज आयुष का महत्व बढ़ा है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान न्यास पूरे वर्ष आयुष संबधी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है और लोगों को आयुष के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने उपस्थित सभी श्रोताओं से यह संकल्प लेने को कहा कि वे आयुष के संदेश को लोगों तक पहुचाएं।

आयुष संवर्द्धन के लिए डॉ बिपिन कुमार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रयासों के लिए उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने महर्षि अरविंद के दर्शन के महत्व पर बात करते हुए कहा कि हम सबको महर्षि अरविंद के

मार्ग पर चलना चाहिए। महर्षि अरविंद ने न केवल स्वाधीनता की लड़ाई लड़ी बल्कि उन्होंने समाज में मानवतावादी दृष्टिकोण देने का प्रयास किया। उन्होंने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज आयुष की जरूरत क्यों है ? उन्होंने कहा कि आयुष स्वास्थ्य लाभ के लिए बेहद जरूरी है। यह स्वस्थ रहने का एकमात्र साधन है। डॉ बिपिन कुमार जी ने खानपान पर जोर देते हुए कहा कि यह मात्र जानकारी नहीं है; इस सम्मेलन का उद्देश्य जागरूकता फैलाना है। अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने इस दोदिवसीय सम्मेलन की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की और सभागार में उपस्थित विभिन्न शहरों, संगठनों, संस्थाओं से आये हुए श्रोताओं का अभिवादन किया और उनका स्वागत किया। अपने भोजन को दवा बनाओ न कि दवाओं को अपना भोजन। उन्होंने कहा कि आपका भोजन ही आपकी औषधि बननी चाहिए। जो व्यक्ति जहाँ जन्म लेता है उसको वही की औषधि हितकारी होती है। उन्होंने स्थानीय भोजन को अपनाने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति हैं जहाँ जिस भौगोलिक परिस्थिति में रहता है, उसे उसी भौगोलिक परिस्थितियों में उत्पन्न भोजन अपनाना चाहिए। उन्होंने भारतीयों में बढ़ते रोगों का एक बड़ा कारण विषम परिस्थितियों में उत्पन्न भोजन को माना। उन्होंने कहा कि हम अपना भोजन छोड़कर विदेशी भोजन अपना रहे हैं। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत को औषधि मुक्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना ने सिखाया कि औषधियों पर निर्भरता बेकार है।

स्वामी सर्वलोकानंद जी महाराज ने आयुर्वेद एवं अध्यात्म के आदर्शों एवं जीवन शैली को आज की बड़ी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि आज कर्मयोग, ज्ञानयोग, राजयोग एवं भक्तियोग को बहुत ही सरलता व स्पष्टता से समाज में समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान आधुनिक जीवन शैली में अमृतपान के समान है। सीसीआरवाईएन के निदेशक डॉ राघवेंद्र राव जी ने कहा कि आज पूरी दुनिया ने योग के विश्वगुरु के रूप में हमें स्वीकार किया है।

उद्घाटन सत्र का अंतिम वक्तव्य तेलंगाना राज्य के राज्यपाल महामहिम श्री जिशनु देव वर्मा जी ने किया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए संयोजक डॉ बिपिन कुमार जी की प्रशंसा की और योग एवं आयुष को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभागार में उपस्थित सभी लोगों को रोज टहलना चाहिए; विशेषता महिलाओं को। उन्होंने लड़कियों को साहसी और निडर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने एक प्रसिद्ध कहावत से अपनी बात को आगे बढ़ाया- ह्रदय जाए तो कुछ नहीं जाता। स्वास्थ्य चला जाये तो थोड़ा जाता है परंतु चरित्र चला जाए तो सबकुछ चला जाता है। इन्होंने आयोजन समिति को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

दोपहर भोजन के उपरांत डॉ. विनोद कुमार यादव जी, भारतीय योग संस्थान के डॉ. देशराज जी ने आयुष एवं योग के आधुनिक महत्व पर प्रकाश डाला। भारतीय योग संस्थान के श्री देशराज ने उपस्थित श्रोताओं को योग का महत्व बताते हुए प्राणायाम के बारे में भी बताया। आइसीएमआर की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ नीता कुमार ने आयुर्वेद उपचार के साथ साथ नियमित खानपान के प्रति सजग रहने की बात रखी। उन्होंने कहा कि आज अगर हमें स्वस्थ जीवन शैली अपनानी है तो अनुशासित भोजन और योग को अपनाना चाहिए। प्रख्यात मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ विश्वरूप रॉय चौधरी ने आयुर्वेद के समकालीन महत्व को रेखांकित किया। डॉ विश्वरूप रॉय चौधरी ने अपने अंदाज में कैंसर के प्रति उपस्थित श्रोताओं को आगाह किया और बताया कि कैंसर सेल्स हमारे शरीर में पहले से ही विद्यमान हैं; गलत जीवन शैली की वजह से ये सेल्स शरीर को रोगी बना देते हैं।

आयुषकॉन-2024 दूसरे दिन डॉ बिपिन कुमार जी ने राष्ट्रीय सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री इंद्रेश कुमार जी, विश्व हिन्दी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री डी. पी. मिश्र जी, डॉ डी. सी. जैन जी, श्री शैलेश वत्स जी. विश्व हिन्दी परिषद की शैक्षणिक परकोष्ठ की अध्यक्ष प्रो. संध्या वात्स्यायन जी, श्री राहुल देव जी का सम्मेलन में उपस्थित होने तथा सभी का मार्गदर्शन करने के लिए ध्यानवाद किया । सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आयुष को भावी पीढ़ी तक पहुँचाना है, मैं आज यह इतने लोगों को देख कर आयोजक के नाते काफी प्रसन्न हूँ। डॉ डी. सी. जैन साहब भी यहाँ उपस्थित हैं

उपस्थित सभी वक्ताओं का स्वागत किया एवं सभा क संबोधित

श्री राहुल देव जी ने मंच पर उपस्थित सभी वक्ताओं का स्वागत किया एवं सभा को संबोधित करते हुए वर्क लाइफ बैलेन्स की बाद की बाद की। अपने सम्बोधन में उन्होंने आयुष के साथ विकसित राष्ट्र बनने की बाद की और हम सभी को अपनी दिनचर्या में आयुष को अपनाने के लिए प्रेरित किया। श्री दीपक ठाकुर जी ने अपने निजी अनुभवों के आधार पर बताया कि किस प्रकार असाध्य रोगों से योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं स्वयं पर नियंत्रण रखकर निपटा जा सकता है।

विश्व हिन्दी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री डी. पी. मिश्र जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की डॉ बिपिन कुमार जी ने प्रधान मंत्री जी के उद्देश्य को पूरा करने के लिए आयुष एवं भारतीय भाषाओं हिन्दी एवं अन्य भाषाओं को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है इसके लिए उनका बहुत-बहुत साधुवाद। उन्होंने आगे कहा कि यदि भारत को जानना है तो यहाँ की भाषा, संस्कृति, आयुष आदि को जानना जरूरी है। आयुष और हिन्द के माध्यम से भारत को जान सकते हैं। हमें प्राचीन आचार्यों को जानने की आवश्यकता है। हमारे पास विश्व के सबसे प्राचीन एवं महान विश्वविद्यालय थे हमें उनको जानने की आवश्यकता है। भारतीय पद्धतियों की अच्छाइयों को लेकर हमें विकसित भारत के संकल्प को पूरा करना है।

राष्ट्रीय सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री इंद्रेश कुमार जी ने अपने वक्तव्य सभी को भाई-बहन एवं दोस्त कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा की घर एवं समाज इन्हीं से निर्मित होता है। उन्होंने आगे कहा कि स्वास्थ्य, प्रसन्नता, एवं सुंदरता के दुश्मन विभिन्न प्रकार के विकार ही हैं जिन्हें हम क्रोध, नफरत, गाली, मोह आदि कह सकते हैं। विकार मस्तिष्क में बैठता है नफरत हृदय में घर करती है। इन्हें दूर करने के लिए योग एक सफल पद्धति है। इससे दैनिक जीवन में हमें उपचार की आवश्यकता नहीं पड़ती। आयुष में दैनिक जीवन में इन विकारों को दूर करने का समाधान है। हमें अपने जीवन में संयम एवं नियंत्रण की आवश्यकता है आयुष इसी की बात करता है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति के विरुद्ध कुछ भी करने की प्रवृत्ति नहीं रही है। आज विकसित भारत के लिए हुमए आयुष से आरोग्य की आवश्यकता है। श्री इंद्रेश कुमार जी ने अपने वक्तव्य के साथ साथ सभा में उपस्थित सभी को योग का अभ्यास भी करवाया। डॉ डी. सी. जैन जी ने बीमारियों के विषय में चर्चा की एवं उन्होंने बताया की छुआछूत जैसा कई बीमारियाँ अब समाप्त हो गई हैं इसमें भारतीय पद्धतियों का ही साथ रहा। उन्हीं के द्वारा ऐसा करना संभव हो पाया। उन्होंने बीमारियों का कारण अधिक कहना एवं शारीरिक मेहनत और व्यायाम की कमी को बताया। उन्होंने सभा में उपस्थित सभी जनों का धन्यवाद किया। विश्व हिन्दी परिषद की शैक्षणिक परकोष्ठ की अध्यक्ष एवं दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. संध्या वात्स्यायन जी ने सभी अतिथियों एवं सभा में उपस्थित श्रोताओं को धन्यवाद किया। उन्होनें कहा कि ऐसा लग रहा है की यहाँ एक मंथन चल रहा है जिससे अमृत बरस रहा है। सभी आयुष्मान भव: चाहते हैं, सभी स्वस्थ और निरोग्य आयुष की कामना करते हैं। यह दो-दिवसीय सम्मेलन इसी विषय को सार्थक करते तथा सभी तक आयुष को पहुँचाने के उद्देश्य ही आयोजित किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

छेड़छाड़ का विरोध करने पर हत्या, चाकू से गर्दन पर किए कई वार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सुंदर नगरी इलाके में छेड़छाड़ का विरोध करने पर लड़कों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी राकेश पावरिया ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार रात 9:30 बजे सुंदर नगरी इलाके के मुर्गा मार्केट के पास एक युवक पर धारदार हथियार से हमले की सूचना मिली। सूचना मिलते ही नंद नगरी थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। घायल को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल की पहचान मनीष उर्फ राहुल के तौर पर हुई है। उसके गले में धारदार गुप्ती घोपा गया था। पूछताछ में मृतक के चाचा किशन कुमार ने बताया कि घायल मनीष प्राइवेट काम करता है। शुक्रवार रात किसी बात को लेकर सलमान और उसके भाई अरबाज मनीष के साथ मारपीट कर रहे थे। तो उन्होंने बीच बचाव कर दिया। कुछ देर बाद सलमान और उसका भाई अरबाज वापस आया और अरबाज ने मनीष को पकड़ लिया, सलमान ने धारदार हथियार (गुप्ती) से उसकी गर्दन के दाहिने हिस्से पर वार कर दिया। मनीष की गर्दन पर वार कर फरार हो गया। डीसीपी ने बताया कि घायल मनीष को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस का कहना है कि किशन कुमार की शिकायत पर हत्या का मुकदमा नंद नगरी थाने पुलिस ने दर्ज किया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीम का गठन किया गया। इस टीम ने आरोपियों के ठिकाने पर छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार करलिया। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर पता लगा रही है कि उन्होंने मनीष की हत्या क्यों की। डीसीपी ने बताया कि आरोपी सलमान चाय दुकान पर काम करता था, जबकि अरमान मजदूरी करता है।

शिक्षाविद् डॉ.दयानंद वत्स भारतीय ने 150वीं जयंती पर सामाजिक क्रांति के अग्र- नायक बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित किए

- वत्स ने केंद्र सरकार द्वारा सराय काले खां चौक का नाम बिरसा मुंडा चौक रखने और दिल्ली में उनकी प्रतिमा लगाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का आभार जताया।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ एवं नेशनल एजुकेशनल मीडिया नेटवर्क की ओर से संघ के मुख्यालय बरवाला में आज संघ के राष्ट्रीय महामंत्री, गांधीवादी विचारक एवं चिंतक शिक्षाविद् डॉ.दयानंद वत्स भारतीय ने सामाजिक क्रांति के पुरोधा पुरुष, महान समाज सेवी भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर बिरसा मुंडा को कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से अपने

श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अपने संबोधन में वत्स ने कहा कि अपनी नेतृत्व क्षमता, असाधारण शौर्य के बल पर अन्याय, अत्याचार और अंग्रेजों के दमन का बिरसा मुंडा ने अपने तीरों से बदला लिया और एक नई सामाजिक क्रांति का उद्घोष किया। शिक्षाविद् डॉ.दयानंद वत्स ने आज केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली के सराय काले खां चौक का नाम बिरसा मुंडा चौक रखने ओर उनकी प्रतिमा लगाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया है।

धनशोधन मामले में कारोबारी राजेश कात्याल को जमानत

नई दिल्ली। साकेत कोर्ट ने धनशोधन के एक मामले में कारोबारी राजेश कत्याल को नियमित जमानत दे दी है। कात्याल को ईडी ने कंपनियों के माध्यम से 200 करोड़ रुपये से अधिक की आपराधिक आय को वैध बनाने में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया था। कत्याल को इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत दी थी। स्पेशल जज गौरव गुप्ता ने 14 नवंबर को पारित आदेश में व्यवसायी राजेश कत्याल को नियमित जमानत देते हुए कहा कि आरोपी ने पीएमएलए की धारा 45 की दोहरी बाधाओं को पार कर लिया है। चूंकि, निर्धारित अपराध का अस्तित्व ही संदिग्ध है, इसलिए अदालत के पास यह मानने के लिए उचित आधार है कि आरोपी कथित अपराध का दोषी नहीं है। अदालत ने कहा कि आरोपी के जमानत पर रहते हुए कोई अपराध करने की संभावना नहीं दिखती।

प्रेस विज्ञप्ति राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर प्रेस की स्वतंत्रता और भारतीय पत्रकारिता की दशा और दिशा पर चिंता जताई

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नेशनल मीडिया नेटवर्क एवं अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ, नई दिल्ली के राष्ट्रीय महामंत्री शिक्षाविद् डॉ.दयानंद वत्स भारतीय ने आज राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर प्रेस की स्वतंत्रता और भारतीय पत्रकारिता की दशा ओर दिशा पर अपनी चिंता जताई है। वत्स ने कहा कि वर्तमान समय में भारतीय पत्रकारिता संक्रमण काल के दौर से गुजर रही है और पत्रकारों के सामने अस्तित्व बचाने का संकट मुंह बाये खडा है। आधुनिकतम डिजिटल तकनीक और विज्ञापन के बाजारवाद ने आजादी के समय से पत्र, पत्रकार, संपादक जैसे सम्मानित पदों को विघटित कर उन्हें मार्केटिंग के चक्रव्यूह में फंसा दिया है। प्रेस की स्वतंत्रता को तो कोई

खतरा नहीं है पर पत्रकारों की दशा सचमुच बहुत अच्छी तो कतई नहीं है, और जब दशा ही बेहतर ना हो तो दिशा सही कैसे हो सकती है ? दयानंद वत्स ने प्रेस दिवस पर केंद्र और सभी राज्य सरकारों से पुरजोर मांग की है कि सरकार पत्रकारिता के पुरोधाओं के जीवन स्तर को उपर उठाने, उनके रोजगार के स्थायित्व और जीवनयापन हेतु आकर्षक वेतनमान, समुचित सुरक्षा,.सम्मान की एक पारदर्शी व्यवस्था को अविलंब लागू करे। सभी पत्रकारों का जीवन बीमा, सरकारी आवास की व्यवस्था, मकानों के निर्माण में रियायती दरों पर ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ प्रेस स्वाभिमान और आत्मसम्मान से अपने दायित्वों का.निर्वहन कर सके। वत्स ने मांग की है कि सूचना प्रसारण मंत्रालय पत्रकारों के कल्याणार्थ बनाए गये राष्ट्रीय कोष से ड्यूटी पर हुई पत्रकार की मृत्यु होने पर बिना किसी बाधा के पीडित परिवार को.एक करोड रुपये की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान करे। अभी यह राशि मात्र पांच लाख है जो नाकाफी है। सरकार को चाहिए कि वह प्रतिवर्ष पत्रकारों को राष्ट्रीय पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित करने की दिशा में काम करें।

मेयर महेश कुमार ने वसंत विहार वार्ड में साफ-सफाई का निरीक्षण किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के मेयर महेश कुमार ने शनिवार को साउथ जोन के वार्ड संख्या 153 (वसंत विहार) का निरीक्षण किया और क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। इस बीच उप महापौर रविन्द्र भारद्वाज, स्थानीय विधायक प्रमिला टोकस, क्षेत्रीय पार्षद हिमानी जैन, उपायुक्त, साउथ जोन बादल कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मेयर ने वसंत विहार के ए ब्लॉक के ढलाव की सफाई व्यवस्था का दौरा किया। यहां स्थानीय लोगों ने बताया कि इस ढलाव के बाहर फैले कूड़े कचरे से आसपास बदबू फैल रही है। साथ ही ढालव के पास के सार्वजनिक शौचालय से स्थिति और भी खराब हो रही है। इस समस्या का संज्ञान लेते हुए महेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे जल्द से जल्द अतिरिक्त गाड़ियों व कार्मिकों को लगाकर ढलाव की सफाई को सुनिश्चित करें। महेश कुमार ने कहा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विजान में वह और उनके साथी उप महापौर रविन्द्र के साथ दिल्ली के हर वार्ड में जाकर वहां की सफाई व्यवस्था का जायजा लेंगे। निरीक्षण के दौरान मौजूद उप महापौर रविन्द्र भारद्वाज ने कहा कि हम वसंत विहार वार्ड में सफाई व्यवस्था का जायजा लेने आए हैं। उन्होने कहा यह अरविंद केजरीवाल के दिल्ली को सबसे खूबसूरत शहर बनाने के उनके विजन के अनुरूप है। इस विजन को आगे बढ़ाने के लिए हम सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए जमीनी स्तर पर आज वसंत विहार क्षेत्र में आए हैं। इसी क्रम में मेयर ने बसंत गांव की सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान मेयर ने जाना कि बसंत गांव के पार्क में कचरा कई कई दिनों से फैला हुआ है। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने बताया की बसंत गांव की मुख्य सड़क पर आवारा पशुओं का जमावड़ा है। मेयर ने इस संबंध में उपस्थित अधिकारियों को इन आवारा पशुओं को हटाने के निर्देश दिए। मेयर ने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली को साफ सुथरी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड को पर्यटन के क्षेत्र में हॉस्पिटैलिटी अवार्ड

नई दिल्ली। मेहमाननवाजी और पर्यटन के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड को हॉस्पिटैलिटी इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पूर्व केंद्रीय पर्यटन मंत्री के जे अल्फांसो के करकमलों से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी अतुल सिंघल ने यह सम्मान प्राप्त किया। दिल्ली के 5 सितारा होटल में आयोजित अवार्ड समारोह में भाजपा नेता श्याम जाजू, दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और आयोजक सुनीत कालरा भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। अवार्ड प्राप्त करने के बाद अतुल सिंघल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर चलते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयासरत है। माता कौशल्या की भूमि और राम वन गमन मार्ग होने के कारण छत्तीसगढ़ में तीर्थाटन की असीम संभावनाएं हैं। यह खूबसूरत प्रदेश अपने अभयारण्य, वनों और वॉटरफॉल्स के लिए भी जाना जाता है। पूर्व केंद्रीय पर्यटन मंत्री के जे अल्फांसो ने देश में पर्यटन को बढ़ाने के लिए लोगों से सफाई और स्वास्थ्य की तरफ विशेष ध्यान देने की अपील की।

अनुसूचित जाति के छात्रों को केंद्र प्रायोजित योजनाओं का नहीं मिल रहा लाभ : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता विजेंद्र गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली में अनुसूचित जाति के छात्रों को केन्द्र प्रायोजित योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। इस संदर्भ में उन्होंने शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर मांग की कि उनको उचित शिक्षा के साथ अन्य सुविधाएं मिलें इसके लिए दिल्ली सरकार को भी कार्य करना चाहिए।

विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि केन्द्र की योजनाओं के अंतर्गत एससी छात्रों प्री-मैट्रिक और पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशीप मिलती है। इसके तहत उन्हें 3500 से 13500 रुपये प्रतिवर्ष की वित्तीय सहायता मिलती है। इन योजनाओं को राज्य सरकार कार्यान्वित करती हैं। लेकि पिछले सालों में इन योजनाओं का लाभ लेने वाले छात्रों की संख्या में गिरावट देखी गई है जबकि एससी आबादी लगातार बढ़ रही है। इन योजनाओं का लाभ लेने में जागरूकता का अभाव, अपर्याप्त पहुंच, जटिल आवेदन प्रक्रिया या कठोर पात्रता मानदंड और दस्तावेजीकरण

बाधा बनते हैं।विजेंद्र गुप्ता ने मुख्यमंत्री को एक पत्र लिख कर मांग की है कि इन योजनाओं के लाभार्थियों की घटती संख्या पर उचित कदम उठाए जाएं तथा इन महत्वपूर्ण योजनाओं में अनुसूचित जाति के छात्रों की बेहतर भागीदारी सुनिश्चित की जाए। विजेंद्र गुप्ता ने कहा, आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार समाज के गरीब और वंचित समूह के प्रति सहानुभूति रखने का दावा करती है, जबकि इतनी सारी योजनाओं के कार्यान्वयन से पता चलता है कि दिल्ली में गरीब लोग सबसे अधिक पीड़ित हैं और उन्हें केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं का उचित लाभ नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि ये योजनाएं गरीबी के चक्र को तोड़ने और वंचित समुदायों के छात्रों को समान अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, इसलिए उनकी प्रभावशीलता और पहुंच सुनिश्चित करना हमारे राज्य में अनुसूचित जातियों के विकास और उत्थान के लिए अनिवार्य है। गुप्ता ने बताया कि यह आश्चर्य की बात है कि दिल्ली में अनुसूचित जाति समुदायों की आबादी साल दर साल बढ़ रही है, हालांकि, इन दोनों योजनाओं के लाभार्थियों की संख्या 2002-23 से 2023-2024 के दौरान लाभ प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में कमी चिंताजनक है। ये वंचित समुदायों के लिए अच्छी शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य को कमजोर करती है।

गोकुलपुरी के पेट्रोल पंप पर बदमाशों ने की अंधाधुंध फायरिंग, सुपरवाइजर घायल

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के गोकलपुरी इलाके में शुक्रवार रात बदमाशों ने पेट्रोल पंप पर अंधाधुंध फायरिंग की और भागते वक्त पेट्रोल पंप के सुपरवाइजर के पेट पर शीशा से वार कर फरार हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी राकेश पावारिया ने बताया कि शुक्रवार रात 10:38 बजे गोकुलपुरी पेट्रोल पंप पर 7 से 8 राउंड फायरिंग की सूचना मिली। सूचना मिलते ही गोकुलपुरी थाना पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पूछताछ में पता चला कि दो बाइक पर आए चार बदमाशों ने पेट्रोल पंप के ऑफिस पर 16 राउंड फायरिंग की और भागते वक्त शीशे से सुपरवाइजर अंशुल राठी के पेट पर वार कर दिया। एक बाइक पर सवार बदमाश गोल चक्कर की तरफ भागे जबकि दूसरे बाइक सवार गोकलपुरी की तरफ भागे। डीसीपी ने बताया कि पेट्रोल पंप हरीश चौधरी का है। वह गोकुलपुरी थाने का घोषित अपराधी है।

मेयर श्री महेश कुमार ने वसंत विहार वार्ड में साफ-सफाई का निरीक्षण किया, स्थानीय समस्याओं की समीक्षा की

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के मेयर श्री महेश कुमार ने आज साउथ जोन के वार्ड संख्या 153 (वसंत विहार) का निरीक्षण किया और क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। इस अवसर पर उप महापौर श्री रविन्द्र भारद्वाज, स्थानीय विधायक सुश्री प्रमिला टोकस, क्षेत्रीय पार्षद सुश्री हिमानी जैन, उपायुक्त, साउथ जोन श्री बादल कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे । इस अवसर पर मेयर ने वसंत विहार के ए ब्लॉक के ढलाव की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। यहां स्थानीय लोगों ने बताया कि इस ढलाव के बाहर फैले कूड़े कचरे से आसपास बदबू फैल रही है। साथ ही ढालव के पास के सार्वजनिक शौचालय से स्थिति और भी खराब हो रही है । इस समस्या का संज्ञान लेते हुए, श्री महेश कुमार ने अधिकारियों

को निर्देश देते हुए कहा कि वे जल्द से जल्द अतिरिक्त गाड़ियों व कार्मिकों को लगाकर ढलाव की सफाई को सुनिश्चित करें। श्री महेश कुमार ने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल के विजान में, मैं और मेरे साथी उप महापौर श्री रविन्द्र जी के साथ, दिल्ली के हर वार्ड में जाकर वहां की सफाई व्यवस्था का जायजा लेंगे। निरीक्षण के दौरान मौजूद उप महापौर श्री रविन्द्र भारद्वाज ने कहा कि हम वसंत विहार वार्ड में सफाई व्यवस्था का जायजा लेने आए हैं। उन्होने कहा यह अरविंद केजरीवाल के दिल्ली को सबसे खूबसूरत शहर बनाने के उनके विजन के अनुरूप है। इस विजन को आगे बढ़ाने के लिए हम सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए जमीनी स्तर पर आज वसंत विहार क्षेत्र में आए हैं। इसी क्रम में मेयर ने बसंत गांव की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान मेयर ने जाना कि बसंत गांव के पार्क में कचरा कई कई दिनों से फैला हुआ है । इस अवसर पर मेयर श्री महेश कुमार ने अधिकारियों को पार्क में पड़े कूड़े कचरा को तत्काल उठा कर इन सभी स्थानों को साफ करने के निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने बताया की बसंत गांव की मुख्य सड़क पर आवारा पशुओं का जमावड़ा है। मेयर ने इस संबंध में उपस्थित अधिकारियों को इन आवारा पशुओं को हटाने के निर्देश दिए। मेयर ने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली को साफ सुथरी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मेयर ने कहा की दिल्ली में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वे अधिकारियों के साथ सभी वार्ड में सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए लगातार निरीक्षण करती रहेगी ताकि जमीनी स्तर पर सफाई का कार्य हो।

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस का मास्टरमाइंड श्रद्धा वाकर का लेना चाहता था बदला, आफताब की हत्या की फिराक में था

नई दिल्ली। मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के मास्टरमाइंड शुभम लोनकर को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। शुभम लोनकर ने दिल्ली कोर्ट में अफताब पूनावाला की हत्या के लिए एक महीने तक रेकी की थी। आरोपी शुभम लोनकर ने श्रद्धा वाकर हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपी आफताब पूनावाला की हत्या की योजना बनाई थी। शुभम लोनकर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा है। 2022 में दिल्ली के साकेत कोर्ट में आफताब पूनावाला की हत्या करने के लिए एक महीने तक लगातार प्लानिंग की थी। हत्या के लिए मुंबई से दिल्ली बुलाया गया आरोपी आफताब वर्तमान में तिहाड़ जेल नंबर 4 में बंद है। दिल्ली पुलिस की भारी सुरक्षा व्यवस्था के आगे हत्या का प्लान फेल हो गया। सूत्रों ने बताया कि आफताब को खत्म करने के लिए शुभम लोनकर को मुंबई से दिल्ली बुलाया गया। वर्ष 2022 में गिरफ्तारी के बाद से ही शुभम लोनकर आफताब की कोर्ट में पेशी के दौरान कोर्ट के आसपास दो शूटरों के साथ मौके की तलाश में था। बिश्नोई गैंग के निशाने पर आफताब इस बीच, तिहाड़ जेल प्रशासन ने शुक्रवार को मीडिया रिपोर्ट्स पर तत्काल संज्ञान लिया और आफताब पूनावाला के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए शिव कुमार गौतम ने कथित तौर पर पुलिस को एक चौंकाने वाला बयान दिया, जिसमें उन्होंने आफताब पूनावाला को मारने का इरादा व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त, सूत्र इस बात की पुष्टि करते हैं कि आफताब अब लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के निशाने पर है, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह जेल के भीतर उसकी हत्या की साजिश रच रहा है। जेल अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि संभावित खतरे की जांच करते समय आफताब की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। श्रद्धा की बेरहमी से की थी हत्याः 18 मई, 2022 को महरौली इलाके में आफताब ने श्रद्धा वाकर की हत्या कर दी थी। उसके शरीर के हिस्सों को छतरपुर पहाड़ी इलाके के जंगल में फेंक दिया गया था। नवंबर 2022 में गिरफ्तार किया गया था। इस बीच, 23 जुलाई को, साकेत जिला न्यायालय ने श्रद्धा वाकर की हत्या के मामले को खारिज कर दिया और आरोपी आफताब अमीन पूनावाला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपने वकील को अपना बचाव तैयार करने के लिए उचित समय देने के लिए हर महीने केवल दो बार सुनवाई करने की मांग की थी।

संक्षिप्त खबरें

युवाओं को पर्यावरण के प्रति सजग किया जाना जरूरी : रामनाथ

नई दिल्ली। युवाओं को पर्यावरण के प्रति सजग किया जाना जरूरी है। पर्यावरण को लेकर वर्ष 1952 से अब तक कई सम्मेलन हुए हैं, जिनमें विविध विचार आए, लेकिन उन पर अब तक अमल नहीं किया गया। कृषि एवं कल्याण राज्य मंत्री डॉ. रामनाथ ठाकुर ने यह बातें डॉ भीम राव अंबेडकर कॉलेज की ओर से आयोजित तीन दिवसीय (16 से 18 नवंबर) पांचवें विश्व पर्यावरण समिट के शुभारंभ के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कहीं।

एनवायरमेंट एंड सोशल डेवलपमेंट एसोसिएशन एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समिट में वक्ताओं ने कहा कि प्राण देने वाली वायु ही आज प्राण निगल रही है। राज्य मंत्री ठाकुर ने प्रस्ताव रखा कि लोग आसपास के गांवों में जाएं व किसानों को पराली न जलाने के लिए प्रेरित करें। समिट के पहले दिन कई पर्यावरणविदों, वैज्ञानिकों ने पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति व कृषि पर अपने विचार व्यक्त किए। पर्यावरण के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान करने के लिए वक्ताओं को विशेष रूप से सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज के प्राचार्य प्रो सदानंद प्रसाद सहित ईएसडीए के अध्यक्ष मेजर जनरल डॉ श्रीपाल और मुख्य वक्ता पद्मभूषण डॉ अनिल प्रकाश जोशी सहित अन्य अतिथियों ने अपने अनुभवों को साझा किया। प्रो सदानंद ने कहा कि हमारे जीवन का आधार ही पर्यावरण है। जिसके दूषित होने से कई तरह की नई बीमारियों का जन्म हो रहा है। पद्म भूषण डॉ अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि न्यूयॉर्क से नई दिल्ली तक की हवा बदल रही है। प्राण वायु ही आज प्राण निगल रही है। ईएसडीए के अध्यक्ष मेजर जनरल डॉ. श्रीपाल ने वैज्ञानिकों के पक्ष का प्रतिनिधित्व करते हुए कई वैज्ञानिक तथ्यों को रखा। मालदीव के राज्य मंत्री डॉ अमजथ अहमद ने भी युवाओं को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

भाजपा की सरकारें बढ़ा रहीं दिल्ली में वायु प्रदूषण

प्रतिबंध के बावजूद बीएस-4 की डीजल बसें भेज रही दिल्ली- गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार दिल्ली को वायु प्रदूषण मुक्त करने के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। इसी कड़ी में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज ग्रेप -3 के नियम को सख्ती से लागू करवाने के लिए कश्मीरी गेट आईएसबीटी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ ट्रांसपोर्ट विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस टर्मिनल के औचक निरीक्षण के बाद गोपाल राय ने कहा कि आसपास के राज्यों से प्रतिबंध के बाद भी बीएस 4 बसें बस अड्डे पर आ रही हैं। ट्रांसपोर्ट विभाग की एनफोर्समेंट टीम ने आज हरियाणा और उत्तराखंड सरकार के बीएस -4 की डीजल बसों का चालान किया। गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण भाजपा की सरकारें बढ़ा रही है और वो प्रतिबंध होने के बावजूद बीएस -4 की डीजल बसों को उनके द्वारा दिल्ली भेजा जा रहा है। गोपाल राय ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की सरकारें जान बूझ कर दिल्ली का प्रदूषण बढ़ाने के लिए, डीजल बसें भेज रहे हैं, जो प्रतिबंधित है। गोपाल राय ने कहा कि वास्तव में दिल्ली में जो प्रदूषण है, सी एस ई के रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली के स्रोतों का योगदान 30 प्रतिशत है और शेष एनसीआर के जिलों का योगदान है। दिल्ली सरकार दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए समर एक्शन प्लान और विंटर एक्शन प्लान बनाकर कर पुरजोर प्रयास कर रही है लेकिन पड़ोसी भाजपा की सरकार दिल्ली में प्रदूषण बढ़ा रही है। प्रतिबंध होने के बावजूद बीएस -4 की डीजल बसों को दिल्ली भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आनंद विहार में उत्तरप्रदेश से डीजल की बसें आ रही है जिससे वहां प्रदूषण बढ़ रहा है। दिल्ली में हरियाणा से, राजस्थान से, उत्तरप्रदेश से डीजल की बसें आ रही हैं।

बस अड्डे का औचक निरीक्षण के दौरान पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने वहां पर बाहर से आनी वाली बसों की जांच किया और जांच में पाया कि कुछ बीएस -4 की बसें अभी दिल्ली में अभी भी प्रवेश हो रहा है। उन्होंने परिवहन विभाग को इसके लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध को लागू कराने के लिए परिवहन विभाग के 84 टीम और ट्रैफिक पुलिस की 280 टीम लगायी गयी है। गोपाल राय ने कहा कि वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए बीएस कक्कपेट्रोल और बीएस क्व डीजल एलएमवी (4 पहिया वाहन) के चलने पर प्रतिबंध लगाया गया है, साथ ही बीएस-3 स्टैंडर्ड या इससे नीचे के दिल्ली रजिस्टर्ड डीजल मीडियम गुड्स वीकल (एमजीवी) दिल्ली में नहीं चल सकेंगे। बीएस-3 और इससे नीचे के डीजल एल सी वी मीडियम गुड्स करियर जो दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड है, उन्हें दिल्ली में नहीं आने दिया जाएगा। जरूरी सामान और सेवा से जुड़े वाहनों को इसमें छूट है। एनसीआर से आने वाली इंटरस्टेट सिर्फ इलेक्ट्रिक बसों, सीएनजी बसों और बीएस-6 डीजल बसों को इसमें की छूट दी गई है। अगर इसका कोई उल्लंघन करता है तो 20,000 रुपया जुर्माना लगाया जाएगा।

द लर्निंग स्पेस ने प्री-स्कूलर्स के लिए एक आनंदमय पजामा पार्टी के साथ बाल दिवस मनाया

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा, 14 नवंबर 2024 नोएडा के एक प्रीमियम स्कूल, द लर्निंग स्पेस ने बाल दिवस पर एक शानदार पजामा पार्टी का आयोजन किया, जिसमें अपने नन्हे विद्यार्थियों को मौज-मस्ती और उत्साह से भरे दिन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। यह अनोखा उत्सव हंसी-मजाक, खेल और यादगार पलों से भरा हुआ था, जिससे बच्चों के लिए खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने के लिए एक गर्मजोशी भरा और आनंदमय माहौल बना। बचपन का सम्मान करने और जश्न मनाने की भावना में, पजामा पार्टी ने प्री-स्कूलर्स को उत्सव के माहौल में अपने साथियों के साथ मिलकर आराम और रचनात्मकता का दिन बिताने का मौका दिया। इस कार्यक्रम में कई मजेदार गतिविधियाँ शामिल थीं, जिनमें कहानी सुनाने का सत्र, समूह खेल, कला और शिल्प परियोजनाएं, और एक इंटरैक्टिव संगीत और नृत्य सत्र शामिल थे, जिनका उद्देश्य उनके सामाजिक और रचनात्मक कौशल को बढ़ाना था। इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, द लर्निंग स्पेस की प्रिंसिपल, सुश्री स्मिता श्रीवास्तव ने कहा, हमारा दिवस एक विशेष अवसर है जो बच्चों द्वारा हमारे जीवन में लाई गई मासूमियत और खुशी का जश्न मनाने के लिए समर्पित है। हम एक ऐसा माहौल बनाना चाहते थे जहाँ वे सहज, खुश और खुद को अभिव्यक्त करने के लिए स्वतंत्र महसूस कर सकें। पजामा पार्टी उन्हें आराम करने, खेलने और मजेदार गतिविधियों के माध्यम से सीखने का एक दिन देने का हमारा तरीका था। हमारी पहल के प्रति उनका उत्साह और जुड़ाव देखकर दिल खुश हो गया। द लर्निंग स्पेस के निदेशक श्री विक्रम केसरवानी ने कहा, द लर्निंग स्पेस में, हम एक ऐसा माहौल बनाने में विश्वास करते हैं जहाँ बच्चे सुरक्षित, प्यार महसूस करें और सीखने के लिए प्रेरित हों। पजामा पार्टी के साथ बाल दिवस मनाना हमारे लिए अपने छात्रों के साथ एक आनंदमय और सार्थक तरीके से जुड़ने का एक अवसर था, और हम उन्हें इतने उत्साह से भाग लेते हुए देखकर रोमांचित हैं। हमारा लक्ष्य स्थायी यादें बनाना और उन्हें हर दिन सीखने के लिए प्रेरित करना है। पजामा पार्टी ने लर्निंग स्पेस में बाल दिवस को यादगार बना दिया, तथा शिक्षा और खेल के संतुलित दृष्टिकोण के माध्यम से युवा मस्तिष्कों के पोषण के प्रति प्रीस्कूल की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

सेंट्रल दिल्ली में रात में फ्लाई ओवर पर लूटते थे मोबाइल

● पहाड़गंज पुलिस ने किया दो गिरफ्तार, तीसरे की तलाश

संवाददाता

पहाड़गंज थाना की पुलिस टीम ने दो मोबाइल झपटमार को गिरफ्तार किया है। इनके पास मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल चोरी की मोटरसाइकिल जप्त किया गया है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान अमीर और संजू के रूप में हुई है। यह दोनों सदर बाजार इलाके के रहने वाले हैं। पहले से चांदनी महल थाना के मामले में शामिल रहे हैं। डीसीपी सेंट्रल एम हर्षवर्धन ने बताया कि उनकी गिरफ्तारी से नबी करीम और बाड़ा हिंदू राव थाना के दो मामलों का खुलासा किया गया है।

पुलिस टीम देर रात जब पेट्रोलिंग पर थी, उस दौरान सब इंस्पेक्टर विकास कसाना और कांस्टेबल राजेश की नजर मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों पर पड़ी। जो पुल पहाड़गंज की तरफ से आ रहे थे, पुलिस टीम को देखते ही उन्होंने बाइक को मोड़ा और चित्रगुप्त रोड की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा किया रोका, एक निकलकर भागने में कामयाब हो गया। पुलिस ने बाकी दोनों को पकड़ा पूछताछ हुई तो उनकी पहचान हुई। पता चला कि यह लोग बाइक चोरी करके मोबाइल झपटमारी की वारदात को अंजाम देते हैं। इन्होंने देशबंधु गुप्ता फ्लाई ओवर पर एक शख्स का मोबाइल छीना था। उनसे मोबाइल बरामद किया गया, इनके फरार तीसरे साथी के बारे में पुलिस टीम पता लगा रही है।

चंडीगढ़ से लाई शराब की बड़ी खेप, दिल्ली में घुसते जब्त

मिनी ट्रक में भरकर लाया गया था 5550 क्वार्टर शराब

संवाददाता

शराब तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने 5550 क्वार्टर शराब का बरामद किया है। शराब की तस्करी में इस्तेमाल मिनी ट्रक भी जप्त किया गया है। बरामद शराब चंडीगढ़ से दिल्ली लाया गया था। डीसीपी सुरेंद्र चौधरी के अनुसार इस मामले में गिरफ्तार शराब तस्कर की पहचान कमल सिंह के रूप में हुई है, यह पंखा रोड मोहन नगर का रहने वाला है। 112 बॉक्स में शराब की खेप भर कर लाया गया था। यह शराब चंडीगढ़ में ही बिकने के लिए मान्य थी। एसीपी सुरेंद्र सिंह राणा की देखरेख में इंस्पेक्टर नरेंद्र सिंह, सब इंस्पेक्टर विक्रम लांबा की टीम ने ट्रैप लगाकर इस मिनी ट्रक को सागरपुर इलाके में रोका तलाशी ली गई तो शराब की बड़ी खेप बरामद की गई। इसके खिलाफ सागरपुर थाना में एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया और आगे की कार्रवाई पुलिस टीम के द्वारा की जा रही है।

पंजाब के रहने वाले 12 साल से वांटेड को पुलिस ने पकड़ा

संवाददाता

डिफेंस कॉलोनी थाना की पुलिस टीम ने 12 साल से फरार चल रहे एक वांटेड को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी पहचान अनुज कुमार के रूप में हुई है। सरिता विहार थाना की पुलिस टीम को लूट के मामले में इसकी तलाश थी। बाद में कोर्ट ने इसे भगोड़ा भी घोषित कर दिया था। यह पंजाब के लुधियाना का रहने वाला है। डीसीपी साउथ अंकित चौहान ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि यह पुलिस से बचने के लिए लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। इसके खिलाफ लगभग 13 साल पहले सरिता विहार थाना में मामला दर्ज हुआ था। उस मामले में पुलिस को इसकी क्लास थी। एसएचओ संजय शर्मा की देखरेख में हेड कांस्टेबल संदीप और करण की टीम टेक्निकल सर्विलांस की मदद से भगोड़ों के बारे में जानकारी इकट्ठा करके धड़ पकड़ करती है। इसी टीम को इस वांटेड के बारे में एक इंपोर्टेंट इनफार्मेशन मिली और उसके आधार पर पुलिस टीम ने चितरंजन पार्क इलाके में ट्रैप लगाकर इसे गिरफ्तार किया। कोर्ट में पेश करने के बाद इसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया।

सिर्फ स्कूटी टारगेट करके चुराते थे दो दोस्त, दबोचे गए

संवाददाता

सिर्फ स्कूटी को टारगेट करके उसे चुराने वाले दो ऑटो लिफ्टर को पंजाबी बाग थाना की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान संजू उर्फ तरुण और उसके साथी आकाश के रूप में हुई है। इनके पास से चोरी की तीन स्कूटी भी बरामद की गई है। जो सराय रोहिल्ला, नांगलोई और पंजाबी बाग थाना इलाके से चुराई गई थी। डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी दिल्ली के मादीपुर जेजे कॉलोनी और न्यू मोती नगर इलाके के रहने वाले हैं। एसीपी पंजाबी बाग विजय सिंह की देखरेख में एसएचओ संजय दहिया, सहायक सब इंस्पेक्टर नीरज की टीम ने इन दोनों ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार करने में कामयाबी पाई है। जब पुलिस टीम पेट्रोलिंग कर रही थी उस दौरान उनकी नजर स्कूटी पर जा रहे दो युवकों पर पड़ी। जो पुलिस के द्वारा रोके जाने का इशारा मिलने पर भागने की कोशिश करने लगे थे। फिर पुलिस टीम ने दोनों का पीछा करके पकड़ा, भगाने का कारण पूछा तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। स्कूटी की जब डिटेल जांच की गई तो वह पंजाबी बाग थाना इलाके से चोरी की निकली। पूछताछ में इनकी पहचान की गई, फिर इनकी निशानदेही पर दो और चोरी की स्कूटी बरामद की गई।

महाराजा सूरजमल प्रौद्योगिकी संस्थान में सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

महाराजा सूरजमल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित एनसीआरटीसीईएस 2024 एक शैक्षणिक मील का पत्थर था, जिसमें उभरते रुझानों, शोध और नवाचारों पर चर्चा करने के लिए विशेषज्ञ, विद्वान और छात्र एक साथ आए। सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा और स्थिरता से संबंधित अनसुलझे शोध मुद्दों की पहचान करना और इस क्षेत्र में नई, रचनात्मक अवधारणाएँ प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता में नवीनतम प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया जो पर्यावरणीय स्थिरता और प्रभावी ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा देता है। सम्मेलन का उद्देश्य प्लास्टिक के कम से कम उपयोग को बढ़ावा देना और पर्यावरण के अनुकूल पेन और पेंसिल के उपयोग को अधिकतम करना भी था। एनसीआरटीसीईएस 2024 पेशेवरों और छात्रों के लिए अपने ज्ञान का विस्तार करने और पर्यावरण से संबंधित वर्तमान और भविष्य के रुझानों से अपडेट रहने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में कार्य करता है। सम्मेलन में 5 ट्रैक हैं:

1. जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम
2. ऊर्जा
3. मौसम पूर्वानुमान और सूचना प्रबंधन
4. स्थायित्व
5. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग

एनसीआरटीसीईएस 2024 के पहले दिन कई आकर्षक और व्यावहारिक सत्रों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिनमें से प्रत्येक ने कार्यक्रम के समग्र विषय में योगदान दिया। दिन की शुरूआत सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों डॉ जगवीर सिंह सर, हमारे मुख्य अतिथि, वैज्ञानिक जी पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भारत सरकार; प्रो. प्रेम व्रत, प्रो-कुलपति, नॉर्थ कैप यूनिवर्सिटी गुरुग्राम; डॉ बुद्ध चंद्रशेखर सर, मुख्य समन्वय अधिकारी, एआईसीटीई, भारत; प्रोफेसर एसके गर्ग, निदेशक, पूर्वी दिल्ली परिसर, पूर्व कुलपति डीटीयू, भारत; डॉ ओपी मिश्रा, वैज्ञानिक-ह्लएफह्व पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार श्री राजपाल सोलंकी, कोषाध्यक्ष, एसएमईएस; प्रो अर्चना बाल्यान, निदेशक एमएसआईटी और आयोजन अध्यक्ष, एनआरसीटीसीईएस 2024। गणमान्य व्यक्तियों के आगमन के बाद दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना हुई। सरस्वती वंदना के बाद सम्मेलन के उद्देश्यों का औपचारिक परिचय दिया गया। प्रो अर्चना बाल्यान, निदेशक एमएसआईटी ने स्वागत भाषण दिया, जिसके बाद वक्ताओं डॉ जगवीर सिंह, डॉ ओपी मिश्रा, डॉ पलक बाल्यान और कर्नल बी वेंकट ने मुख्य भाषण और उद्घाटन भाषण दिया। उद्घाटन समारोह के बाद, सम्मेलन ने अपने पेपर प्रस्तुतियों का सेट तैयार किया। कई छात्रों और शोधकताओं ने उभरते विषयों पर अपने पेपर प्रस्तुत किए जो हमारे पर्यावरण के संरक्षण में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पेपर प्रस्तुतियाँ समानांतर सत्रों में आयोजित की गईं। उपस्थित लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए, शाम को एक नेटवर्किंग डिनर का आयोजन किया गया। इस अनौपचारिक सभा ने प्रतिभागियों को उद्योग के पेशेवरों के साथ बातचीत करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और संभावित सहयोग के अवसरों का पता लगाने का अवसर दिया। ठउफ्ळठउए सम्मेलन का पहला दिन एक शानदार सफलता थी। विषयों की विविधता और वक्ताओं की विशेषज्ञता के स्तर ने इस कार्यक्रम को सभी उपस्थित लोगों के लिए समृद्ध बना दिया। सम्मेलन ने अकादमिक और व्यावसायिक विकास के लिए एक उत्कृष्ट मंच के रूप में कार्य किया, और यह उम्मीद की जाती है कि इस कार्यक्रम के दौरान शुरू की गई चर्चाएँ और सहयोग क्षेत्र में अनुसंधान और अभ्यास में महत्वपूर्ण प्रगति की ओर ले जाएँगे।

पर्यावरण, राष्ट्रीय एकता की बच्चों को शपथ दिलाई जाएगी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों को सामाजिक जागरूकता के लिए प्रतिदिन शपथ दिलाई जाएगी। निगम शिक्षा विभाग की ओर से छात्रों के शैक्षणिक और समग्र विकास को बढ़ाने के लिए यह पहल शुरू की जा रही है। यह योजना निगम के 1500 से अधिक स्कूलों में एक साथ शुरू होगी। एक साथ आठ लाख से अधिक पहली से पांचवीं कक्षा तक में पढ़ने वाले बच्चे हर दिन एक अलग शपथ लेंगे। इसमें राष्ट्रीय एकता, खेलो इंडिया, पर्यावरण को लेकर, एकल प्लास्टिक उपयोग न करने की शपथ दिलाई जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों में सामाजिक और नैतिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता और भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। इस क्रम में सोमवार को खेलो इंडिया की शपथ दिलाई जाएगी। इसमें बच्चों को खेल को अपने जीवन का हिस्सा बनाने, स्वस्थ भारत बनाने और खेल-खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने की शपथ दिलाई जाएगी। मंगलवार को सत्यनिष्ठा, राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने की शपथ दिलायी जाएगी। बुधवार को एकल प्लास्टिक का उपयोग न करने, गुरुवार को स्वच्छता के प्रति सजग रहने और हर सप्ताह दो घंटे श्रमदान करने और शुक्रवार को एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य के सिद्धांत पर विश्वास करने की शपथ दिलाई जाएगी।

पुलिस कस्टडी से छूटकर घर लौट रहे युवक की बदमाशों ने ईंट से कुचलकर की हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के बुराड़ी इलाके में पुलिस कस्टडी से लौट रहे युवक की ईंट से हमला कर हत्या कर दी गई। युवक के घर पहुंचने से पहले ही बदमाशों ने उसे रोककर वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान उसके चेहरे पर ईंट से कई बार वार किया गया। लोगों ने युवक को देखकर उसके परिवार को जानकारी दी। इसके बाद लोग वहां पहुंचे और पुलिस को घटना की सूचना दी। घटना उत्तरी दिल्ली के अंतर्गत आने वाले बुराड़ी के जाटव बस्ती की है, जहां प्रिंस नामक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सब्जी मंडी मोर्चरी भिजवाया। इसके साथ ही, मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। बदमाशों ने शुक्रवार रात वारदात को अंजाम दिया, जिसके बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़ित के परिवार ने बताया कि उनके बेटे प्रिंस की हत्या आपसी रंजिश के चलते उसी के साथ के लोगों ने की है। प्रिंस पर कुछ आपराधिक मामले दर्ज थे और उन्हीं में से एक मामले में प्रिंस पुलिस कस्टडी में था। शुक्रवार को ही वह छूटा था, जिसके बाद जिन लोगो से कुछ वर्ष पहले प्रिंस का झगड़ा हुआ था, उन्हीं लोगों ने ईंट से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला। साथ ही स्थानीय लोगों से पूछताछ भी की, जिसके बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल उनसे मामले में पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली में लगातार चौथे दिन वायु गुणवत्ता गंभीर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार सुबह लगातार चौथे दिन वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई और सुबह नौ बजे एक्यूआई 407 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सीमर ऐप में यह जानकारी दी गई। एक्यूआई 0-50 के बीच अच्छा, 51-100 के बीच संतोषजनक, 101-200 के बीच मध्यम, 201-300 के बीच खराब, 301-400 के बीच बेहद खराब और 401-500 के बीच रहने पर गंभीर श्रेणी में माना जाता है। दिल्ली में वायु प्रदूषण के गंभीर श्रेणी में पहुंचने के बाद सरकार ने ई-बस और सीएनजी से चलने वाली बस को छोड़कर अंतरराज्यीय बसों के यहां प्रवेश पर शुक्रवार को प्रतिबंध लगा दिया। इसके अलावा बीएस 3 पेट्रोल, बीएस 4 डीजल चार पहिया वाहनों पर भी रोक लगा दी गई है और उल्लंघन करने पर 20,000 रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा बृहस्पतिवार को घोषित की गई चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत ये प्रतिबंध लगाए गए हैं। ग्रैप के तीसरे चरण के तहत दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में निर्माण गतिविधियों पर पाबंदी लगा दी गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 1.8 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में शनिवार को आसमान साफ रहने, सुबह या रात में हल्की धुंध छाए रहने और अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। उसने बताया कि दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 94 प्रतिशत दर्ज किया गया।

ट्रेड फेयर में बुजुर्गों को लुभा रहा आयुष्मान वय वंदना कार्ड

नई दिल्ली। आयुष्मान वय वंदना कार्ड उन सभी बुजुर्ग नागरिकों के लिए है जो 70 वर्ष या अधिक आयु के हैं। इसमें न आय का बंधन है और न अमीर-गरीब या मध्यम वर्ग से संबंधित होने की कोई शर्त है। यह जानकारी ट्रेड फेयर में नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के स्टाल पर तैनात कार्मिक लोगों को दे रहे हैं। शुक्रवार को एक बुजुर्ग महिला सावित्री देवी भी स्टाल पर पहुंची और उन्होंने कार्ड के बारे में पूछताछ की। इस दौरान कार्मिकों ने उन्हें बताया कि केंद्र सरकार, आयुष्मान भारत -प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को ह्यआयुष्मान वय वंदना कार्डह्व जारी कर रही है। इस योजना को धनतेरस के मौके पर लांच किया जा चुका है। देश का कोई भी वरिष्ठ नागरिक इस कार्ड का लाभ उठा सकता है। बीमार होने पर देश के किसी भी सूचीबद्ध अस्पताल में पांच लाख रुपये तक का उपचार निशुल्क करा सकता है। जिसका सारा खर्च सरकार उठाएगी। इस अवसर पर एक कार्मिक रजनीश गर्ग ने बताया कि एनएचए के मंडप में बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार के बुजुर्ग सदस्यों के लिए आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनवाने के लिए भी पूछताछ कर रहे हैं। जिन्हें उचित जानकारी दी जा रही है। ट्रेड फेयर में लोगों को सरकार की अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में भी बताया जा रहा है।

फॉरनर एक्ट में थी तलाश, डाबड़ी पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता

द्वारका जिला के डाबड़ी थाना की पुलिस टीम ने एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। जिसकी तलाश फॉरनर एक्ट के मामले में पुलिस को थी। बाद में कोर्ट ने इसे पिछले साल भगोड़ा भी घोषित कर दिया था। डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि हेड कांस्टेबल बंशीधर को इस नाइजीरियन नागरिक के बारे में जानकारी मिली थी।जिसके आधार पर एसएचओ वीरेंद्र सिंह की टीम ने एक्शन लेते हुए इसके लोकेशन के बारे में पूरा कंफर्म किया। फिर इसे चाणक्य प्लेस इलाके में ट्रैप लगाकर गिरफ्तार किया। पूछताछ में इसने कोई पासपोर्ट और वीजा पुलिस को नहीं दिखाया। छानबीन में पता चला कि 3 साल पहले इसके खिलाफ डाबड़ी थाना में फॉरनर एट के तहत मामला दर्ज था। जिसमें कोर्ट ने इसे भगोड़ा भी घोषित कर दिया था। क्या इसकी संलिप्त और भी मामलों में है या नहीं इसकी अभी जांच की जा रही है।

राज पार्क में लूटा गोल्ड चेन, 30 मामलों का आरोपी दबोचा

संवाददाता

बाहरी जिला के राज पार्क थाना की पुलिस टीम ने 30 से ज्यादा आपराधिक मामलों में शामिल एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसके पास से लूटा गया गोल्ड चेन और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी को पुलिस ने जप्त किया है। डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि 13 नवंबर को इसी थाना इलाके में गोल्ड चेन लूटने की वारदात हुई थी। उस मामले की छानबीन पुलिस टीम कर रही थी ।एसीपी राजवीर मलिक की देखरेख में एसएचओ वीरेंद्र सिंह की टीम ने छानबीन शुरू की और सीसीटीवी फुटेज की मदद से इस बदमाश के बारे में पता लगाया। फिर इसकी पहचान करके इसे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार बदमाश पुष्पेंद्र उर्फ जंगली उर्फ सूरज कुमार के पास से लूटा गया गोल्ड चेन बरामद किया गया, फिर स्कूटी भी बरामद की गई। पता चला की 27 साल की उम्र में यह 30 वारदात में शामिल रहा है।

अवैध संबंध के शक में हत्या, मामा-भांजे को दबोचा

नई दिल्ली। समयपुर बादली पुलिस ने 35 वर्षीय युवक की हत्या मामले में एक शख्स को दो भांजे समेत दबोचा है। पूछताछ में अवैध संबंध के शक में हत्या करने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार, 35 वर्षीय चंदन झा परिवार के साथ राजा विहार बादली में रहता था। वह गुरुवार रात को घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने तलाश शुरू की। फिर शुक्रवार को पार्क से शव बरामद किया गया। पुलिस ने हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर इंस्पेक्टर मिंटू कुमार की टीम ने जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि चंदन की पत्नी रानी गुजरात में रहती है। इस बीच चंदन की दोस्ती रीमा नाम की महिला से हो गई थी। दरअसल, रानी के पहले पति सरोज कुमार की पहली पत्नी रीमा है। पूछताछ के बाद मालूम हुआ कि रीमा के दोनों बेटों को यह पसंद नहीं था कि उसकी मां चंदन से बात करे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने दिल्ली में बढ़ रहे अपराध पर भाजपा और आप पर साधा निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव शनिवार को ह्यदिल्ली न्याय यात्राह्व के तहत सुंदर नगरी पहुंचे। यहां उन्होंने सुंदर नगरी में हत्या के शिकार हुए युवक के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। देवेंद्र यादव ने कहा कि सुंदर नगरी में आज दिल्ली न्याय यात्रा को जिस उत्साह और प्यार से स्वागत किया गया, वह दिल को छू लेने वाला है। उन्होंने कहा, मुझे लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनने और समझने का मौका मिला। इस दौरान यादव ने कहा कि सुंदर नगरी में एक युवक की हत्या की दिल दहलाने वाली घटना ने फिर से दिल्ली में बिगड़ती कानून व्यवस्था को उजागर कर दिया है। देवेंद्र यादव ने कहा, अपराधियों पर न तो केंद्र की भाजपा सरकार काबू पा रही है और न ही राज्य की आम आदमी पार्टी सरकार।

फेडएक्स इकोनॉमिक इम्पैक्ट रिपोर्ट : भारत के विकास और स्थिरता के प्रति फेडएक्स प्रभाव का प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

फेडएक्स ने वित्त वर्ष 2024 में एमईआईएसए क्षेत्र की संपूर्ण अर्थव्यवस्था में अप्रत्यक्ष रूप से करीब 280 मिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान दिया है

मुंबई, भारत, 14 नवंबर, 2024 झ फेडएक्स कॉर्प ने अपनी सालाना इकोनॉमिक इम्पैट (आर्थिक प्रभाव) रिपोर्ट जारी कर दी है। इसमें कंपनी के दुनिया भर में नेटवर्क और वित्त वर्ष 2024 के दौरान स्थानीय समुदायों में समृद्धि लाने में कंपनी की भूमिका का विश्लेषण किया गया है। बिजनेस डिसीजनिंग डेटा और एनालिटिक्स के अग्रणी प्रदाता डन एंड ब्रैडस्ट्रीट (ठ एए: उ्छइ) के परामर्श से तैयार की गई यह रिपोर्ट ह्यफेडएक्स इफेक्टह्व को उजागर करती है। फेडएक्स इफेक्ट, फेडएक्स द्वारा किए गए कामों का वह प्रभाव दिखाता है जो वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाली वस्तुओं और विचारों के प्रवाह को तेज करने में सहायक होता है, जिसमें भारत में फेडएक्स का योगदान भी शामिल है।

फेडएक्स कॉर्पोरेशन के प्रेसिडेंट और सीईओ राज सुब्रमण्यिम ने कहा, फेडएक्स में हम एडवांस्ड डेटा और टेक्नोलॉजी का लाभ उठाकर सभी के लिए सप्लाई चेन को अधिक स्मार्ट बनाना चाहते हैं ताकि अपने और उनके ग्राहकों को बेहतर सेवा दे सकें। इससे हमारी पहुंच और प्रभाव दोनों बढ़ेगा। फेडएक्स इफेक्ट उत्कृष्टता, आर्थिक विकास और उन समुदायों के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है जहां हम रहते हैं और जिनके लिए काम करते हैं। इस रिपोर्ट में भारत के लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और वैश्विक कारोबार को बढ़ावा देने में फेडएक्स की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। फेडएक्स ने क्षेत्र में परिवहन, भंडारण और कम्युनिकेशन सेक्टर के शुद्ध आर्थिक उत्पादन में सीधे 0.1% का योगदान दिया है। इसके अलावा, फेडएक्स ने अप्रत्यक्ष रूप से वित्त वर्ष 2024 में क्षेत्र की संपूर्ण अर्थव्यवस्था में करीब 280 मिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान दिया है। कंपनी के बड़े निवेशों में नई दिल्ली कार्गो कॉम्प्लेक्स में गेटवे सुविधा का आधुनिकीकरण शामिल है जिसने निर्यात क्षमता को बढ़ाया और भारतीय निर्यातकों के लिए ट्रांजिट टाइम को घटा दिया है। इससे निर्यातकों को केवल दो से तीन दिनों में ग्लोबल बाजारों तक पहुंचने में मदद मिलती है। फेडएक्स ने फेडएक्स इम्पोर्ट टूल पेश किया, जो एक केंद्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म है। ये डॉक्युमेंट मैनेजमेंट और कस्टम क्लियरेंस को सुव्यवस्थित करता है, भारतीय कारोबारियों को अधिक कुशल आयात प्रक्रियाओं से सशक्त बनाता है। फेडएक्स ने आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी मद्रास में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश करके नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है और अधिक स्मार्ट, अधिक मजबूत सप्लाई चेन के निर्माण के लिए भारत की तकनीकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल किया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
नई दिल्ली, रविवार, 17 नवंबर, 2024

संक्षिप्त खबरें

जांच में उर्वरक में मिलावट की हुई पुष्टि

कल्याणपुर समस्तीपुर रासायनिक उर्वरक मामले में संयुक्त निदेशक रसायन नियंत्रक प्रयोगशाला मीठापुर पटना द्वारा प्राप्त जांच प्रतिवेदन में बताया गया है कि कल्याणपुर प्रखंड को-ऑर्डिनेटर रसायन उर्वरक निरीक्षक के द्वारा भेजे गए सैंपल में मिलावट पाई गई है। जानकारी के अनुसार पिछले 18 अक्टूबर को प्रखंड क्षेत्र के झहुरी गांव में डीएपी सहित अन्य रासायनिक उर्वरक का सैंपल पुलिस की उपस्थिति में कृषि विभाग के रासायनिक निरीक्षक ने प्रखंड कृषि पदाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी की उपस्थिति में लेकर सैंपल पटना भेजा गया था। उसकी जांच पटना के प्रयोगशाला में की गई। जिसका प्रतिवेदन थाना सहित प्रखंड किषि कार्यालय में भेजा गया है। थाने में दर्ज प्राथमिक की में झहुरी गांव के लखींदर सहनी पिता स्वर्गीय सविता देवी के घर से 30 बैग नमक लाल रंग का पाउडर अन्य उर्वरक 40 बैग सहित दर्जनों रैपर एवं खाली बैंग जब्त के अलावे लखविंदर साहनी के आटा चक्की से एक देसी कट्टा जब्त की गई थी। इस केस में स्थानीय थाने में आधे दर्जन लोगों पर प्राथमिक की गई थी।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर चैंजिंग नेचर ऑफ प्रेस विषय पर परिचर्चा आयोजित

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई जिला मुख्यालय में अवस्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग कार्यालय के सभागार में शनिवार को शशांक कुमार वर्णवाल जिला वरीय समाहर्ता सह जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर परिचर्चा आयोजित की गई। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर चैंजिंग नेचर ऑफ प्रेस विषय पर परिचर्चा की गई। जिसमें जिला के कई वरिष्ठ पत्रकार सरीक हुए। चैंजिंग नेचर ऑफ प्रेस परिचर्चा पर मान्यता प्राप्त पत्रकार निरंजन कुमार सिंह ने बताया कि 16 नवम्बर 1966 से राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है जिसका एतिहासिक पृष्ठ भूमि पर चर्चा करते हुए कहा कि शाश्वत काल की शुरूआत अंतःपुर के नारदजी थे, जिन्हें पत्रकार का पिता कहा जाता है।जो बातें सत्य होती थी उसका संवाद बिना हिचक के दो टूक शब्दों में बयां करते थे। उसके बाद चैंजिंग होकर भोजपत्रों के माध्यम से लोगों के बीच खबरें भेजे जाते थे।उसका साक्षी बना कलम के रूप में जंगल की लकड़ियां और स्याही बना जानवरों का लहू। फिर चैंजिंग होकर अंग्रेजों के शासन काल में प्रेस खोलकर हाथों से चलाने वाली मशीन के खबरें प्रकाशित किया जाता था और अंग्रेजों से छुपा कर प्रकाशित खबरों को रात के अंधेरे में क्रांतिकारी एवं अन्य लोगों को पहुंचाया जाता था। उसके बाद और चैंजिंग हुआ अखबारों की छपाई होना शुरू हुआ और पुरे बिहार में एक ही प्रेस प्रिंटिंग मशीन बैठाया गया वो भी पटना में। जहां जमुई की खबरें लिखकर डाक के द्वारा पटना भेजा जाता था और तीन दिन बाद वो खबरें छप कर जमुई आती थी। अब तो अखबारें खण्ड - खण्ड में विभाजित होकर कईएक अखबारों में प्रकाशित होना शुरू हुआ और अब क्षेत्र वाद, जिला वाद एवं प्रखंड स्तरीय खबरों का प्रकाशन किया जाता है। इसके बाद और चैंजिंग हुआ टेलीविजन पर खबरें प्रसारित होने से लोगों का दिलचस्पी अखबारों के प्रति कमने लगा। फिर सोशल मीडिया, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, वाट्सएप, फेसबुक और ट्विटर अकाउंट ने आकर बाकी रही सही कसर खत्म कर दिया। आज प्रिंट मीडिया पर से लोगों का दिलचस्पी धीरे धीरे घटता ही जा रहा है। क्यों कि प्रिंट मीडिया भी अपना अपना सोशल मीडिया अकाउंट खोल कर लोगों को आकर्षित करने में लगा हुआ है तो ये था क्रमबद्ध चैंजिंग। वहीं दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार रूपेश कुमार सिंह ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर उपस्थित सभी पत्रकारों को दिल की गहराई से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए जिला प्रशासन की पूर्ण बांधी और तारीफ करते जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा, पुलिस अधीक्षक चन्द्र प्रकाश एवं जिले के उजावीन पदाधिकारियों की टीम वर्क से जमुई विकास के पथ पर अग्रसर है। वहीं उपस्थित पत्रकारों को निर्भिक होकर अनुशासन में रहकर पत्रकारिता करने की सलाह दी इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक कुमार सिन्हा, भूपेन्द्र सिन्हा,राजीव सिंह,राजेश सिंह, हेमंत सक्सेना,विनीत कुमार, विकास पाण्डेय,रधु कुमार,विजय कुमार एवं अन्य दर्जनों पत्रकार उपस्थित थे।

आरएस कॉलेज तारापुर में दो दिवसीय, मल्टी डिसिप्लिनरी नेशनल सेमिनार का हुआ आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

तारापुर (कोर्ट)। आरएस कॉलेज तारापुर में दो दिवसीय मल्टी डिसिप्लिनरी सेमिनार का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता आरएस कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर यू एस दास के नेतृत्व में किया गया इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉक्टर अश्वनी कुमार ओझा ने किया। स्वागत गान प्रस्तुति श्रेया भारती शिक्षा कुमारी सीमा भारती वर्षा कुमारी नेकी और उन्होंने मुंगेर विश्वविद्यालय के कुल गीत गाकर भी अपनी प्रस्तुति दी मुख्य अतिथि भावेश चंद्र पांडे डीएसडब्ल्यू मुंगेर विश्वविद्यालय मुंगेर उन्होंने कहा कि विद्यार्थी के लिए मुंगेर विश्वविद्यालय के द्वारा सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। रजिस्टर विजय कुमार ठाकुर मुंगेर विश्वविद्यालय मुंगेर उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ तकनीकी का भी ज्ञान दिया जाएगा। इस मौके पर आरएस कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर यू एस दास ने कहा कि हम आरएस कॉलेज में तमाम सुविधा उपलब्ध कराएंगे बच्चों की पढ़ाई के लिए इस मौके पर डॉक्टर शाहिद राजा जमाल(ड्रॉ रिसर्च डी उर्दू मुंगेर विश्वविद्यालय मुंगेर प्रोफेसर डॉक्टर अजीत ठाकुर डॉ अतुल कुमार घोष सीसीडीसी तिलका मांझी विश्वविद्यालय भागलपुर इस मौके पर उपस्थित प्रोफेसर अर्चना कुमारी प्रोफेसर नीरज कुमार प्रोफेसर जावेद राजा एवं छात्र-छात्राएं अंकित कुमार सूरज कुमार अभिषेक कुमार अनिकेत कुमार मानताशा खातून नाजिया खातून माफिया खातून आरएस कॉलेज के पूर्व एन एस एस आइकॉन मोहम्मद अखलाक उद्दीन ने कहा कि शिक्षा हम सबके लिए बहुत जरूरी है।

तेलियाडीह में शुरू हुआ सती बिहुला पाठ

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रखंड क्षेत्र के तेलियाडीह गांव में शुक्रवार की देर शाम से सती बिहुला पाठ शुरू किया गया जिसका उद्घाटन पैक्स अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने फीता काटकर किया। महिला पर आधारित सती प्रथा की कहानी बिहुला विषहरी नाटक में कलाकारों ने पहले दिन अपनी सुंदर प्रस्तुति दी। सती बिहुला पाठ के डायरेक्टर लखन यादव ने बताया कि 9 दिन तक नाटक कला दिखाया जाएगा। जिसमे अलग अलग दिन अलग अलग कहानी शामिल हैं। उद्घाटन कर्ता ने कहा कि बिहुला विषहरी की प्रचलित गाथा पूरे राज्य में प्रचलित है और लोग इसे खूब पसंद भी करते हैं। यह कहानी सामाजिक व्यवस्था में महिलाओं के समर्पण और महत्व को रेखांकित करता है। उन्होंने आगे कहा कि इस कहानी से हमे यह ज्ञान प्राप्त होता है कि महिला अगर किसी कार्य करने को ठान ले तो वह अवश्य उसे पूरा कर सकती है। इस कहानी में महिलाओं के आत्मशक्ति को दशार्ता है। वही सभी कलाकारों ने एक्टिव होकर बखूबी से अपने कला को दिखा रहे। मौके पर प्रदीप यादव, पिंटू रजक, अजीत यादव, अजय यादव, कुलदीप यादव, सुभाष दास, अशोक यादव,अजीत यादव, देवेंद्र तुरी, सकलदेव रविदास सहित अन्य लोग कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका अदा कर रहे हैं तो नाटक देखने के लिए आसपास के गांव से बड़ी संख्या में जुट हुए थे।

गिद्धौर पुलिस ने अवैध बालू लदे ट्रैक्टर वाहन को किया जब्त, मामले में प्राथमिकी दर्ज

प्रात: किरण, संवाददाता

गिद्धौर। गिद्धौर पुलिस द्वारा विशेष छापेमारी अभियान के तहत बालू लाद परिचालन कर जाने के क्रम में गिद्धौर रेलवे स्टेशन सड़क मार्ग से एक ट्रैक्टर वाहन को गिद्धौर पुलिस ने जब्त कर लिया। जब्त वाहन पर खनन विभाग एवं बीएनएस के सुसंगत धाराओं के तहत मामले में कार्रवाई की गयी है। जानकारी के अनुसार गिद्धौर थानाध्यक्ष सर्वजीत कुमार को अवैध बालू खनन की गुप्त सूचना मिली थी। जिस पर थानाध्यक्ष सर्वजीत कुमार के नेतृत्व में अवर निरीक्षक पंकज कुमार द्वारा गिद्धौर रेलवे स्टेशन सड़क मार्ग पर अवैध बालू लदे ट्रेक्टर वाहन को आते देख रोकने का प्रयास किया गया तो उक्त ट्रैक्टर वाहन चालक मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गया। जब उक्त ट्रैक्टर वाहन के ट्रिलर में बालू लदा पाया गया। जिसे जब्त कर थाना लाया गया। मामले में उक्त ट्रैक्टर वाहन पर अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण निवारण नियमावली 2021 के नियमों के अधीन एवं भारतीय न्याय सहिंता के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले में कार्रवाई की गयी। इस अभियान में थानाध्यक्ष सर्वजीत कुमार, अवर निरीक्षक पंकज कुमार सहित पुलिस बल के जवान अभियान में मौजूद थे।

किसानों को अनुदान मिलेगा : योजना का लाभ लेने के लिए विभाग द्वारा खोल दिया गया है पोर्टल

- ड्रोन से दवा छिड़काव के लिए आवेदन करें किसान

प्रात: किरण, संवाददाता

गिद्धौर। फसलों को कीट के प्रकोप से सुरक्षित करने के लिए पौधा संरक्षण विभाग द्वारा ड्रोन से कीटनाशी दवा का छिड़काव कराया जाएगा। इसलिए जमुई में भी सैकड़ों एकड़ का लक्ष्य दिया गया है। योजना का लाभ लेने के लिए विभाग द्वारा पोर्टल खोल दिया गया है। कोई भी किसान आवेदन कर सकता है। हालांकि इस योजना का लाभ लेने के लिए कम से कम एक एकड़ खेत होना जरूरी है। ड्रोन से छिड़काव बड़े पैमाने पर किया जाना है,इसलिए रकवा भी बड़ा होना चाहिए। इसके लिए सरकार द्वारा अनुदान भी दिया जाएगा। रवि फसल के लिए यह योजना लाई गई है। पौधा निकलने के बाद छिड़काव की शुरूआत की जा सके,इसके लिए विभाग द्वारा अभी से तैयारी की जा रही है। प्रति एकड़ मिलेगा अनुदानः सहायक निदेशक ने बताया कि इस योजना के तहत एक एकड़ पर करीब 480 रुपया खर्च होगा,जिसमें सरकार द्वारा 240 रुपया अनुदान दिया जाएगा। एक किसान अधिकतम 10 एकड़ का लाभ ले सकते हैं।किसानों को सिर्फ पानी उपलब्ध कराना है, दवा एजेंसी द्वारा दी जाएगी। छिड़काव के लिए कम से कम एक एकड़ रकवा होना जरूरी है। यदि एक किसान के पास रकवा नहीं है तो तीन चार किसान मिलकर एक जगह पर छिड़काव कर सकते हैं। निबंधित किसानों को ही लाभ योजना का लाभ डीबीटी पोर्टल पर निबंधित किसानों को ही दिया जाएगा। यह खासकर दलहनी, तेलहनी,गेहूं,मक्का एवं आलू की खेती के लिए लागू किया गया है। खरपतवार एवं कीट के कारण प्रतिवर्ष 35 प्रतिशत फसल बर्बाद हो जाती है। किसान पारंपरिक विधि से दवा का छिड़काव करते हैं इस कारण खर्च तो बढ़ता ही है फसल को भी नुकसान होता है। शरीर पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। ड्रोन से छिड़काव होने पर काफी सुविधा होगी। दवा भी बर्बाद नहीं होगी। 10 एकड़ वाले रकवा को प्राथमिकता ड्रोन से छिड़काव के लिए रकवा भी बड़ा होना जरूरी है।इसलिए 10 एकड़ वाले रकवा को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिन किसानों को योजना का लाभ लेना है वे डीबीटी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पहले आओ पहले पाओ के तर्ज पर योजना का लाभ दिया जाएगा। चयन के लिए आवेदन के बाद कृषि समन्वय व किसान सलाहकार द्वारा स्थल जांच का सत्यापन के बाद ही लाभुक का चयन किया जाएगा।

मीडिया मानवता का नूर है: प्रो.गौरी शंकर

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुईः-प्रेस दिवस के अवसर पर नगर परिषद जमुई स्थित स्थानीय कल्याणपुर के मीना कुंज के संवाद कक्ष में स्वतंत्र-निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता विषय पर एक परिचर्चा आयोजित की गयी, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक एवं हास्य कवि श्री दिनेश मंडल ने की। मौके पर उपस्थित केकेएम कॉलेज के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. (प्रो.) गौरी शंकर पासवान ने कहा कि भारत में हर वर्ष 16 नवंबर को प्रेस दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य मीडिया से जुड़े लोगों को यह याद दिलाना है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता जनतंत्र की एक आवश्यक स्तंभ है। निष्पक्षता, स्वतंत्रता, सत्यता और विश्वसनीयता पत्रकारिता की आत्मा हैं। इस दिन को प्रेस की स्वतंत्रता और उसके महत्व को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। यह दिवस उन चुनौतियों को भी याद दिलाता है, जिनका सामना पत्रकार करते हैं। यह दिवस यह भी सुनिश्चित करता है कि मीडिया को बिना किसी दबाव के सत्य और न्याय के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया मानवता का नूर है। क्योंकि यह देश और समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो सच्चाई एवं जागरूकता का प्रकाश आलोकित करता है। यह मीडिया मानवता को जोड़ने एवं उसकी प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इतना ही नहीं यह हमें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय घटनाओं से अवगत कराता है,जिससे हम अपने आसपास की दुनिया से जुड़े रहते हैं। मीडिया के बिना संसार अधूरा है। कहते हैं कि सच का साथी झूठ का विचार, मीडिया के बिना अधूरा संसार मीडिया की स्वतंत्रता समाज के विकास और जागरूकता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रेस का संरक्षण और सामान करना हमारे समाज और देश के लिए अनिवार्य है। यह दिवस पत्रकारिता और प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व को स्वीकार करने का दिन है आज का दिन पत्रकारों के योगदानों की सराहना करने का दिन है। मीडिया केवल सूचना का स्रोत ही नहीं है, बल्कि समाज की प्रगति व मानवता के कल्याण के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति भी है। इसका उपयोग सावधानी पूर्वक एवं जिम्मेदारी से करना जरूरी है, ताकि यह सही मायने में मानवता का नूर बना रहे। उन्होंने कहा कि समय के साथ प्रेस का स्वभाव और कार्य प्रणाली काफी बदल गया है। स्थानीय व्यवहार न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री प्रभात कुमार भगत ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का प्रहरी है। प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों का देश के लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है। मीडिया को समाज में सच्चाई और न्याय की स्थापना के लिए हंस की तरह नीर क्षीर विवेकी और न्यायाधीश की तरह निष्पक्ष, तटस्थ तथा तथ्यात्मक भूमिका निभानी चाहिए। मीडिया सिर्फ सूचनाओं का प्रसार ही नहीं करता, बल्कि यह जनमत का निर्माण, सत्ता पर निगरानी और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वरिष्ठ अधिवक्ता श्री रामचंद्र रविदास ने कहा कि प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। बदलते समय के साथ प्रेस को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जैसे फेक न्यूज और गलत सूचनाओं का प्रसार, प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला, पत्रकारों की सुरक्षा आदि प्रमुख मुद्दे एवं चुनौतियां हैं। आज सोशल मीडिया का प्रभाव बढ़ा है। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम एवं युटुब खबरों के प्रसार को लोकतांत्रिक बना दिया है। अध्यक्षीय प्रबोधन में वरिष्ठ शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक श्री दिनेश मंडल ने कहा कि मीडिया जनता की आवाज होती है। क्योंकि मीडिया एक ऐसा माध्यम है जो जनता की आवाज और समस्याओं को सरकार तक और सरकार की नीति व योजनाओं को जनता तक पहुंचने का काम करती है। उन्होंने प्रेस के महत्व को बताते हुए कहा कि जो देखे वही बताएं, सच्चा पत्रकार वही कहलाए। सत्य का प्रचार मीडिया का व्यापार है। प्रेस को बदलते समय के साथ खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए नवाचार और नैतिकता के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। मौके पर प्रो डॉ डीके गोयल, प्रो सरदार राम, प्रो संजीव कुमार सिंह,शिक्षक मंटू पासवान, श्याम सुंदर, रवीश कुमार सिंह, सुशील कुमार, सुनील कुमार, विपुल कुमार, अतुल कुमार आदिकई बुद्धिजीवी और छात्र उपस्थित थे जिन्होंने देश और समाज के विकास में मीडिया की सराहनीय योगदान और भूमिका की सराहना की।

तीन लोगों पर बेटी को भगाकर ले जाने में दर्ज कराई प्राथमिकी

जमुई [झाझा] शादी की नियत से बहला फुसलाकर बेटी को भगाकर ले जाने के मामले में पीड़ित पिता ने गांव के एक युवक और उसके माता पिता को नामजद बनाते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज आवेदन में परसा क्षेत्र के रहने वाले पीड़ित पिता ने बताया कि मेरी बेटी इंटर की छात्रा है और बीते 11 नवम्बर को बालिका उच्च विद्यालय झाझा के लिए निकली जिसके बाद वह घर नही आई तो उसके मोबाइल पर फोन किया तो जल्द घर आ जाने की बात करते हुए फोन काट दिया जिसके बाद वह घर नही आई जिसकी काफी खोजबीन किया गया लेकिन कुछ भी पता नही चल सका।

मारपीट का थाना में हुआ प्राथमिकी दर्ज

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के गम्हरिया गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने गांव के एक व्यक्ति पर मारपीट कर घायल कर दिए जाने का प्राथमिकी थाना में दर्ज कराया। पीड़ित मनोज यादव ने दर्ज आवेदन में बताया कि गांव के रहने वाले सोहिन्द्र यादव मेरे घर पर आकर पहले गाली गलौज किया और जब में अपने घर की ओर आ रहा था ।

उसने रास्ता रोकर फिर मुझे गाली गलौज करने लगा जिसका विरोध किया उसने लाठी से मेरे सिर पर वारकर मुझको घायल कर दिया। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद एसएचओ संजय कुमार ने कहा पुलिस नामजद के खिलाफ आगे की कार्रवाई करने में जुट चुकी है।

बाइक और फॉर्च्यूनर गाड़ी में टक्कर होने के बाद फॉर्च्यूनर गाड़ी पेड़ जा टकराया, चार लोग हुए घायल

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] एनएच 333 स्थित धपरी मोड़ झाझा एकडारा के पास बाइक और फॉर्च्यूनर गाड़ी में टक्कर होने के बाद फॉर्च्यूनर गाड़ी एक पेड़ में जा टकराया। इस घटना में कुल चार लोग घायल हो गया। घायल को एम्बुलेंस से रेफरल अस्पताल झाझा लाया गया जहां डॉक्टर के द्वारा घायलों का इलाज किया गया । फॉर्च्यूनर गाड़ी में सवार घायल की पहचान समस्तीपुर के रहने वाले दिलीप कुमार और उसका चालक अनिल कुमार के रूप में हुई है । घायल दिलीप कुमार ने बताया कि मैं समस्तीपुर से झारखंड राज्य के गिरिडीह में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए अपने वाहन से जा रहा था कि तभी अचानक बाइक चालक मेरे दिशा में बाइक घुमा दिया जिसके बाद मेरे वाहन चालक का नियंत्रण बिगड़ गई और सड़क किनारे पेड़ में जा टकराया। वही बाइक से घायल में बाराजोर पंचायत के धोबियाकुरा गांव के रहने वाला मो. मुबारक और उसका बहनोई मो. आलम अंसारी के रूप में हुई है। घटना में मो. आलम को गम्भीर चोट लगने के कारण डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। इधर घटना की जानकारी पुलिस को मिला जिसके बाद पुलिस अस्पताल पहुंचा और दोनो वाहनों के घायलों से पूछताछ किया। दूसरी ओर घायल मो. मुबारक अंसारी ने बताया कि पेट्रोल पंप से बाइक में तेल भराकर साला के साथ वापस अपने घर जा रहा था कि तभी फॉर्च्यूनर गाड़ी ने मेरे बाइक में टक्कर मार दिया जिससे मैं और मेरा साला बाइक से गिरकर घायल हो गया।

भगवान लक्ष्मी नारायण का वार्षिक पुजा संपन्न

प्रात: किरण, संवाददाता

सोनो जमुई : जमुई जिले के सोनो प्रखंड अंतर्गत महेश्वरी गाँव स्थित मंदीर के सिंहासन पर विराजमान भगवान लक्ष्मी नारायण का वार्षिक पुजा महोत्सव शुक्रवार को हर्षोल्लास पुर्वक संपन्न हो गया । प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक मास की पुर्णिमा को बाबा लक्ष्मी नारायण मंदीर में आयोजित वार्षिकोत्सव मे दुर दराज से आये हजारों लोगों ने बाबा लक्ष्मी नारायण का दर्शन कर मिन्नते मांगी । बाबा लक्ष्मी नारायण का दर्शन के लिए बिहार सहित झारखंड , उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल आदि विभिन्न राज्यों से आये हजारों श्रधालुयों ने घंटों तक कतार बद्ध लाईन में खड़े रहे । श्रधालु अपना इच्छित फल की प्राप्ति एवं सुख समृद्धि के लिए चावल , गुड़ , घृत ओर दही के मिश्रण से बना प्रसाद एवं तुलसी दल नैवेद्य के रूप में भगवान लक्ष्मी नारायण को अर्पित किया । बताया गया है कि भगवान लक्ष्मी नारायण की स्थापना पिछले 400 वर्षों पुर्व महे्वरी गाँव में तपस्या कर रहे एक श्रृषि मुनि के द्वारा किया गया था । तब से लेकर आज तक प्रत्येक वर्ष कार्तिक पूर्णिमा को इनकी पुजा वार्षिक महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है ।

बताया जाता है कि अपनी जटाओं मे भगवान शालीग्राम को बांधकर रखे श्रृषि महेश्वरी गाँव के समिप बहने वाली कलोधरा नदी में स्नान करने के बाद प्रत्येक दिन अपनी जटा से शालीग्राम को निकालकर स्नान कराने के बाद झोपड़ी नुमा कुटिया मे उनकी पुजा अर्चना कर पुनः अपनी लंबी लंबी जटाओं मे बांध लेते थे । फल मुल का सेवन करने वाले तपस्वी मुनी की सेवा स्थानीय महेश्वरी गाँव निवासी राम पांडेय के द्वारा तन मन से किया जाता रहा । कई वर्षों बाद जब मुनि इस गाँव से प्रस्थान करने लगे तो उन्होंने राम पांडेय को कोई वर मांगने को कहा , जिसपर राम पांडेय ने मुनि की जटा मे बंधे शालीग्राम को मांग लिया । शालीग्राम देते हुए मुनि ने कहा कि यह शालीग्राम पत्थर नहीं बल्कि यह तो साक्षात भगवान लक्ष्मी नारायण हें । उन्होंने शालीग्राम की पुजा अर्चना करने का विधान बताकर राम पांडेय को सोंपकर चले गए । इधर राम पांडेय ने श्रृषि की झोपड़ी नुमा कुटिया को साफ सफाई कर छोटी सी मंदीर बनाकर लक्ष्मी नारायण की स्थापना कर पुजा अर्चना प्रारंभ कर दिये । तब से लेकर आज तक राम पांडेय के वंशजों द्वारा प्रत्येक दिन भगवान लक्ष्मी नारायण की पुजा अर्चना ओर कार्तिक मास की पुर्णिमा को वार्षिकोत्सव धुमधाम से मनाया जा रहा है । ज्ञात हो कि धीरे धीरे भगवान लक्ष्मी नारायण की महिमा दुर दुर तक फैलने लगी ओर स्थानीय ग्रामीणों द्वारा भगवान लक्ष्मी नारायण का मंदीर भी भव्य तरिके से निर्माण कराया गया । इधर वार्षिकोत्सव पर उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी काफी मुस्तेद दिखी ।

जिले के तीन शिक्षकों ने लहराया अपने लगन ईमानदारी कर्मठ का परचंम मिला राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

सदर मुंगेर। जिले के तीन शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान शिक्षा सागर फाउंडेशन भारत ने राष्ट्रीय शैक्षिक संगोष्ठी कुरुक्षेत्र हरियाणा में बिहार, कर्नाटक,नागालैंड,तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश,गुजरात , छत्तीसगढ़ सहित देश के 20 राज्यों के विद्यालयी शिक्षा के साथ समाज सेवा,पर्यावरण संरक्षण,योग शिक्षा में बेहतरीन कार्य कर रहे 155 शिक्षकों, समाजसेवी, साहित्यकारों, पर्यावरणविदों को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया।जिसमें मुंगेर के तीन नवाचारी शिक्षकों क्रमशः अरविंद कुमार सिंह,मध्य विद्यालय कुरावा ,प्रेम सखी कुमारी,मध्य विद्यालय बागेश्वरी, शोभा कुमारी,प्राथमिक पासवान टोला घोरघट को गीता उपदेश स्थली धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में हरियाणा सरकार के प्रतिनिधियों एनआईटी निदेशक डॉ वी वी रमन रेड्डी,चेयरमैन कुरुक्षेत्र विकास प्राधिकरण मदन मोहन छाबड़ा,कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के एचओडी डॉ सी आर दरोलिया, हरि प्रताप राठौड़,शिक्षा सागर फाउंडेशन भारत के संस्थापक शैलेश कुमार प्रजापति,हरियाणा संयोजक सुशीला जांगड़ा और राजकीय सम्मान प्राप्त शिक्षक सह संस्थापक (शिक्षा सागर फाउंडेशन)डॉ सुरेश राणा के द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा सम्मानित शिक्षकों के कार्यों की सराहना की गई तथा शिक्षा क्षेत्र में ऐसे ही तकनीकी का उपयोग करते हुए अनवरत छात्र और समाज हित कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत, आत्महत्या की आशंका

प्रात: किरण संवाददाता

मसौढ़ी !शनिवार की सुबह पटना गया रेलखंड के तारेगना स्टेशन के समीप लूप लाइन पर पोल संख्या 29/13 व15 के बीच ट्रेन से कटकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। मृत युवक की पहचान नगर परिषद क्षेत्र के कश्मीर गंज मोहल्ला निवासी पप्पू मिस्त्री उर्फ राजकिशोर यादव के 22वर्षीय पुत्र आशीष कुमार के रूप में की गई है ।घटना के बाद आसपास लोगों की भीड़ लग गई ।हालांकि युवक को आत्महत्या करने का कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। इस बाबत तारेगना जीआरपी थानाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि पटना-गया रेलखंड के तारेगना स्टेशन से के समीप एक युवक का शव मिला है ।उन्होंने बताया कि शव देखने से प्रतीत होता है कि युवक ने आत्महत्या कर ली है ।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया ।पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी हुई थी ।बताया जाता है कि मृत युवक अपने घर का इकलौता चिराग था,जिसके पिता का भी मौत पूर्व में हो चुकी है।

बिरसा मुंडा की जयंती हवेली खड़गपुर में मनाई गई

प्रात: किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। ऑल इंडिया जन अधिकार सुरक्षा कमेटी हवेली खड़गपुर इकाई की ओर से मुरादें गांव में शहीद बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई कमेटी के सदस्यों ने एक साथ मौजूद ग्रामीणों ने शहीद बिरसा मुंडा के तस्वीर पर पुष्प अर्पण किया और श्रद्धा सुमन अर्पित के आयोजित जयंती कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने शहीद बिरसा मुंडा अमर रहे के नारे लगाए और 15 नवंबर को राष्ट्रीय दिवस घोषित करने की मांग की सहित बिरसा मुंडा के जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने आदिवासियों को जंगल जाने का बेरोकठोकअधिकार देने आदिवासियों के हक और अधिकार को छीना जाना नहीं चलेगा सीएनटी एक्ट एसपीटी एक्ट को बहाल करने वन अधिकार कानून 2006 को लागू करने जैसी मांग को लेकर सरकार से मांग किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया जन अधिकार सुरक्षा कमेटी के बिहार राज्य प्रभारी रमन सिंह ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उनका संघर्ष अद्वितीय था उनकी कृति आज भी लोगों में संघर्ष की गाथा को जीवित रखा है उन्होंने कहा कि आज बिरसा मुंडा की याद करना समय की मांग है बिरसा मुंडा के पिता सुगना मुंडा और उनकी माता करणी मुंडा ने काफी संघर्ष किया। बिरसा मुंडा की देश के प्रति कुबार्नी से आज आदिवासियों को काफी हक और अधिकार मिल पाया है कमेटी के सदस्य अर्जुन सोरेन ने कहा कि हमें अपने हक अधिकार के लिए संगठित होकर संघर्ष के लिए तैयार रहना चाहिए इस मौके पर संगठन के नेता अर्जुन सोरेन मुंशी सोरेन राम किस्कू पार्वती देवी मंगली कुमारी सुनीता देवी सुनीता टुडू मंटू सोरेन रमन सिंह आदि समेत ग्रामीणों ने अपने विचार रखें वहीं प्रखंड के रमनकाबाद पश्चिमी मधुबन दरियापुर हर कुंडा छोटकी फुलवरिया सहित कई स्थलों पर शहीद बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिला कल्याण पदाधिकारी रानी कुमारी प्रखंड विकास पदाधिकारी खड़गपुर प्रियंका कुमारी अंचल अधिकारी संतोष कुमार सिंह वनों के क्षेत्र पदाधिकारी रॉबिन आनंद जीविका बीपीएम अंजू कुमारी जदयू जिला अध्यक्ष नचिकेता मंडल प्रखंड प्रमुख सीमा कुमारी जदयू के प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र मंडल एवं मुखिया समेत जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया।मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी रानी कुमारी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल जंगल और जमीन के लिए अंग्रेजों के साथ लंबा संघर्ष किया। वहीं जदयू के जिला अध्यक्ष नीचिकेता मंडल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नंबर 2021 को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को प्रतिवर्ष जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी जिसको लेकर जनजाति समुदाय गौरव महसूस कर रहा है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिवासी समाज के उन्नति और उत्थान के लिए काम कर रहे हैं इस मौके पर मुकेश बिन्द समेत आदिवासी समाज की महिलाओं और पुरुषों ने भारी संख्या में भाग लिया।

तुम्हीं बांटते हो तुम्हीं काटते हो की सच्चाई लोगों के कितना समझ

बेटी छीन लेने से ज्यादा डराने, अपमानजनक बात और क्या होगी? मगर जब मुकाबला गिरने का हो तो फिर आप कुछ नहीं कह सकते। कटना काटना उससे और आगे की बात है या बराबर या बेटी छीनने से कमजोर रह गई आप खुद फैसला करें। ज्24 घंटे में दो बार महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रहे उद्धव ठाकरे की तलाशी? इससे पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के हैलिकाप्टर और राहुल गांधी के हैलिकाप्टर की तलाशी? सत्ता पक्ष कितना पैसा खर्च कर रहा है यह चुनाव आयोग को नहीं दिख रहा। बच्चे बच्चे को मालूम है कि झारखंड और महाराष्ट्र में कौन पैसा पानी की तरह बहा रहा है। यह ब्लैकमेलिंग है या भयादोहन? या भारत को लोगों को भयाकुल बनाना ?लगता है उससे भी आगे की बात है। ब्लैकमेलिंग में जब आपके खिलाफ कुछ होता है तो उसका फायदा उठाया जाता है। यहां तो काल्पनिक डर दिखाकर उसका फायदा उठाने की कोशिश है। और डर पूरे देश को, समाज को। और किस खतरनाक स्तर का? बेटी छीन लेंगे! भैंस और मंगलसूत्र से अब बेटियों तक आ गए। यह केवल डर दिखाना नहीं है। बल्कि उससे आगे जाकर यह कहना है कि मुझे वोट नहीं दिया तो तुम्हें कोई नहीं बचा सकता। इसी की काम्पटिशन में लाया गया है बटेंगे तो कटेंगे !ज्यादा खतरनाक, अखिलेश यादव के शब्दों में निकृष्टतम कौन सा है कहना मुश्किल! बेटी छीन लेने से ज्यादा अपमानजनक, बेबसी बताने वाली बात और क्या होगी? मगर जब मुकाबला गिरने का हो तो फिर आप कुछ नहीं कह सकते। कटना काटना उससे और आगे की बात है या बराबर या बेटी छीनने से कमजोर रह गई आप खुद फैसला करें। अगर फैसला कर पाने की अक्ल, विवेक रह गया हो तो! नहीं तो जैसे पहले दस साल नफरत पैदा करके वोट लिए गए वैसे ही अब डर पैदा करके लिए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी एक डर दिखाएंगे तो मुख्यमंत्री योगी दूसरा। हो सकता है दोनों में होड़ हो कि कौन ज्यादा डरा सकता है? देश में भय का माहौल कौन ज्यादा फैला सकता है? यही आधार हो देश पर शासन करने का। एक डरा हुआ देश बनाने की कोशिश! क्या भारत बन जाएगा? एक नया प्रयोग है। देश को डरा कर शासन करने की कोशिश कभी किसी ने नहीं की। अंग्रेजों ने भी नहीं कहा कि अगर हम चले जाएंगे तो तुम्हारी बेटियां छिन जाएंगी। तुम कटोगे। अंग्रेजो ने कहा कि तुम कानून व्यवस्था के तहत शासन नहीं करोगे। तो सत्तर साल बाद यह जरूर सच साबित हो रहा है। चर्चिल ने कहा था भारत की आजादी का विरोध करते हुए कि वहां के शासक लोगों को बांटेंगे। इंग्लेंड के प्रधानमंत्री रहे विंस्टन चर्चिल को शक था कि भारत में सत्ता बहुत खराब शब्द इस्तेमाल किया था उन्होंने दुष्ट हाथों में चली जाएगी। सत्ता के लिए वे कुछ भी कर गुजरेंगे। सत्तर साल तक हमारे नेताओं ने चर्चिल को गलत साबित करके रखा। मगर आज?जिन के पास शासन है उन्हीं में से एक कह रहे हैं कि बेटी छिन जाएगी और दूसरे कटने कटाने का डर दिखा रहे हैं। आजाद भारत में तो किसी ने यह कभी नहीं कहा कि हमारी सरकार नहीं रहेगी तो ऐसा हो जाएगा। 1947 जी हां यही साल था जब भारत आजाद हुआ। नहीं तो कहा तो यह जाने लगा है कि भारत 2014 में आजाद हुआ। और प्रधानमंत्री मोदी ने तो खुद यहां तक कह दिया कि 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी। आज जो दस सवा दस साल तक के बच्चे हैं वे ही सिर्फ गर्व कर सकते हैं। बाकी उनके मां बाप सब शर्म को जीवन भर झेलने वाले हैं। तो अब मुकाबला डर से है। एक झूठ कि भेडिया आया! भेडिया आ जाएगा! पुरानी कहानी है। और अंत एक सही संदेश के साथ कि जब वास्तविक समस्या आई तो उसका शिकार गांव नहीं वह झूठ डराने वाला ही बना।

धीमी न्यायिक प्रक्रिया के विकल्प पर सोचना होगा

उलेमा बनाम उत्तरी दिल्ली मामले पर सुनवाई के दौरान जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां की थीं, इस मामले पर आए फैसले का अंदेशा उनसे हो गया था। सबसे बड़ी अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी रोक तो नहीं लगाई है, लेकिन इसके लिए मानक प्रक्रिया बनाकर राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के हाथ जरूर बांध दिए हैं। जैसा कि हर फैसले के साथ होता है, हर पक्ष अपने-अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहा है। बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से इनकार हो जाता है। देर है पर अंधेर नहीं की सोच भी उबाऊ और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के सामने धुंधली होते-होते समाप्त हो जाती है। इसी घुमावदार और लंबी-धीमी न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प बनकर बुलडोजर न्याय उभरा था। राज्य सरकारों ने इसे त्वरित न्याय के साधन के तौर पर अपनाया और देखत ही देखते अपराधमुक्त समाज की चाहत रखने वालों की चहेती बन बैठीं। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई की मानक प्रक्रिया बनाते हुए त्वरित न्याय के विकल्प या न्यायिक प्रक्रिया की घुमावदार गलियों को पूरी तरह नजरंदाज किया है। यही वजह है कि इस फैसले के बाद अपराधियों, गैंगस्टरों, असामाजिक तत्वों के उभार को लेकर समाज का एक बड़ा वर्ग सशंकित हो उठा है। देश की सबसे बड़ी अदालत होने के चलते सुप्रीम कोर्ट को इस सामाजिक सोच का भी संज्ञान लेना चाहिए और उसे भी आश्वस्त करना चाहिए कि उसके फैसले के बावजूद किसी गैंगस्टर, कोई अपराधी या समाज विरोधी तत्व को कमजोर तबके की जमीनों या सार्वजनिक संपत्तियों के अतिक्रमण का हक नहीं मिल जाता। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तरी दिल्ली के एक मामले में दिया है। अप्रैल 2022 में दिल्ली के जहांगीर पुरी में रामनवमी के दिन निकले जुलूस पर एक मस्जिद और उस इलाके से जुलूस पर हुए पथराव और उससे उपजी हिंसा के ज्वाब में दिल्ली नगर निगम ने अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई को सांप्रदायिक कार्रवाई का रंग देते हुए सेकुलर धारा के दिग्गज वकीलों मसलन कपिल सिब्बल आदि ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। भले ही सुनवाई इसी मामले की होती रही, लेकिन संदेश ऐसा गया मानो उत्तर प्रदेश की सरकार की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुनवाई हो रही है। इसकी वजह यह रही कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने त्वरित न्याय के विकल्प के रूप में इसे अपनाया। तब उत्तर प्रदेश सरकार को लेकर यह छवि बनाई गई कि वह सिर्फ अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम तबकों के खिलाफ ही बुलडोजर कार्रवाई करती है। जबकि योगी सरकार ने बिरादरी से ब्राह्मण लेकिन कर्म से माफिया और गैंगस्टर विकास दुबे के खिलाफ भी इस कार्रवाई को किया। भदोही के बिरादरी से पंडित गैंगस्टर और राजनेता विजय मिश्रा की अतिक्रमित संपत्तियां भी उत्तर प्रदेश सरकार के निशाने पर रहीं। लेकिन प्रचारित सिर्फ अतीक, मुख्तार जैसे मुस्लिम दबंगों और माफियाओं की संपत्तियों के खिलाफ हुई कार्रवाई ही की जाती रहीं। इस बहाने त्वरित न्याय के इस सरकारी विकल्प को हिंदुत्ववादी राजनीतिक दर्शन का ना सिर्फ नतीजा बताया गया, बल्कि यह नैरेटिव स्थापित कर दिया गया। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर आम लोगों के बीच संदेश यही गया है कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ आया फैसला है। बुलडोजर कार्रवाई को लेकर प्रचारित सिर्फ योगी सरकार रही, लेकिन अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आंध्र, तेलंगाना, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि सरकारों ने भी की है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले सात सालों में करीब 2000 अवैध अतिक्रमण बुलडोजर कार्रवाई में ढहाए गए।

बाजारीकरण की भेंट चढ़े हमारे सामाजिक त्यौहार

हिंदुस्तान त्योहारों का देश है। त्यौहार हमको सामाजिक और संस्कारिक रूप से जोड़ने का काम करते हैं। हमारी सांस्कृतिक और संस्कारिक एकता ही भारत की अखंडता का मूल आधार है।ह्व व्रत-त्यौहारों के दिन हम देवताओं का स्मरण करते हैं, व्रत, दान तथा कथा श्रवण करते हैं, जिससे व्यक्तिगत उन्नति के साथ सामाजिक समरसता का संदेश भी समाज में पहुँचता है। इसमें ही भारतीय संस्कृति के बीज छिपे हैं।ह्व हमारे सामाजिक जीवन में कुछ ऐसे दिन आते हैं जिनसे मात्र एक व्यक्ति, या परिवार ही नहीं वरन पूरा समाज आनंदित और उल्लासित होता है। भारत को यदि पर्व-त्योहारों का देश कहा जाए तो उचित होगा।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

कृषि प्रधान होने के कारण प्रत्येक ऋतु-परिवर्तन हंसी-खुशी मनोरंजन के साथ अपना-अपना उपयोग रखता है। इन्हीं अवसरों पर त्यौहार का समावेश किया गया है, जो उचित है। प्रथम श्रेणी में वे व्रतोत्सव, पर्व-त्यौहार और मेले है, जो सांस्कृतिक हैं और जिनका उद्देश्य भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों और विचारों की रक्षा करना है। इस वर्ग में हिन्दूओं के सभी बड़े-बड़े पर्व-त्यौहार आ जाते है, जैसे-होलिका-उत्सव, दीपावली, बसन्त, श्रावणी, संक्रान्ति आदि। संस्कृति की रक्षा इनकी आत्मा है। दूसरी श्रेणी में वे पर्व-त्यौहार आते है, हिन्हें किसी महापुरूष की पुण्य स्मृति में बनाया गया है। जिस महापुरूष की स्मृति के ये सूचक है, उसके गुणों, लीलाओं, पावन चरित्र, महानताओं को स्मरण रखने के लिए इनका विधान है। इस श्रेणी में रामनवमी, कृष्णाष्टमी, भीष्म-पंचमी, हनुमान-जयंती, नाग-पंचमी आदि त्यौहार रखे जा सकते हैं। यानि यहाँ हर दिन में एक त्यौहार अवश्य पड़ता है। अनेकता में एकता की मिसाल इसी त्यौहार पर्व के अवसर पर देखी जाती है। रोजमर्रा की भागती-दौड़ती, उलझनों से भरी हुई ऊर्जा प्रधान हो चुकी, वीरान-सी बनती जा रही जिन्दगी में ये त्यौहार ही व्यक्ति के लिए सुख, आनंद, हर्ष एवं उल्लास के साथ ताजगी भरे पल लाते हैं। यह मात्र हिंदू धर्म में ही नहीं वरन् विभिन्न धर्मों, संप्रदायों पर लागू होता है। वस्तुतः ये पर्व विभिन्न जन समुदायों की सामाजिक मान्यताओं, परंपराओं और पूर्व संस्कारों पर आधारित होते हैं। सभी त्यौहारों की अपनी परंपराएँ, रीति-रिवाज होते हैं। ये त्यौहार मानव जीवन में करुणा, दया, सरलता, आतिथ्य सत्कार, पारस्परिक प्रेम, सद्भावना, परोपकार जैसे नैतिक गुणों का विकास कर मनुष्य को चारित्रिक एवं भावनात्मक बल प्रदान करते हैं। भारतीय संस्कृति के गौरव एवं पहचान ये पर्व, त्यौहार सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से अति महत्त्वपूर्ण हैं। सामाजिक त्यौहार और अंतर-विद्यालय सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास और पारस्परिक कौशल के निर्माण में सहायता करने के लिए अद्भुत अवसर प्रदान करते हैं। पारस्परिक कौशल में दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने और बातचीत करने की क्षमता शामिल है और आत्मविश्वास स्वयं और स्वयं की क्षमताओं में विश्वास है, जो दोनों दूसरों के साथ सकारात्मक सम्बंध बनाने के लिए आवश्यक हैं। इस लेख में, हम कुछ तरीकों पर गौर करेंगे कि ये आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास और पारस्परिक कौशल को बनाने में कैसे मदद करते हैं। सामाजिक त्यौहार विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं के संपर्क में लाते हैं, जो उनके क्षितिज को व्यापक बना सकते हैं और उन्हें दूसरों के प्रति सहानुभूति और समझ विकसित करने में मदद कर सकते हैं। नए दोस्त और संपर्क बना सकते हैं, जो समुदाय से अधिक जुड़ाव महसूस करने और अपनेपन की भावना विकसित करने में मदद कर सकते हैं। ये आयोजन इसे विकसित करने का एक शानदार तरीका है क्योंकि वे बहुत सारे लोगों को एक साथ लाते हैं और इस तरह एकता और भाईचारे की भावना पैदा करते हैं। ये जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के प्रति अधिक स्वीकार्य, सहिष्णु और समावेशी होना सिखाते हैं। बाजारीकरण ने सारी व्यवस्थाएँ बदल कर रख दी है। हमारे उत्सव-त्योहार भी इससे अछूते नहीं रहे। शायद इसीलिए प्रमुख त्यौहार अपनी रंगत खोते जा रहे हैं और लगता है कि हम त्यौहार सिर्फ. औपचारिकताएँ निभाने के लिए मनाये जाते हैं। किसी के पास फुरसत ही नहीं है कि इन प्रमुख त्योहारों के दिन लोगों के दुख दर्द पूछ सकें। सब धन कमाने की होड़ में लगे हैं। गंदी हो चली राजनीति ने भी त्योहारों का मजा किरकिरा कर दिया है। हम सैकड़ों साल गुलाम रहे। लेकिन हमारे बुजुर्गों ने इन त्योहारों की रंगत कभी फीकी नहीं पड़ने दी। आज इस अर्थ युग में सब कुछ बदल गया है। कहते थे कि त्यौहार के दिन न कोई छोटा और न कोई बड़ा। सब बराबर। लेकिन अब रंग प्रदर्शन भर रह गये हैं और मिलन मात्र औपचारिकता। हम त्यौहार के दिन भी हम अपनो से, समाज से पूरी तरह नहीं जुड़ पाते। जिससे मिठाइयों का स्वाद कसैला हो गया है। बात तो हम पूरी धरा का अँधेरा दूर करने की करते हैं, लेकिन खुद के भीतर व्याप्त अंधेरे तक को दूर नहीं कर पाते। त्योहारों पर हमारे द्वारा की जाने वाली इस रस्म अदायगी शायद यही इशारा करती है कि हमारी पुरानी पीढ़ियों के साथ हमारे त्यौहार भी विदा हो गये। हमारे पर्व त्यौहार हमारी संवेदनाओं और परंपराओं का जीवंत रूप हैं जिन्हें मनाना या यूँ कहें की बार-बार मनाना, हर साल मनाना हर समाज बंधु को अच्छा लगता है। इन मान्यताओं, परंपराओं और विचारों में हमारी सभ्यता और संस्कृति के अनगिनत सरोकार छुपे हैं। जीवन के अनोखे रंग समेटे हमारे जीवन में रंग भरने वाली हमारी उत्सवधर्मिता की सोच मन में उमंग और उत्साह के नये प्रवाह को जन्म देती है। हमारा मन और जीवन दोनों ही उत्सवधर्मी है। हमारी उत्सवधर्मिता परिवार और समाज को एक सूत्र में बाँधती है। संगठित होकर जीना सिखाती है। सहभागिता और आपसी समन्वय की सौगात देती है। हमारे त्योहार, जो हम सबके जीवन को रंगों से सजाते हैं, सामाजिक त्यौहार एक अनूठा मंच प्रदान करते हैं इनमे साथियों के साथ सहयोग करने, मिलने और सामूहीकरण करना, अपनी प्रतिभा दिखाने और विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं के बारे में सिखाने और सीखने की क्षमता होती है। ये कौशल हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा हैं और अक्सर हमारे जीवन के लगभग सभी पहलुओं के मूल में होते हैं। इसलिए, वर्तमान समय में इनकी प्रासंगिकता का जहाँ तक प्रश्न है, व्रत-त्यौहारों के दिन हम उक्त देवता को याद करते हैं, व्रत, दान तथा कथा श्रवण करते हैं जिससे व्यक्तिगत उन्नति के साथ सामाजिक समरसता का संदेश भी दिखाई पड़ता है। इसमें भारतीय संस्कृति के बीज छिपे हैं।ह्व पर्व त्यौहारों का भारतीय संस्कृति के विकास में अप्रतिम योगदान है। भारतीय संस्कृति में व्रत, पर्व-त्यौहार उत्सव, मेले आदि अपना विशेष महत्त्व रखते हैं। हिंदुओं के ही सबसे अधिक त्यौहार मनाये जाते हैं, कारण हिन्दू ऋषि-मुनियों के रूप में जीवन को सरस और सुन्दर बनाने की योजनाएँ रखी है। प्रत्येक पर्व-त्यौहार, व्रत, उत्सव, मेले आदि का एक गुप्त महत्त्व हैं। प्रत्येक के साथ भारतीय संस्कृति जुडी हुई है। वे विशेष विचार अथवा उद्देश्य को सामने रखकर निश्चित किये गये हैं। मूल्यों को पुनः प्रतिष्ठा के लिए मूल्यपरक शिक्षा की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया है।

महाराष्ट्र नहीं अब मणिपुर की फिक्र कीजिये माई-बाप

इससे पहले भी देश ने अरुणाचल, असम, नागालैंड में ऐसे ही दौर देखे हैं, लेकिन तत्कालीन सरकारों ने इन सभी समस्याओं को निबटाया। आज की सरकार तो मणिपुर के मामले में पूरी तरह से नाकाम हुई है। जम्मू-काश्मीर और केरल को लेकर कश्मीर फाइल और केरल फाइल जैसी फिल्में बनाने वाले विवेक अग्निहोत्री जैसे फिल्म निमार्ता मणिपुर का सच और सरकार की नाकामी पर फिल्म बनाने का साहस जुटा नहीं पा रहे हैं। देश कि सांसद 25 नवंबर से फिर बैठने वाली ह। देखना है कि सरकार किस मुंह से इस सांसद में मणिपुर को लेकर बोलती है?

राकेश अचल
लेखक

हे ईश्वर ! आप भाजपा को बिना किसी अवरोध के झारखण्ड और महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव जितवा दीजिये ताकि केंद्र की सरकार इन दोनों राज्यों की फिक्र छोड़कर डेढ़ साल से भस्मीभूत हो रहे मणिपुर को राख होने से बचा सके। मणिपुर में हालात जम्मू- काश्मीर से भी ज्यादा भयावह और अकल्पनीय हो चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गत गुरुवार 14 नवंबर, को मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के मद्देनजर पांच जिलों में छह पुलिस थानों की सीमाओं को अशांत क्षेत्र घोषित करते हुए सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (एएफएसपीए) को फिर से लागू कर दिया है। केंद्र की मशीनरी वोट पाने के लिए महाराष्ट्र में गड़े मुर्दे उखाड़ रही है तो झारखण्ड के आदिवासियों को खुश करने के लिए दिल्ली में सूफी संत काले खान के नाम पर बनी सराय पर बिरसा मुंडा का नाम चस्पा कर रही है। चुनाव जीतने के लिए केंद्र को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को हैलीकाप्टर से उड़ने की इजाजत नहीं दी जा रही है, तो धड़ाधड़ ईडी के छापों के जरिये मतदाताओं को हड़काने की कोशिश की जा रही है, लेकिन मणिपुर की फिक्र किसी को नहीं है। जम्मू-कश्मीर की फिक्र वहां विधानसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा पहले ही छोड़ चुकी है। महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनावी शोरगुल में मणिपुर की आग और वहां की जनता की चीख-पुकार किसी को सुनाई ही नहीं दे रही। अब तो ऐसा लगने लगा है कि मणिपुर इस देश का हिस्सा है ही नहीं और यदि है तो ठीक वैसे ही है जैसे किसी जमाने में रूस में साइबेरिया होता था। आपको बता दें कि जो सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (एएफएसपीए)मणिपुर में लागू किया गया है वो सशस्त्र बलों को बेलगाम शक्ति देता है, स्थानीय जनता शुरू से इस अधिनियम के खिलाफ रही है। जहां तक मुझे याद है कि अप्रैल 2022 में मणिपुर सरकार की ओर से बेहतर सुरक्षा स्थिति और आम जनता के बीच सुरक्षा की बड़ी भावना के बीच इन क्षेत्रों से हटा लिया गया था. अब स्थिति बिगड़ने पर इसे फिर से लागू किया गया है. नया आदेश 31 मार्च, 2025 तक प्रभावी रहेगा। पता नहीं क्यों देश के प्रधानमंत्री मणिपुर जाने से कतरा रहे है। उन्हें दरअसल चुनावों से ही फुरसत कहाँ मिल रही है? पहले जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव, फिर महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव और इनसे फारिग होते ही बिहार और दिल्ली विधानसभा के चुनावों में उन्हें लगना है। हमारी सरकार ये हकीकत समझने के लिए तैयार ही नहीं है कि मणिपुर को सशत्र बलों की नहीं बल्कि उन नारेबाजों कि जरूरत है जो इस समय महाराष्ट्र और झारखण्ड में बंटोगे तो काटोगे या एक रहोगे तो सेफ रहोगे का आव्हान करते घूम रहे हैं। मणिपुर की तरह महाराष्ट्र और झारखण्ड में सुरक्षा इतनी बड़ी समस्या नहीं है। प्रधानमंत्री जी और उत्तर प्रदेश के अग्निमुखी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में यदि जरा भी साहस है, विवेक है, बुद्धि है तो उन्हें तत्काल महाराष्ट्र और झारखण्ड कि चिंता छोड़कर मणिपुर कूच करना चाहिए। महाराष्ट्र और झारखण्ड में नेताओं के आगे-पीछे घूमने वाला मीडिया भी प्रधानमंत्री और योगी आदित्यनाथ की तरह मणिपुर जाने से घबड़ाता है। हमारा बहादुर मीडिया यूक्रेन युद्ध कव्हर करने जा सकता है। अमेरिका के रष्ट्रपति चुनाव का कव्हरेज करने जा सकता है, इजराइल-लेबनान युद्ध दिखने जा सकता है, लेकिन मणिपुर नहीं जा सकत। हिमत ही नहीं है किसी में। आपको किसी टीवी चैनल ने शायद ही ये खबर दी हो कि मणिपुर के जिरीबाम जिले में पांच दिन पहले 11 नवंबर को सैनिकों की वर्दी पहनकर आए उग्रवादियों ने एक पुलिस थाने और निकटवर्ती सीआरपीएफ शिविर पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 11 संदिग्ध उग्रवादी मारे गए थे। इस एनकाउंटर के अगले दिन यानी 12 नवंबर को सशस्त्र आतंकवादियों ने जिले से महिलाओं और बच्चों सहित छह नागरिकों को अगवा कर लिया। इस घटना के बाद से इलाके में तनाव और बढ़ गया है। 7 नवंबर से शुरू हुई हिंसा में कम से कम 14 लोग मारे गए हैं, जिनमें तीन पुरुष और महिलाएं शामिल है। हारकर हालात बिगड़ते देख केंद्र सरकार ने यहाँ पुराना कानून लागू करने का फैसला किय। सवाल ये है कि सरकार मणिपुर को लेकर जो नीति अपना रही है उससे क्या मणिपुर की हिंसा समाप्त हो जाएगी ? मणिपुर 3 मई 2023 से हिंसा की आग में जल रहा है। यानि मणिपुर को जलते हुए पूरे 18 महीने हो चुके हैं। इस हिंसा की वजह से करीब 50 हजार से ज्यादा लोग अपना घर छोड़कर राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। कुकी और मैतेई के बीच चल रहे इस जातीय संघर्ष में अब तक 200से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, लेकिन देश के प्रधनमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी को एक दिन के लिए भी मणिपुर जाने की फुरसत नहीं मिली, हालाँकि इस बीच वे तीसरी बार सत्ता में भी आ गए। दो बार रूस और यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने के लिए विदेश दौरे भी कर आये। लोकसभा में विपक्ष के नेता जब इस पद पर नहीं थे तब भी दो बार मणिपुर गए लेकिन उनके हाथ में सिवाय पीड़ितों के प्रति संवेदना जताने के कुछ था ही नही। हाँ उनके पास वो साहस जरूर था जिसका नितांत अभाव महाबली प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी और देश के गृहमंत्री श्रीमान अमित शाह जी में बहुत ज्यादा है। तकलीफ इस बात से भी है कि केंद्र मणिपुर की नाकारा सरकार को अभयदान देकर बैठी है सो अलग। केंद्र करे भी तो क्या करे सूबे की सरकार उसकी अपनी जो है। भारत में पूर्वोत्तर राज्यों में अशांति कोई नया मामला है।

ट्रंप की नीतियां हिंदुओं पर सर्वाधिक भारी

हरिशंकर व्यास

दुनिया के अधिकतर सभ्य, विकसित और लोकतांत्रिक देशों में जिस एक कौम को सबसे ज्यादा सम्मान और प्रेम के साथ स्वीकार किया जा रहा था, जिसे कोई दूसरी कौम अपने लिए खतरे की तरह नहीं देखती थी वह हिंदू कौम थी। लेकिन पिछले 10 साल में क्या हुआ है? पूरी दुनिया में हिंदुओं के प्रति घृणा बढ़ी है। उनके खिलाफ हेट स्पीच बढ़े हैं और उनको निशान बनाने की घटनाएं बढ़ी हैं। अमेरिका में, जहां लगभग 45 लाख भारतीय आबादी बताई जाती है, और जिसमें अधिकांश हिंदू हैं वहां भी हिंदुओं का जीवन मुश्किल हुआ है। भारत में चल रही जातीय व धार्मिक बहस वहां तक जा पहुंची है। पिछले साल कैलिफोर्निया स्टेट में जातिगत भेदभाव को रोकने का विधेयक लाया गया था। यह विशुद्ध रूप से भारत को निशाना बनाने वाला विधेयक था। इसकी शुरूआत अमेरिका की टेक्नोलॉजी कंपनी सिस्को और उसके दो इंजीनियरों के खिलाफ एक भारतीय नागरिक के साथ जाति के आधार पर भेदभाव करने के मामले से हुई थी। इस मुकदमे के आधार पर जातिगत भेदभाव रोकने का बिल आया। इसके खिलाफ कैलिफोर्निया के हिंदू समूहों ने प्रदर्शन भी किया। इसके बावजूद राज्य विधानसभा से यह बिल पास हो गया। बाद में कोलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने इसे वीटो करके रोक दिया। हालांकि इसके बावजूद पूरे अमेरिका में इसकी व्यापक कवरेज हुई, जिसमें हिंदू समाज निशाने पर था। चौतरफा बदनामी हुई। भले कारोबारी स्तर पर हिंदुओं की पूछ बढ़ी है लेकिन एक समाज और संस्कृति के तौर पर उनकी बदनामी हुई है। चाहे जाति का मामला हो, भारत में धर्म के आधार पर होने वाले विभाजन का मामला हो या खालिस्तान का मामला हो हर बार अमेरिका में हिंदू निशाने पर आए। कट्टरपंथी गोरों के साथ साथ अपने ही देश के सिख और दूसरे कई देशों के मुस्लिम उनको दुश्मन की तरह देखने लगे। आने वाले दिनों में हिंदुओं की मुश्किल और बढने. वाली है क्योंकि राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप जो नीतिगत फैसले करने वाले हैं उनमें से कई फैसलों का शिकार हिंदू होंगे। ट्रंप नागरिकता देने वाले कानून में बदलाव करेंगे, और केवल ग्रीन कार्डधारक के बच्चों को ही जन्म से तब नागरिकता मिलेगी। इसका नुकसान 10 लाख भारतीयों को होने वाला है। अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए ट्रंप सख्त कानून ला रहे हैं तो पहले से रह रहे अवैध प्रवासियों को निकालने के लिए दो सौ साल से ज्यादा पुराने कानून का सहारा लेंगे। इस कानून के तहत सरकार 14 साल से ज्यादा उम्र के किसी भी व्यक्ति को अवैध प्रवासन के आधार पर देश से निकाल सकती है। इसका भी नुकसान भारतीय हिंदुओं को अधिक होगा। सोचें, अच्छे दिन की उम्मीद में 2014 में भारत के हिंदुओं ने जो सरकार बनाई थी उसका क्या हासिल है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात से सबसे बड़ी संख्या में हिंदू भाग रहे हैं। वे अमेरिका, कनाडा जा रहे हैं। गुजरात और पंजाब से लोग जहाज भर कर लैटिन अमेरिकी देशों में जाते हैं और वहां से डंकी रूट से कनाडा और अमेरिका में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रयास में इस साल अभी तक एक सौ भारतीय नागरिक मरे हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं। हर घंटे अमेरिका की सीमा पर 10 भारतीय अवैध रूप से अमेरिका में घुसने की कोशिश में पकड़े जा रहे है, इनमें पांच गुजराती होते हैं। इस साल अब तक 90 हजार से ज्यादा लोग पकड़े जा चुके हैं। अमेरिका में अवैध प्रवासियों को पकडने. और निकालने का अभियान जोर पकड़ेगा, तो मेक्सिको के नागरिकों के बाद सबसे बड़ा शिकार हिंदू होंगे। अमेरिका हो या कनाडा दोनों जगह हिंदू पीटे जा रहे हैं, अपमानित हो रहे हैं और निकाले जा रहे हैं। सोचें, 10 साल में कहां से कहां पहुंच गए! 10 साल पहले इस तरह से देश के अमीर, गरीब और मध्य वर्ग के लोग भागते हुए नहीं थे। उनमें देश छोड़ कर दूसरे देश की नागरिकता लेने की होड़ नहीं मची थी। लेकिन पिछले 10 साल में 12 लाख से ज्यादा लोग भारत की नागरिकता छोड़ कर दूसरे देश की नागरिकता ले चुके हैं। सवाल है कि 10 साल में देश में ऐसा क्या हो गया, जिसकी वजह से लोग देश छोड़ कर भागना चाह रहे हैं? या तो वे बेहतर जीवन की तलाश में जा रहे हैं या अपनी और अपने बच्चों के भविष्य और उनकी सुरक्षा की चिंता से जा रहे है?भारत में ट्रंप की जीत की खुशी मनाई जा रही है ।

संक्षिप्त खबरें

मंत्री की कंपनी के एकाउंटेंट से दो करोड़ रुपये से अधिक की ठगी

प्रयागराज, । उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता की कंपनी के एकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव से साइबर अपराधियों ने दो करोड़ आठ लाख रुपये ठग लिए। श्रीवास्तव की तहरीर पर साइबर थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 319 (2), 318 (4) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66सी तथा 66 डी के तहत बृहस्पतिवार को मामला दर्ज किया गया। इकावो एग्रो डेली प्राइवेट लिमिटेड में बतौर एकाउंटेंट कार्यरत श्रीवास्तव ने बताया कि यह मंत्री नंद गोपाल गुप्ता की कंपनी है जिसका कार्यभार उनके बेटे अभिषेक गुप्ता देखते हैं। श्रीवास्तव की तहरीर के मुताबिक, 13 नवंबर को उनके व्हाट्सऐप पर एक नंबर से संदेश आया। उस नंबर पर अभिषेक गुप्ता की प्रोफाइल फोटो लगी थी। संदेश में लिखा था कि यह नया नंबर है और प्रस्तावित आवश्यक बैठक के लिए आवश्यक जानकारी मांगी गई। उन्होंने अपनी तहरीर में कहा कि उन्होंने कंपनी के निदेशक अभिषेक गुप्ता का निर्देश मानकर कंपनी के एकाउंट से संबंधित जानकारी उस नंबर पर साझा की, जिसके बाद बैठक में ह्यबिजनेस डीलह्ल तय होने की बात कहते हुए तत्काल 68 लाख रुपये एक व्यक्ति को भेजने को कहा गया जिसके लिए खाते का विवरण भी भेजा गया। तहरीर के मुताबिक, इसके बाद सौदे का उल्लेख करते हुए दो अलग-अलग खातों में क्रमशः 65 लाख रुपये और 75 लाख रुपये भेजने को कहा गया। निदेशक का निर्देश मानकर यह धनराशि भेज दी गई।

महाकुंभ मेले में अखाड़ों के लिए भूमि आवंटन प्रक्रिया शुरू

यागराज, । संगम की रेती पर बसने जा रही कुंभ नगरी में सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक साधु-संन्यासियों के अखाड़ों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके बाद अन्य संस्थाओं को भूमि आवंटित की जाएगी। अपर मेलाधिकारी विवेक चतुवेर्दी ने बताया कि प्रयागराज मेला प्राधिकरण, अखाड़ा परिषद और सभी अखाड़ों के प्रतिनिधियों से मिलकर परंपरा के अनुसार भूमि आवंटन का कार्य किया जा रहा है। प्राधिकरण ने कहा है कि किसी भी सूरत में अखाड़ों को पिछले कुंभ से कम भूमि नहीं दी जाएगी। चतुवेर्दी ने बताया कि भूमि आवंटन का कार्य सभी अखाड़ों की सहमति से 18 और 19 नवंबर को पूरा कर लिया जाएगा तथा प्राधिकरण के अधिकारी अखाड़ा परिषद और अन्य सभी अखाड़ों के प्रतिनिधियों से अलग-अलग वार्ता कर इस प्रक्रिया को अंतिम रूप दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि परंपरा के अनुसार अखाड़ों को भूमि आवंटन के बाद ही अन्य संस्थाओं को भूमि देने की प्रक्रिया शुरू होगी। चतुवेर्दी ने कहा कि चारों पीठों के शंकराचार्यों और दंडी स्वामियों को भी परंपरा के अनुसार ही शिविर लगाने के लिए भूमि प्रदान की जाएगी। अपर मेलाधिकारी ने कहा कि महाकुंभ के दौरान मेला प्राधिकरण समय-समय पर साधु-संतों की आवश्यकता के मुताबिक सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

गोवंशीय पशुओं के अवशेष बरामद होने के मामले में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

हसनपुर। हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव आगापुर उर्फ याकूबपुर के आम के बाग में गोवंशीय पशुओं का वध करने के मामले में अज्ञात पशु तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। उधर, बजरंग दल ने 24 घंटे के भीतर घटना का खुलासा न होने पर गजरौला मार्ग जाम करने की चेतावनी दी है। शुक्रवार दोपहर बाद आगापुर के ग्रामीण गजरौला मार्ग से होते हुए लिंक मार्ग से अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान गांव निवासी चमन पुत्र शंकर के आम के बाग में कई कुत्ते मिट्टी हटाकर पशुओं के अवशेष खा रहे थे। पास में फिनाइल की खाली शीशी पड़ी हुई थी। ग्रामीणों को शक हुआ तो उन्होंने गांव में खबर कर दी। तमाम लोग मौके पर पहुंच गए। देखा तो मौके पर सूखा हुआ खून व पशुओं का गोबर आदि अवशेष पड़ा हुआ था। इसी बीच कई ग्रामीणों ने दबी जुबान बताया कि बुधवार रात पशु तस्करों ने चार पशुओं का वध किया था। गुरुवार शाम खबर लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की बजाए मामले को छिपाने में जुट गई। आनन-फानन में अवशेष आम के बाग में मिट्टी में दबाने के बाद बदबू फैलने से रोकने के लिए ऊपर से फिनाइल छिड़क दिया। लेकिन, शुक्रवार को कुत्तों ने मिट्टी को खोदते हुए पूरा भेद खोल दिया। खबर लगते ही बजरंग दल के जिला सह संयोजक वीरेंद्र शर्मा कार्यकताओं के संग मौके पर पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस पर कार्रवाई की बजाए मामले को दबाने का आरोप लगाया। पुलिस ने गड्ढे खोदे तो कई पशुओं के अवशेष बरामद हुए। प्रभारी निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बरामद अवशेषों की जांच कराई जा रही है। अज्ञात पशु तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उधर, बजरंग दल कार्यकताओं ने चेतावनी दी है कि 24 घंटे के भीतर घटना का खुलासा नहीं हुआ तो मार्ग जाम कर देंगे।

भाजपा के लिए राजनीति सेवा का मिशन, सपा के लिए व्यवसाय है : योगी आदित्यनाथ

प्रात: किरण, संवाददाता

प्रयागराज,। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए राजनीति, सेवा का मिशन है, जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लिए राजनीति अपने कारनामों को अंजाम देने, अराजकता, गुंडागर्दी फैलाने, दंगा कराने और कर्फ्यू लगाने का एक व्यवसाय है। प्रयागराज के फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के कसेरुआ में उपचुनाव के तहत एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, सपा और बसपा को इन कारनामों को करने का सर्टिफिकेट नहीं देना चाहिए.. इनके प्रत्याशियों की जमानत जब्त होनी चाहिए। भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, समाजवादी पार्टी राम मंदिर का विरोध करती है, दीपोत्सव, देव दीपावली, परीक्षाओं की शुचिता, विकास कार्यों और यहां तक कि गरीब कल्याणकारी योजनाओं का विरोध करती है। यह केवल बांटने की राजनीति में विश्वास करती है। मुख्यमंत्री ने कहा, अयोध्या में 500 वर्षों का इंतजार हमें इसलिए करना पड़ा था क्योंकि हम बंटे थे। काशी और मथुरा में हमें अपमान इसलिए झेलना पड़ा क्योंकि हम बंटे थे। जब बंटे थे तो कटे थे। भारत में आज सबसे बड़ी चुनौती जाति के नाम पर बांटने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी का विकास से कोसों दूर तक रिश्ता नहीं है। इनका एक ही सिद्धांत है सबका साथ, सैफई परिवार का विकास। इससे ऊपर ये सोच भी नहीं सकते। योगी आदित्यनाथ ने कहा, हमने पहले ही दिन कहा था कि उत्तर प्रदेश की धरती को दंगामुक्त बनाएंगे, नकल माफिया, खनन माफिया, पशु माफिया आदि से सख्ती से निपटेंगे। इन पर कार्रवाई से सपा को बहुत पीड़ा होती है। सभी दुर्दांत माफिया सपा के गले के हार हैं। उन्हीं से इनकी आजीविका चलती है। उन्हीं के भरोसे ये जीते हैं। यहां लोक सेवा आयोग के खिलाफ चले छात्र आंदोलन के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा, प्रतियोगी परीक्षाएं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न हों, इसके लिए माहौल सरकार भी बनाएगी और चयन बोर्ड और आयोग भी इसके लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। अच्छे नौजवान जब सेवा में आएंगे तो विकास की गति बढ़ाएंगे और गरीबों के लिए शासन की योजनाएं उन तक पहुंचाने में मदद करेंगे।ह्व योगी आदित्यनाथ ने मंच पर मौजूद जया पाल (उमेश पाल की पत्नी) और पूजा पाल (राजू पाल की पत्नी) की ओर इशारा करते हुए कहा कि इनके साथ जब अत्याचार हुआ था तो कोई पूछने वाला नहीं था। उल्लेखनीय है कि बसपा विधायक राजू पाल की दिन दहाड़े प्रयागराज में हत्या कर दी गई थी और इस मामले में मुख्य गवाह उमेश पाल की भी दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इन दोनों हत्याओं में मुख्य आरोप सपा नेता अतीक अहमद पर था। योगी आदित्यनाथ ने कहा, समाजवादी पार्टी से जुड़े दुर्दांत माफिया आम लोगों की हत्या भी करते थे और संपत्तियों पर भी कब्जा करते थे।

श्री गुरुद्वारा सिंह सभा की नई कार्यकारिणी का भी हुआ गठन, युवाओं के हाथों में सौंपी कमान

प्रात : किरण, संवाददाता

स्योहारा। स्योहारा के श्री गुरुद्वारा सिंह सभा में सिख समाज की ओर से श्री गुरु नानक देव जी का 555 वां प्रकाशोत्सव बड़े ही उत्साह पूर्वक एवं हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया।गुरूद्वारे में कीर्तन हुआ और दीवान भी सजाया गया। शबद कीर्तन सुनकर मौजूद संगत निहाल हो गई। इस दौरान गुरुद्वारे में उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए लंगर का भी आयोजन किया गया। जो कि देर शाम तक जारी रहा।गुरुद्वारे में हजारों की संख्या में पहुंची संगत ने माथा टेका। इस अवसर पर हजूरी रागी जत्था गुरुद्वारा बांग्ला साहिब दिल्ली ने शबद कीर्तन किया और बीबी सुरेंद्र कौर खालसा ने कीर्तन किया जिसको सुनकर संगत निहाल हुई। श्री गुरुद्वारा में हुए प्रकाश उत्सव समारोह में वक्ताओं ने गुरुनानक जी के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला और उनको प्रेरणा स्त्रोत बताते हुए उनके द्वारा बताए गए इंसानियत भरे मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस मौके पर स्योहारा के सिख समाज ने श्री गुरुद्वारा सिंह सभा की नई कार्यकर्णिका गठन भी कराया और कार्यकारिणी की कमान युवाओं के हाथों में सौंपी। श्री गुरुद्वारा सिंह सभा के नई कार्यकारिणी में संरक्षक डॉक्टर एच. एस. कालरा ,प्रधान मनप्रीत सिंह उर्फ मनु,सेक्रेटरी सिमरनदीप सिंह उर्फ हेम, प्रबन्धक जगदीप सिंह उर्फ आशु,मीडिया प्रभारी लवजीत सिंह, स्टोर कीपर प्रवेंद्र सिंह तथा खजांची सरदार सतनाम सिंह, रविंदर सिंह मंच सेक्रेटरी बनाये गये।सभी नवनियुक्त पदाधिकारी ने अपनी जिम्मेदारी को पूरी तरह ईमानदारी और निष्ठा से निर्वाह करने की बात कही।प्रकाशोत्सव पर्व के मौके पर सरदार जसपाल सिंह कालरा, सरदार रविंदर सिंह, सरदार प्रीतम सिंह, सरदार प्रितपाल सिंह,सरदार सुरेंद्र सिंह खालसा, सरदार अरविंदर सिंह काका, सरदार गोल्डी, अमनदीप सिंह,तवलीन कौर (गुनीत) सिफटी कौर आदि मौजूद रहे।

88 वूथो पर होंगे भाजपा के वूथ अध्यक्षों के चुनाव, बनेगी कमेटी :अशोक बिश्नोई

प्रात : किरण, संवाददाता

रामपुर। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर नगर मंडल की बैठक संपन्न हुई, बैठक में भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री और सदस्यता अभियान के जिला सदस्यता प्रमुख अशोक बिश्नोई ने सभी सिविल लाइन मंडल के पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया और बैठक में कहा कि सभी को मंडल के सभी 88 बूथों पर बूथ अध्यक्ष के चुनाव कराने हैं और उनकी कमेटी बनानी है, बूथ अध्यक्ष का सक्रिय सदस्य होना अनिवार्य है और बूथ अध्यक्ष की कमेटी में महिला का होना भी अनिवार्य है, उसके बाद 20 नवंबर के बाद मंडल अध्यक्षों का चुनाव संपन्न कराया जाएगा, मंडल की बैठक में प्रमोद आहूजा, अर्जुन रस्तोगी, संजीव वर्मा, प्रभात अग्रवाल, आशु गुप्ता, राजीव लोचन, अनु सक्सेना, अशोक सैनी, दिनेश कश्यप, पूनम सागर, विशाल सैनी, पीयूष कुमार, डॉक्टर तेजवीर यादव, विवेक बिश्नोई ,विक्की सक्सेना, अरविंद ठाकुर, विनोद कश्यप, यशपाल यादव, अजय अरोड़ा, मलखान सिंह, गोपाल कश्यप, जमीर अहमद, आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिलेंडर हो गए थे चार साल पहले एक्सपायर, परिवार ने उठाई डीएनए टेस्ट की मांग

प्रात : किरण, संवाददाता

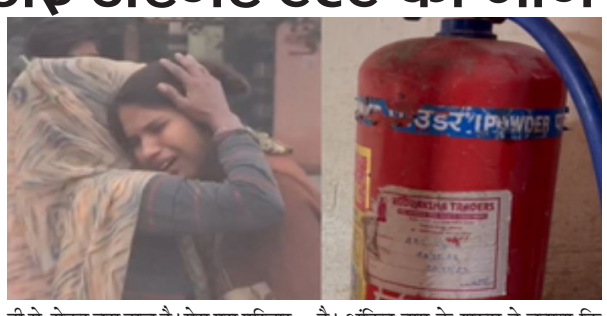

झांसी,। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में एनआईसीयू वार्ड में लगी आग ने 10 नवजातों की जान ले ली। इस हादसे के बाद अस्पताल की बड़ी लापरवाही सामने आई है। कुछ तस्वीरें सामने आई हैं जो मेडिकल कॉलेज प्रशासन की लापरवाही की ओर इशारा करती हैं। इसमें दिख रहा है कि मेडिकल कॉलेज में मौजूद फायर एक्सटिंग्विशर (आग बुझाने वाला सिलेंडर) एक्सपायर हो चुके थे। ये 2020 और 2023 में ही एक्सपायर हो गए और अस्पताल की ओर से इसे रिफिल भी नहीं कराया गया था। वहीं, 10 नवजातों की मौत से पीड़ित परिवार बेहाल है। डीएनए टेस्ट कराए जाने की मांग की जा रही है। उनका आरोप है कि जब आग लगी थी तो स्टाफ को बच्चों को निकालना चाहिए था। अपने शिशु को तलाशते पिता कुलदीप ने बताया कि मैंने खुद आग लगने के बाद चार से पांच बच्चों को बचाया है। हालांकि, मेरा खुद का बच्चा नहीं मिल रहा। मेरी मां और पत्नी का शुक्रवार रात से ही रो-रोकर बुरा हाल है। मेरा पूरा परिवार हादसे के बाद से काफी परेशान है और अभी तक किसी ने यह भी नहीं बताया है कि बच्चा मिलेगा या नहीं। एक डॉक्टर गाली दे रहा है कि मरने दो। एक महिला माया ने कहा कि अस्पताल में आग लगने के बाद से हमारे बच्चे का भी कुछ पता नहीं चल पाया है। इस घटना के बाद से अस्पताल में जाने नहीं दिया जा रहा है। मेरी बेटी का बच्चा अस्पताल में भर्ती था और उसे मशीन में रखा गया था। आग लगने की घटना की जानकारी उस समय पता चली, जब लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद लोगों ने खिड़की तोड़कर बच्चों को बाहर निकाला, हमारे बच्चे का अभी तक पता नहीं चल पाया है। अंकित नाम के शख्स ने बताया कि मेरे छोटे भाई का बेटा अस्पताल में भर्ती था। वह लगभग 7 महीने का था। हमें अनाउंसमेंट में बताया गया कि हमारे बच्चे की मौत हो गई है। हमारी मांग है कि डीएनए टेस्ट कराए जाएं। एक अन्य महिला ने इस घटना को लेकर अस्पताल पर सवाल उठाए हैं। उसने कहा कि हादसे के बाद से अस्पताल के अंदर जाने नहीं दिया गया है। हमारा बच्ची अभी भी लापता है और उसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। जानकारी के मुताबिक मेडिकल कॉलेज की भीषण आग में अभी तक 10 नवजातों की मौत की पुष्टि हुई है और करीब 45 को बचाया जा चुका है।

विकेन्द्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सामुदायिक कंपोस्टर का शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

गजरौला।अधिशासी अधिकारी दीपिका शुक्ला के निदेर्शानुसार नगर पालिका परिषद गजरौला एवं आइटीसी मिशन सुनहरा कल के संयुक्त तत्वाधान में पालिका के वार्ड 6 शिवपुरी, रेलवे स्टेशन रोड पर सामुदायिक नेतृत्व में विकेन्द्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सामुदायिक कंपोस्टर का अधिशासी अधिकारी दीपिका शुक्ला द्वारा फीता काटकर उसमे गीला कचरा डालकर शुभारंभ किया गया।जिससे सामुदायिक कंपोस्टर की सहायता से गीले कचरे का सामुदायिक स्तर पर निस्तारण खाद बनाकर किया जा सके। इस मोके पर नगर अध्यक्ष राजेन्द्री देवी उर्फ उमा देवी,पूर्व विधायक, व स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह स्वच्छता नोडल अधिकारी एवं स्वच्छता प्रभारी आदेश कुमार ,आइटीसी मिशन सुनहरा कल से अर्बन कॉर्डिनेटर शाहबाज अहमद,वार्ड सभासद, वार्ड सफाई नायक महेश कुमार,दीपू कुमार,कपील भटनागर, नदीम अहमद,अक्षय शुक्ला, शुभम सिंघल विभोर जिंदल, ऋतिक सिंघल आदि सभी लोग उपस्थित रहे।

नायाब अब्बासी डिग्री कालिज में मनाई गई महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती

● बिरसा मुंडा की जीवनी व्यापक देश भक्ति का सत्य उदहारणः महताब अमरोहवी

प्रातः किरण संवाददाता

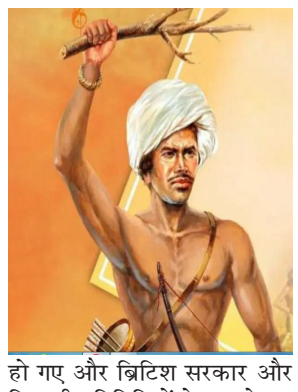

अमरोहा।नायाब अब्बासी डिग्री कालिज में महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती पूरी श्रद्धा से मनाई गई।इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में बोलते हुए प्राचार्या डा.लुबना हामिद ने कहा की बिरसा मुंडा को एक सम्मानित नेता के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने आदिवासी समुदायों को स्वतंत्रता के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया।उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को इलेहातु ,रांची (अब झारखंड) में एक मुंडा परिवार में हुआ था। उनका प्रारंभिक जीवन गरीबी में बीता प्रारम्भ में उन्होंने एक मिशनरी स्कूल में दाखिला लेने के लिए ईसाई धर्म अपना लिया। हालाँकि, चाईबासा में समय बिताने के बाद, वह राष्ट्रीय आंदोलन से प्रभावित हो गए और ब्रिटिश सरकार और मिशनरी गतिविधियों के आलोचक बन गए। चीफ प्रॉक्टर डा. महताब अमरोहवी ने कहा कि बिरसा मुंडा की जीवनी व्यापक देश भक्ति का सत्य उदहारण प्रस्तुत करते हुए उनके के जीवन और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विवरण प्रदान करती है।हमें उनकी जीवनी और संघर्षों से सीखने की आवश्यकता है।झारखंड का एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक समूह से उनका सीधा समबन्ध था है।वह ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और आदिवासी समुदायों के साथ अन्याय के खिलाफ प्रतिरोध में एक लोकप्रिय व्यक्ति के रूप में उभरे।तथा लम्बे समय तक संघर्ष करते रहे। ब्रिटिश शासन का डट कर विरोध किया और आदिवासी अधिकारों के लिए विद्रोह का नेतृत्व किया।उन्हों ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर को बिहार के जमुई में जनजातीय गुरु दिवस के दौरान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए 150 रुपये का स्मारक सिक्का और एक डाक टिकट जारी किया जो उनकी सेवाओं को याद कराती रहेगी । बिरसा मुंडा को अपनी जनजाति के रीति-रिवाजों और परंपराओं से शुरूआती परिचय का उनके जीवन और सोच पर गहरा प्रभाव पड़ा।वह आदिवासी लोगों की सामुदायिक जीवन शैली से बहुत प्रभावित थे,जहाँ हर कोई जीवन की खुशियों और कठिनाइयों में समान रूप से हिस्सा लेता था।न्याय और समानता के विचार ने बिरसा मुंडा को उस दुर्व्यवहार और अन्याय के खिलाफ खड़े होने के लिए प्रेरित किया जो उनके लोगों ने ब्रिटिश शासकों के हाथों झेला था। उन्होंने ब्रिटिश शासन को अपने समुदाय के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक ताने-बाने के लिए खतरे के रूप में देखा और इसका विरोध करने के लिए लोगों को एकजुट करने का प्रयास किया।उन का उद्देश्य झारखंड की विभिन्न जनजातियों को एक समान उद्देश्य के लिए एकजुट करना था। स्वतंत्रता और स्वशासन के उनके संदेश के लिए लोग उनकी आज भी प्रशंसा करते हैं। इस अवसर पर डा. नसीम अहमद , डा.अथर कमाल ,डा. मुबारक अली ,डा.तश्कील हैदर,डा. अंजलि पाठक ,डा. संगीता गुप्ता ,डा.रूचि अग्रवाल ,डा.फरह सिद्दीकी,उज्मा सैफी, अरमान सिद्दीकी ,डा. रेशमा जैदी ,जुनैद आलम पम्मी,रोमना आबिदी ,अर्चना शर्मा समेत सभी स्टाफ सदस्य उपास्थि थे।

गाजियाबाद सहित प्रदेश के 11 जिलों में बनेगा संयुक्त अभियोजन कार्यालय

प्रातः किरण संवाददाता

गाजियाबाद,। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। योगी सरकार ने गाजियाबाद सहित प्रदेश के 11 जिलों में नए संयुक्त अभियोजन कार्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया है। गाजियाबाद में इस कार्यालय के लिए ग्राम नूरनगर परगना लोनी में 0.1000 हेक्टेयर भूमि का आवंटन किया है। इस पहल से न केवल न्याय प्रणाली मजबूत होगी, बल्कि आम जनता का न्याय व्यवस्था में विश्वास भी बढ़ेगा। इसी के साथ, अपराधियों के मन में कानून का भय पैदा होगा। जो अपराध नियंत्रण में मदद करेगा। अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा अभियोजन निदेशालय के एडीजी दीपेश जुनेजा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच के तहत यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रभावी पैरवी के माध्यम से बड़ी संख्या में अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा गया है। नए कार्यालय की स्थापना से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आएगी और अपराधियों को कड़ी सजा सुनिश्चित होगी। गाजियाबाद के अलावा श्रावस्ती, संतकबीरनगर, चंदौली, चित्रकूट, बांदा, महाराजगंज, ललितपुर, सोनभद्र, औरैया और फिरोजाबाद में भी नए संयुक्त अभियोजन कार्यालय स्थापित किए जाएंगे। इन सभी स्थानों पर जमीन का आवंटन कर दिया गया है और शासन से बजट मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इन नए कार्यालयों की स्थापना से न केवल न्यायिक प्रणाली पर दबाव कम होगा, बल्कि मामलों का निष्पक्ष और त्वरित निपटारा भी सुनिश्चित होगा। गाजियाबाद जैसे महत्वपूर्ण जिले में यह कार्यालय विशेष रूप से महत्वपूर्ण साबित होगा, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में आपराधिक मामले दर्ज होते हैं। एडीजी जुनेजा ने यह भी बताया कि नए कार्यालयों के निर्माण के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। प्रत्येक कार्यालय में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे अभियोजन पक्ष को मजबूती मिलेगी।

जिलाधिकारी ने किया धनौरा तहसील का निरीक्षण, खामियां मिलने पर चेताया

प्रात : किरण संवाददाता

मंडी धनौरा। शनिवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने तहसील धनौरा का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा राजस्व, अभिलेखागार, कंप्यूटर कक्ष, न्यायालय तहसीलदार, न्यायालय उपजिलाधिकारी, न्यायालय उप जिलाधिकारी न्यायिक, जिला पूर्ति कार्यालय, चकबंदी कार्यालय सहित अन्य कार्यलयों का निरीक्षण किया गया। पूर्ति कार्यालय का निरीक्षण करने पर पिछले 10 माह से निरस्त दुकान का आवंटन न किए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए पूर्ति निरीक्षक का स्पष्टीकरण मांगा। राजस्व कार्यालयों का निरीक्षण करने पर प्रत्येक अमीन के पास कितने की आरसी है और वसूली कितनी की गई है कितनी बाकी है इसका रजिस्टर न मेनटेन होने और कम्प्यूटर में अपडेट न होने पर सम्बन्धित पटल सहायक पर नाराजगी जाहिर की और अमीनवार वसूली रजिस्टर कंप्लीट कर वसूली को अपडेट करने के निर्देश दिए। जिसके बाद जिलाधिकारी चकबंदी कार्यालय पहुंची जहां उन्होंने कितने ग्रामों में चकबंदी चल रही है कितने केस कोर्ट में पेंडिंग है इसकी जानकारी लेकर गुणवत्तापूर्ण चकबन्दी के मामलों को निस्तारण कराने का निर्देश दिया।जिलाधिकारी ने तहसीलदार न्यायालय उप जिला अधिकारी न्यायालय उप जिलाधिकारी न्यायिक न्यायालय में पहुंच लंबित वादों को भी मौके पर देखा 3 वर्ष के कितने मुकदमे जिसमे धारा 24, 38 ,67 के लंबित हैं देखा। कहा कि 3 वर्ष से अधिक का कोई भी मुकदमा लंबित नहीं रहना चाहिए प्राथमिकता के साथ लंबित मुकदमों का निस्तारण कराया जाए निस्तारण गुणवत्तापूर्ण हो यह सुनिश्चित किया जाए । जिलाधिकारी ने कहा कि जो भी आदेश किया जाए उसका अनुपालन अवश्य हो साथ ही जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी चंद्रकांता और तहसीलदार परमानंद श्रीवास्तव को निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी कार्य संतोषजनक नहीं किया जा रहा है राजस्व कार्यों में इतनी खामियां होने के बावजूद भी अमीन लेखपाल और राजस्व निरीक्षकों पर कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है रेगुलर मॉनिटरिंग किया जाए रजिस्टर मेनटेन कराया जाए।

गाजियाबाद में दो बेटियों ने पेश की मानवता की सेवा की मिसाल, ब्रेन डेड घोषित मां के अंगों से तीन को दिया जीवनदान

प्रात : किरण संवाददाता

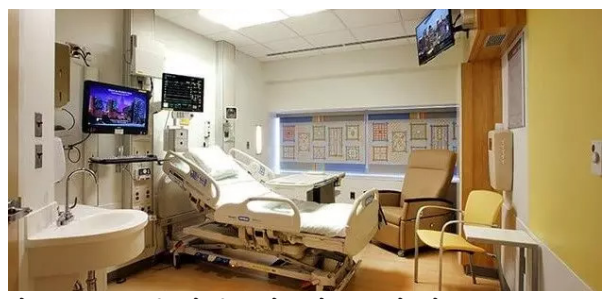

गाजियाबाद,। दो बेटियों ने एक अत्यंत साहसिक कदम उठाया, जिससे उनके परिवार की 72 वर्षीय मां का ब्रेन डेड होने के बावजूद दूसरों को नया जीवन मिल सका। यह मामला उस वक्त सामने आया जब गाजियाबाद के इंदिरापुरम की निवासी महिला को गंभीर ब्रेन हैमरेज के बाद मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल वैशाली में भर्ती किया गया। अस्पताल में उनकी स्थिति का मूल्यांकन करने के बाद डॉक्टरों की टीम ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इसके बाद डॉक्टरों ने महिला की बेटियों से ऑर्गन डोनेट करने की संभावना पर चर्चा की। जिसे उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के स्वीकृति दे दी। इस निर्णय से महिला के अंगों को बचाकर अन्य मरीजों का जीवन बचाया गया। महिला के अंगों को सुरक्षित निकालने के बाद लिवर और दोनों किडनियों को ट्रांसप्लांट के लिए भेजा गया। लिवर को 51 वर्षीय पुरुष मरीज को ट्रांसप्लांट किया गया। जो क्रोनिक लिवर डिजीज से पीड़ित थे। एक किडनी 43 वर्षीय महिला को दी गई, जो क्रोनिक किडनी डिजीज से जूझ रही थीं। दूसरी किडनी को ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से पीएसआरआई हॉस्पिटल भेजा गया, जहां उसे अन्य मरीज के लिए ट्रांसप्लांट किया गया। यह ट्रांसप्लांट सर्जरी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल वैशाली में की गई। लिवर ट्रांसप्लांट टीम का नेतृत्व डॉक्टर सुभाष गुप्ता और डॉक्टर राजेश डे ने किया। जबकि किडनी ट्रांसप्लांट टीम का नेतृत्व डॉक्टर अनंत कुमार और डॉक्टर नीरू पी. अग्रवाल ने किया। यह ट्रांसप्लांट सर्जरी मेडिकल क्षेत्र में एक बड़ा उदाहरण बन गई है। जिसमें न केवल मेडिकल टीम की विशेषज्ञता का प्रदर्शन हुआ, बल्कि परिवार और बेटियों की ओर से किए गए साहसिक निर्णय ने कई जिंदगियों को बचा लिया। गाजियाबाद की इस घटना से यह भी साबित होता है कि अंग दान से कितनी ज़िंदगियों को नया जीवन मिल सकता है। महिला की बेटियों ने अपनी मां के अंग दान करने का निर्णय लेकर न केवल मेडिकल समुदाय को प्रेरित किया, बल्कि इस बात की भी मिसाल पेश की कि कैसे संकट के समय मानवता की सेवा की जा सकती है।

संपूर्ण समाधान दिवस मे डीएम ने सुनी फरियाद, चार का निस्तारण

प्रात : किरण संवाददाता

मंडी धनौरा। शनिवार को तहसील सभागार मे जिलाधिकारी नीधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।
जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में आने वाली शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुना और जल्द से जल्द निस्तारण के दिशा निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।
इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि आइजीआरएस सरकार की प्राथमिकता मे शामिल है जो कि चेक किए जाने पर आख्या ठीक से अपलोड नहीं की जा रही है और शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्वक नहीं किया जा रहा है। बार-बार निर्देशित किए जाने के बावजूद भी सुधार नहीं हो रहा है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
कहा कि जिन ग्राम पंचायत में जिस विभाग की ज्यादा शिकायत आ रही हैं वहां पर विभागीय अधिकारी स्वयं कैंप आयोजित कर गुणवत्तापूर्ण शिकायतों का निस्तारण करें और उसकी रिपोर्ट मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय को प्रेषित करें इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो।
वहीं सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों की कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुई। जिनमे से 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया।
व शेष शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारण कराए जाने के लिए शिकायतों से संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए।
सम्पूर्ण समाधान दिवस मे उपजिलाधिकारी चंद्रकांता, परियोजना निदेशक अमरेन्द्र प्रताप, तहसीलदार परमानंद श्रीवास्तव, जिला विकास अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी स्वेताभ भास्कर सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

अमरोहा।द आर्यस स्कूल जोया के छात्र-छात्राओं ने तिगरी गंगा मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गंगा के महत्व और संरक्षण पर जागरुकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह, निदेशक अमन लिट्ट, गौरव चौधरी, प्रधानाचार्य आदेश सिंह, जागृति कौशिक, आरती शर्मा, चांदनी बत्रा, धीरज महलवार, सुनीता चौधरी, शालिनी भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

गंगा स्नान के बाद चीनी मिलों पर गन्ने की भारी आमद, चेन ने पकड़ी रफ्तार

हसनपुर। गंगा स्नान के बाद सहकारी चीनी मिल कालाखेड़ा पर गन्ने की भारी आमद शुरू हो गई है। जिसके चलते संभल मार्ग तक गन्ना लदे वाहनों की कतार लग रही है। बताया जा रहा है कि किसान गन्ने से खेत खाली कर गेहूं बुवाई की तैयारी में जुट गए हैं। मिल अफसरों को अगले कुछ दिन तक मिल गेट व सेंटरों पर खूब गन्ना मिलने की उम्मीद है। चीनी मिल ने छह नवंबर से पेराई सत्र शुरू किया था। लेकिन, इसी बीच किसानों ने कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेले के लिए तिगरी की ओर रुख कर लिया, जिसके चलते मिल को पर्याप्त गन्ना नहीं मिल सका। शुरूआती कई दिनों तक चीनी मिल की चेन सुचारू रूप से नहीं चल सकी। चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक राहुल यादव ने बताया कि अब चीनी मिल को पर्याप्त गन्ना मिल रहा है। सेंटरों से भी गन्ने की आमद शुरू हो गई है। उधर, निजी क्षेत्र की चंदनपुर त्रिवेणी शुगर मिल की चेन ने भी रफ्तार पकड़ ली है। मिल को भरपूर गन्ना मिल रहा है।

गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

नोएडा, । झुग्गियों में गांजे की आपूर्ति करने वाले तस्कर को शनिवार को सेक्टर-49 थाने की पुलिस ने दबोच लिया। बरौला गांव से दबोचे गए तस्कर के पास से एक किलो 500 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। तस्कर की पहचान बिहार के दरभंगा निवासी शिवम ठाकुर के रूप में हुई है। वर्तमान में वह सलारपुर गांव में शिव मंदिर वाली गली में किराये का कमरा लेकर रह रहा है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह दिल्ली से गांजा लाता है और उसकी पुड़िया बनाकर झुग्गियों में बेचता है। इससे उसे तीन गुना तक मुनाफा होता है। आरोपी ने अपने कई अन्य साथियों के नाम भी पुलिस को बताए हैं। शिवम के खिलाफ सेक्टर-49 थाने में पहले से ही एक केस दर्ज है।

डेयरी संचालक की भैंसों को चुराने वाले दो पशु चोर गिरफ्तार

नोएडा, । थाना सेक्टर-49 क्षेत्र से अज्ञात बदमाशों ने एक व्यक्ति की दो भैंस चोरी कर ली थी। इस मामले में पीड़ित द्वारा घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई। पुलिस ने आज दो पशु चोरों को गिरफ्तार कर चोरी हुई दोनों भैंसों को बरामद कर लिया। जानकारी के अनुसार विजय पुत्र देशराज निवासी ग्राम सलारपुर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह दूध की डेयरी का व्यवसाय करता है। उसकी डेयरी में 15 भैंसे हैं। भैंस को चराने के लिए उसका भाई विक्रम जलवायु विहार टावर के पास खाली मैदान में जाता हैं। पीड़ित के अनुसार 12 नवंबर को उसका भाई सभी भैंसों को चराने के लिए गया था। वहां से अज्ञात चोरों ने उसकी कीमती दो भैंस चोरी कर ली है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही पुलिस को भैंसों के बारे में अहम सुराग मिला। उन्होंने बताया कि लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए शनिवार को 2 अभियुक्त रोहित पुत्र मदन तथा संदीप पुत्र तप्पे को नोएडा सिटी सेन्टर रोड लेबर चौक पुल से चोरी की भैंसों के साथ गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त शातिर पशु चोर है। इनके अन्य आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी की जा रही है।

रिलायंस स्मार्ट बाजार व मनी ट्रांसफर की दुकान में हुई बड़ी चोरी, पुलिस कर रही है जांच

नोएडा, । थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के जीआईपी मॉल में स्थित रिलायंस स्मार्ट बाजार से अज्ञात बदमाशों ने लाखों रुपए कीमत का काफी सामान चोरी कर लिया। इसके अलावा चोरों ने थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के जलपुरा गांव में स्थित एक मनी ट्रांसफर की दुकान का ताला तोड़कर डेढ़ लाख रुपये नकद, मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार जीआईपी मॉल में स्थित रिलायंस स्मार्ट बाजार के मैनेजर संदीप शुक्ला ने थाना सेक्टर-39 में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके स्टोर से लाखों का सामान चोरी हुआ है।

मरम्मत कार्य के चलते पांच सेक्टरों में 10 घंटे रही बत्ती गुल

प्रातः किरण, संवाददाता

नोएडा, । सेक्टर-124 स्थित 33/11 केवी के बिजली उपकेंद्र की 11 हजार केवीए की इनकमिंग और आउटगोईंग के लाइन पर कार्य किया गया। इसके साथ ही उपकेंद्र पर वीसीबी पैनल बदलने का कार्य भी किया गया। बिजनेस प्लान के तहत कार्य किया गया। इस वजह से शनिवार सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक करीब 10 घंटे तक बत्ती गुल रही। बत्ती सेक्टर-94, 95, 124, 125, 126 और रायपुर गांव की गुल रही। इससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। विद्युत निगम द्वारा भविष्य में उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति के लिए युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य किया जा रहा है। करोड़ों रुपये के बिजनेस प्लान के तहत उपकेंद्रों पर मरम्मत कार्य किए जा रहे हैं। इसी के चलते सेक्टर-124 स्थित 33/11 केवी के बिजली उपकेंद्र पर भी मरम्मत कार्य किया गया। उपकेंद्र पर वीसीबी बदलने का कार्य किया गया। विद्युत निगम के अभियंताओं की निगरानी में निजी एजेंसी के द्वारा कार्य किया गया। इस वजह से सेक्टर-94, 95, 124, 125, 126 और रायपुर गांव की बत्ती गुल रही। सबसे ज्यादा दिक्कतें रायपुर गांव के लोगों को झेलनी पड़ी। बगैर बिजली के लोगों को पानी किल्लत का सामना करना पड़ा। लोगों को बाजार से बोलत बंद पानी लाना पड़ा। ग्रामीण एके चौहान ने बताया कि सर्दियों में बिजली लाइनों की क्षमता वृद्धि और मरम्मत के नाम पर कटौती की जा रही है। जैसे ही गर्मी शुरू होती है तो बिजली लाइनें ओवरलोड हो जाती है और कटौती शुरू हो जाती है। ऐसे में लोगों को सर्दी हो या गर्मी दोनों मौसम में कटौती का सामना करना पड़ता है। विद्युत निगम के निर्बाध आपूर्ति के दावे हर मौसत में असफल साबित हो रहे हैं। वहीं, फोनरवा के महासचिव केके जैन ने बताया कि विद्युत निगम से लगातार निर्बाध आपूर्ति की मांग की जा रही है। निर्बाध आपूर्ति के लिए बिजली लाइन और उपकेंद्रों की क्षमता वृद्धि का कार्य किया जा रहा है। अब देखना होगा कि आगामी गर्मियों में उपभोक्ताओं को किस तरह निर्बाध आपूर्ति मिलेगी। लोग बिजली कटौती की शिकायतें 1912 पर कर रहे हैं।

चोरी के अग्निशमन उपकरणों के साथ दो गिरफ्तार

नोएडा, । सेक्टर-58 थानाक्षेत्र स्थित विश्वविद्यालय से अग्निशमन उपकरण चोरी करने वाले दोनों आरोपियों को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों के पास से चोरी के उपकरण भी बरामद हुए हैं।

आरोपियों की पहचान गाजियाबाद के खोड़ा निवासी वीर सिंह और दीपक कुमार के रूप में हुई है।

दोनों आरोपी कूड़ा बीनने का काम करते हैं।

बीते दिनों मौका पाकर दोनों ने विश्वविद्यालय में लगे लगे अग्निशमन उपकरणों की चोरी कर ली।

चोरी के सामान को आरोपी बेचने के लिए जा रहे थे तभी मुखबिर से मिली सूचना पर दोनों को दबोच लिया गया। इसके अलावा सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन से मोबाइल और नकदी चुराने वाले आरोपी को सेक्टर-49 थाने की पुलिस ने दबोचा है।

आरोपी की पहचान दिल्ली के सीमापुरी निवासी दलजीत के रूप में हुई है।

उसके पास से चोरी का मोबाइल, सात सौ रुपये और एक आधारकार्ड बरामद हुआ है।

साहिबाबाद और गुलधर आरआरटीएस स्टेशनों को मिली नेट-जीरो एनर्जी रेटिंग

प्रातः किरण, संवाददाता

गाजियाबाद, । एनसीआरटीसी को दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के प्लेटिनम रेटेड साहिबाबाद और गुलधर आरआरटीएस स्टेशनों के लिए प्रतिष्ठित आईजीबीसी द्वारा नेट-जीरो एनर्जी (ऑपरेशन) रेटिंग से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान बैंगलोर में इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) द्वारा आयोजित ग्रीन बिल्डिंग सम्मेलन 2024 में प्रदान किया गया है। देश में ऐसा पहली बार है कि किसी स्टेशन को नेट जीरो एनर्जी (ऑपरेशन) रेटिंग से सम्मानित किया गया है। एनसीआरटीसी को इस सम्मेलन में ग्रीन स्टेशन श्रेणी में गाजियाबाद आरआरटीएस स्टेशन के लिए भी आईजीबीसी की प्लेटिनम रेटिंग प्रदान की गई। साहिबाबाद और गुलधर आरआरटीएस स्टेशन के लिए नेट-जीरो रेटिंग का मतलब है कि इन दोनों स्टेशनों पर लगे इनहाउस सोलर रूफटॉप प्लांट, इन स्टेशनों की विद्युत खपत से ज्यादा ऊर्जा पैदा कर रहे हैं और पैदा की गई अतिरिक्त ऊर्जा का इस्तेमाल एनसीआरटीसी सिस्टम की दूसरी इलेक्ट्रिकल जरूरतों की आपूर्ति के लिए किया जा रहा है। यह सम्मान एनसीआरटीसी की सतत विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जो शुरूआत से ही फ्रन्टर परियोजना के कार्यान्वयन में शामिल रहा है। एनसीआरटीसी ने आरआरटीएस परियोजना में पर्यावरण के अनुकूल पहलों को लगातार प्राथमिकता दी है, जिससे पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा मिलता है। एनसीआरटीसी ने सभी प्रमुख संस्थानों, जिनमें डिपो, स्टेशन, रिसीविंग सबस्टेशन (आरएसएस) और अन्य इमारतें शामिल हैं, को आईजीबीसी के साथ पंजीकृत किया हैं, जो पर्यावरणीय सस्टेनेबिलिटी के उच्चतम मानकों को प्राप्त करने के लिए एनसीआरटीसी के समर्पण के साथ अनुकूल हैं।

कार और टैंपू के बीच टक्कर, दूल्हा-दुल्हन समेत सात लोगों की मौत

प्रातः किरण, संवाददाता

बिजनौर । बिजनौर जिले में देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर शुक्रवार देर रात एक कार ने एक टैंपू को टक्कर मार दी जिससे एक नवविवाहित जोड़े सहित सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने बताया कि देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर धामपुर थाने के निकट शुक्रवार देर रात लगभग दो बजे कार ने एक टैंपू से आगे निकलने के प्रयास में उसे पीछे से तेज टक्कर मार दी जिससे टैंपू काफी ऊंचा उछलकर बिजली के एक खंभे से टकरा गया। उन्होंने बताया कि कार की टक्कर लगने से टैंपू में सवार चार पुरुषों, दो महिलाओं और एक बच्ची सहित एक ही परिवार के छह लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि टैंपू चालक अजब सिंह ने उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि धामपुर के तीवडी.गांव के विसाल (25) और खुशी (22) झारखंड में अपने निकाह के बाद अपने परिवार के अन्य सदस्यों से साथ घर लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ। उसने बताया कि मृतकों में नवविवाहित जोड़े के अलावा, दूल्हे के पिता खुर्शीद (65), खुर्शीद के साढ़ू मुमताज (45), मुमताज की पत्नी रुबी (32) और बेटी बुशरा (10) शामिल है। पुलिस ने बताया कि ये लोग मुरादाबाद तक ट्रेन से आए थे और वहां से एक टैंपू के जरिए अपने गांव वापस जा रहे थे।

गाजियाबाद में दुकान में लगी भीषण आग, दो फायर टेंडर मौके पर, आसपास की दुकानें खाली कराई

प्रातः किरण, संवाददाता

गाजियाबाद, । वसुंधरा इलाके स्थित मेवाड़ कॉलेज के सामने स्थित बाजार की एक दुकान में सुबह अचानक आग लग गई। मुख्य अग्नि शमन अधिकारी (सीएफओ) राहुल पाल ने बताया कि सूचना पर वैशाली फायर स्टेशन से गाडियां मौके पर पहुंचीं। सीएफओ ने खुद मौके पर पहुंचकर आसपास की दुकानों को सुरक्षित के लिए खाली कराया और अग्निशमन उपायों को मौके पर रहते हुए अंजाम दिलाया। घटना बेसमेंट होने के कारण घटनास्थल पर धुआं जमा होने जाने से काफी परेशानी हुईद्ध गर्ग गिफ्ट शॉप में लगी थी आग सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि मेवाड़ के सामने सेक्टर-2 सी में स्थित बाजार में बेसमेंट में स्थित गर्ग गिफ्ट गैलरी में आग लगी थी। घटना बेसमेंट की थी इसलिए धुंआ बाहर नहीं निकल पा रहा था और आग पर काबू पाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था लेकिन फिर भी दमकल कर्मियों ने पूरी तत्परता से काम करते हुए काफी कम समय में ही आग पर काबू पा लिया। आग पर काबू करने को दो फायर टेंडर लगाए गए थे। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को अन्य दुकानों में नहीं फैलने दिया गया। करोड़ों का नुकसान होने से बचाया सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि आग बड़ी विकराल थी और घटना लोअर ग्राउंड फ्लोर पर होने के कारण ऑपरेशन थोड़ा मुश्किल था, साथ ही अन्य दुकानों में आग फैलने का खतरा था। अन्य दुकानों तक आग पहुंचने के बाद इस पर काबू करना न केवल और मुश्किल हो जाता बल्कि करोड़ों रुपये का नुकसान भी हो जाता। धुआँ अधिक होने के कारण फायर सर्विस यूनिट ने सांस लेने में परेशानी होने के बावजूद भी अपने अदम्य साहस का परिचय दिया और समय रहते आग पर काबू पा लिया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, घटनास्थल पर जमा हुए लोगों ने फायर सर्विस की अत्यंत विषम परिस्थितियों में भी कार्य करने की निपुणता की सरहाना की।

गौशाला के रास्ते के लिए भाई की जमीन से छुड़वाई 5 फीट जमीन

प्रातः किरण, संवाददाता

मसवासी। नगर पंचायत मसवासी के निवर्तमान अध्यक्ष हरिओम मौर्य ने अपने भाई पवन मौर्य की मुरादाबाद बाजपुर मुख्य मार्ग स्थित कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय स्थल , गौशाला के रास्ते पर जमीन में से गौशाला के लिए रास्ता चौड़ा करने हेतु 5 फीट जगह छुड़वा दी। जिससे आने वाले समय में गौशाला का मार्ग चौड़ा हो सके जिससे गौशाला में आवागमन के लिए वाहनों को कोई भी परेशानी का सामना न करना पड़े।इस मौके पर मौजूद काफी संख्या में लोगों ने निवर्तमान अध्यक्ष हरिओम मोर्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। निवर्तमान अध्यक्ष हरिओम मोर्य के भाई पवन मौर्य अपनी जगह की बुनियाद भरवा रहे थे लेकिन हरिओम मौर्य ने मौके पर पहुंचकर 5 फीट जगह नगर पंचायत मसवासी के कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय स्थल के रास्ते के लिए जनहित में और छुड़वा दी जिससे भविष्य में गौशाला को वाहनों के आवागवन के लिए और अधिक लाभ प्राप्त हो सके। अब गौशाला मे जाने के लिए 15 फुट का रास्ता हो गया है। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी मनोज कुमार मिश्रा, कानूनगो सिपाही लाल, लेखपाल तिलक एवं धर्मेंद्र कुमार, राहुल कुमार, नवनीत कुमार ,सोमपाल नरेश कुमार, पवन मौर्य, मोहम्मद तस्वीर आदि काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

विपक्ष ने झांसी अग्निकांड पर दुख जताया, सपा ने परिजनों को एक करोड़ रुपये देने की मांग की

प्रातः किरण, संवाददाता

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश के झांसी में एक मेडिकल कॉलेज में बच्चों के वार्ड में आग लगने से 10 शिशुओं की मौत की घटना पर शनिवार को समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए चिकित्सीय प्रबंधन व प्रशासन की लापरवाही का मामला बताया है। समाजवादी पार्टी (सपा) ने समस्त शोक संतप्त परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये संवेदना राशि दिये जाने की मांग की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को एक्स पर कहा, झांसी मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 10 बच्चों की मृत्यु एवं कई बच्चों के घायल होने का समाचार बेहद दुखद एवं चिंताजनक है। सबके प्रति संवेदनात्मक श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा कि आग का कारण ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर में आग लगना बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सीधे-सीधे चिकित्सीय प्रबंधन व प्रशासन की लापरवाही का मामला है या फिर खराब गुणवत्ता के ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर का मामला है। यादव ने इस मामले में सभी जिम्मेदार लोगों पर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री जी को चुनावी प्रचार छोड़कर, सब ठीक होने के झूठे दावे छोड़कर स्वास्थ्य और चिकित्सा की बदहाली पर ध्यान देना चाहिए। जिन्होंने अपने बच्चे गंवाएं हैं, वो परिवार वाले ही इसका दुख-दर्द समझ सकते हैं। यह सरकारी ही नहीं, नैतिक ज़िम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा, आशा है चुनावी राजनीति करने वाले लोग विपदा की इस घड़ी में इसकी सच्ची जांच करवाएंगे और अपने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्रालय में ऊपर से नीचे तक आमूलचूल परिवर्तन करेंगे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि रही बात उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री की तो उनसे कुछ नहीं कहना है क्योंकि उन्हीं के कारण आज प्रदेश में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा व्यवस्था की इतनी बदहाली हुई है। उन्होंने आरोप लगाया, संकीर्ण-साम्प्रदायिक राजनीति की निम्न स्तरीय टिप्पणियां करने में उलझे मंत्री जी को तो शायद यह भी याद नहीं होगा कि वह स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री हैं। न तो उनके पास कोई शक्ति है, न ही इच्छा शक्ति, बस उनके नाम की तख्ती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की, सबसे पहले उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार समस्त झुलसे बच्चों के लिए विश्वस्तरीय चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराए व जिन्होंने अपने बच्चों को खोया है, उन समस्त शोक संतप्त परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये संवेदना राशि दे। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने एक्स पर कहा, झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 10 नवजात बच्चों की मौत की अति-दुखद घटना से कोहराम व आक्रोश स्वाभाविक है। ऐसी घातक लापरवाही के लिए दोषियों को सख्त कानूनी सजा जरूरी। ऐसी घटनाओं की भरपाई असंभव, फिर भी सरकार पीड़ित परिवारों की हर प्रकार से मदद जरूर करे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने एक्स पर कहा, झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की विशेष नवजात देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में आग लगने से 10 नवजात बच्चों की मृत्यु और कई के घायल होने की सूचना अत्यंत हृदय विदारक है। हम मृत बच्चों की आत्मा की शांति, परिजनों को सहनशक्ति की और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं। पार्टी ने कहा कि घटना का कारण ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर में स्पार्किंग बताया जा रहा है।

झूठे आरोपों में 95 दिन की जेल यात्राः कारोबारी की बेगुनाही की सच्चाई

प्रातः किरण, संवाददाता

गाजियाबाद, । कौशांबी इलाके में एक कारोबारी के खिलाफ दर्ज किए गए दुष्कर्म के झूठे मामले में पुलिस की लापरवाही सामने आई है, जिसके कारण उसे 95 दिन तक जेल में रहना पड़ा। मामले का खुलासा उच्च न्यायालय द्वारा जमानत मिलने के बाद हुआ, जब कारोबारी ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। इसके बाद विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया और जांच में यह साबित हुआ कि दुष्कर्म का आरोप बेबुनियाद था। कारोबारी का कहना है कि एफआईआर में जिस समय का घटनाक्रम बताया गया, उस दौरान वह थाईलैंड में थे और इसके सबूत भी उन्होंने पुलिस को दिए थे। बावजूद इसके पुलिस ने उनकी बेगुनाही की अनदेखी की और उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अगर एसआईटी की जांच नहीं होती, तो शायद सच्चाई कभी सामने नहीं आती। इस मामले में पुलिस की जांच में गंभीर लापरवाही के आरोप लगते हैं। विशेष तौर पर पांच पुलिसकर्मियों–तीन इंस्पेक्टर और दो दरोगा–के खिलाफ जांच की गई, जिन्होंने इस मामले में जल्दबाजी से गिरफ्तारी की और जांच में कोई गंभीरता नहीं दिखाई। विभागीय जांच में इनकी लापरवाही साबित हुई, और इनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई। हनीट्रैप गैंग का खुलासा यह मामला सिर्फ पुलिस की लापरवाही तक सीमित नहीं था, बल्कि एक हनीट्रैप गैंग द्वारा झूठा मुकदमा दर्ज करने का भी था। कारोबारी ने बताया कि दिल्ली की 27 वर्षीय युवती, जिसने उनके खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाया, एक हनीट्रैप गैंग चलाती है। युवती ने पांच करोड़ रुपये की मांग की थी और कहा था कि वह रकम मिलने पर केस वापस ले लेगी। एसआईटी जांच के बाद युवती पर दो केस दर्ज किए गए: एक, कारोबारी की फर्म से डाटा चोरी करने का और दूसरा, झूठा दुष्कर्म केस दर्ज कर पैसों की मांग करने का। अब युवती और उसके परिजनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। रिश्वत के आरोप और जांच कारोबारी ने यह भी आरोप लगाया कि दुष्कर्म मामले में पुलिसकर्मियों ने उनकी पत्नी से 32 लाख रुपये की रिश्वत ली थी। हालांकि, इस आरोप में पुलिस ने अभी तक कोई ठोस साक्ष्य नहीं पाया है, लेकिन मामला अभी भी जांच के दायरे में है। डीसीपी निमिष पाटिल के अनुसार, मामले में विवेचना में लापरवाही तो मिली है, लेकिन रिश्वत के मामले में जांच जारी है।

पांच राज्यों के वकीलों की एकजुटताः गाजियाबाद कचहरी में न्याय की नई लहर

प्रातः किरण, संवाददाता

गाजियाबाद,। 31 अक्तूबर को जिला जज की कोर्ट में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ जारी आंदोलन में अब नया मोड़ आने वाला है। शनिवार को कचहरी में यूपी, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और चंडीगढ़ के वकील एकत्र होकर आंदोलन की अगली रणनीति तय करेंगे। आंदोलनकारियों की मुख्य मांग है कि जिला जज अनिल कुमार को हटाया जाए और लाठीचार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाए। इसके परिणामस्वरूप, गाजियाबाद के वकील चार नवंबर से पश्चिम यूपी के 22 जिलों में हड़ताल और धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन शासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। गाजियाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि महासम्मेलन में बड़ी संख्या में वकील जुटेंगे, जो आंदोलन को नई दिशा देने के लिए अहम फैसले लेंगे। बार सचिव अमित नेहरा ने पुष्टि की कि महासम्मेलन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। वकीलों की हड़ताल का गहरा असर गाजियाबाद की जिला जेल पर पड़ा है। जेल में कैदियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, क्योंकि वकीलों की हड़ताल के कारण न तो जमानत हो पा रही है और न ही मुकदमों के फैसले। इसके परिणामस्वरूप, पुराने कैदी रिहा नहीं हो पा रहे, और नए कैदी लगातार जेल में आ रहे हैं, जिससे जेल में भीड़ बढ़ती जा रही है।

झांसी मेडिकल कालेज में आगः मृतक शिशुओं के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता

प्रातः किरण, संवाददाता

लखनऊ/झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में आग लगने से कम से कम 10 नवजात शिशुओं की मौत के कुछ घंटों बाद, राज्य सरकार ने शनिवार को मृतकों के माता-पिता को पांच-पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। उत्तर प्रदेश सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में हुई घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। बयान में कहा गया है, ह्यह्यघटना में असामयिक मृत्यु का शिकार हुए नवजात शिशुओं के माता-पिता को मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच-पांच लाख रुपये और घायलों के परिजनों को 50-50 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है। बयान में कहा गया है कि शुक्रवार देर रात घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को मौके पर भेजा। इसमें बताया गया कि मुख्यमंत्री रात भर घटनास्थल से हर पल की जानकारी लेते रहे। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने झांसी के संभागीय आयुक्त और पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) को घटना के संबंध में 12 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में शुक्रवार रात महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 10 बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में घायल हुए 16 अन्य बच्चे जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) अविनाश कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कॉलेज की नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में शुक्रवार रात करीब पौने 11 बजे आग लग गई, जो संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को कहा, घटना में 10 नवजात बच्चों की मौत हो गई है। झांसी मेडिकल कॉलेज के अन्य वार्ड में 16 बच्चों का इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि यह घटना बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण हुई और उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सुधा सिंह ने शनिवार की सुबह संवाददाताओं को बताया कि 16 घायल बच्चों का इलाज किया जा रहा है और उनकी जान बचाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए सभी डॉक्टर उपलब्ध हैं और पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं भी हैं। सिंह ने कहा कि 10 बच्चों की मौत हो गई और अन्य को या तो बचा लिया गया या वे घायल हैं। ऐसी भी जानकारी मिली है कि एनआईसीयू में आग लगने के बाद कुछ माता-पिता अपने बच्चों को घर ले गए। उन्होंने कहा कि पुलिस एनआईसीयू में भर्ती बच्चों की संख्या और उनकी वर्तमान स्थिति की पुष्टि करने का प्रयास कर रही है। सिंह ने कहा, ह्यमेडिकल कॉलेज ने बताया है कि घटना के समय 52 से 54 बच्चे भर्ती थे। उनमें से 10 की मौत हो गई, 16 का इलाज जारी है जबकि अन्य के लिए सत्यापन जारी है। उन्होंने कहा कि देर रात करीब एक बजे एनआईसीयू में बचाव अभियान पूरा हो गया।

अल्लू अर्जुन को छोड़ पुष्पा 2 के खलनायक के फैन बने सूर्या, जमकर की फहद फाजिल के अभिनय की तारीफ

साउथ सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म कंगुवा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वे इस महीने सिनेमाघरों में अपनी फिल्म के जरिए धूम मचाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में अब फिल्म के प्रचार के दौरान सूर्या ने मलयालम फिल्मों में से अपनी पसंदीदा फिल्म के बारे में बात की और बताया कि कैसे फहद फाजिल के अभिनय ने उनके दिन को छू लिया। साथ ही उन्होंने अभिनेता की जमकर तारीफ भी की।

सूर्या की पसंदीदा फिल्म

दरअसल, सूर्या से पूछा गया कि हाल ही में रिलीज हुई मलयालम फिल्मों में से कौन सा किरदार उन्हें पसंद है। जवाब में अभिनेता ने तुरंत 2024 की कॉमेडी रिलीज आवेशम से फहद फाजिल का किरदार चुना। फहद के व्यक्तित्व के प्रति अपने प्यार के बारे में बात करते हुए सूर्या ने कहा, आवेशम। मुझे यह बहुत पसंद आई। निर्देशन बहुत अच्छा था। उन्होंने मुझे खूब हंसाया। हर बार वह दर्शकों को चौंका देते हैं। आप कभी नहीं जानते कि उनकी फिल्म में कब क्या हो जाए।

सूर्या ने की फहद की तारीफ

अभिनेता ने फहद की तारीफ करते हुए कहा कि वे हमेशा चौंकाने वाले काम करते हैं, भले ही वे खुद अपनी फिल्मों की सफलता के बारे में निश्चित न हों। सूर्या ने बताया कि फहद हर परियोजना के साथ लगातार आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे वाकई वह चौंकाने वाली चीजें मिलीं। बेशक, कोई भी फिल्म में उनकी तरह खुशी नहीं ला सकती। वह बेहतरीन फिल्में बना रहे हैं। एक अभिनेता किसी भी तरह की फिल्म दे सकता है और फहद सिनेमाघरों में लोगों का मनोरंजन करना जारी रखे हुए हैं। साथ ही अपने और अपने फिल्म उद्योग के लिए सीमाओं को भी आगे बढ़ाते हैं।

पुष्पा 2 में होगा फहद का जलवा

आवेशम में फहद की भूमिका को समीक्षकों ने बहुत सराहा, न केवल इसकी कहानी और किरदार के लिए, बल्कि कॉमिक टाइमिंग के लिए भी फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस फिल्म के लिए फहद को भी इंडस्ट्री के कई सितारों से तारीफें मिलीं। अब फहद फाजिल लोगों को हंसाने के बाद नई फिल्म के लिए तैयार हैं। वे अल्लू अर्जुन के साथ पुष्पा 2 द रूल में मुख्य खलनायक के तौर पर नजर आएंगे।

रश्मिका मंदाना ने पुष्पा 2 को बताया अद्भुत

फिल्म पुष्पा-2- द रूल इस साल की बहुप्रतीक्षित और बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। फिल्म 5 दिसंबर, 2024 को दुनिया भर में बड़े स्तर पर होने के लिए तैयार है। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना अभिनीत और सुकुमार के निर्देशन वाली इश फिल्म का ट्रेलर भी जल्द रिलीज होने वाला है। इस बीच रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के डबिंग सेशन से जुड़ी जानकारी साझा की है। पुष्पा 2 अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। इस में वह फिल्म की डबिंग करती हुई नजर आ रही हैं। उन्होंने इस तस्वीर को साझा करते हुए लिखा कि उन्होंने पहले भाग की डबिंग पूरी कर ली है और वह दूसरे हिस्से की डबिंग पर काम कर रही है। डबिंग सेशन की तस्वीरों के साथ अभिनेत्री के इस पोस्ट से उनके और फिल्म के फैन काफी रोमांचित हो गए हैं। अभिनेत्री ने फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए लिखा, हे भगवान! फिल्म का पहला भाग काफी अद्भुत है और दूसरा भाग और भी ज्यादा। मेरे पास शब्द कम पड़ गए हैं। आप लोग वाकई एक अद्भुत अनुभव के लिए तैयार हैं! फैंस अभिनेत्री के इस पोस्ट के बाद और भी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं। पुष्पा के बाद से ही फैंस के बीच इसके दूसरे भाग पुष्पा-2- द रूल को लेकर उत्सुकता बढ़ी हुई है। 17 नवंबर, 2024 को पटना में लॉन्च होगा ट्रेलर फिल्म की टिकट बुकिंग शुरु होने के बाद प्रशंसक अब ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म का ट्रेलर 17 नवंबर, 2024 को पटना में लॉन्च होगा। उसके बाद फिल्म के दो गाने भी रिलीज होंगे। इस बहुप्रतीक्षित पैन-इंडियन फिल्म को लेकर जबर्दस्त क्रेज देखा जा रहा है। इस हिसाब से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी सफलता हासिल कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्माता के.ई. ज्ञानवेल राजा ने खुलासा किया है कि केवल हिंदी संस्करण के नॉन थियोरेटिकल अधिकार ही 260 करोड़ रुपये में खरीदे गए हैं।

05 दिसंबर को रिलीज होगी पुष्पा 2

बताते चलें कि फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई पुष्पा बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। पुष्पा 2- द रूल अपने पिछले संस्करण की तुलना में और भी बड़ी फिल्म का दावा करती है। फिल्म में मूल भाग से अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फहद फासिल, सुनील आदि कलाकार अपनी भूमिका आगे बढ़ाते हुए नजर आएंगे। फिल्म इस साल 05 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्त देगी।

कौन हैं अवनीत कौर? 400 से अधिक टीवी विज्ञापनों में किया काम, टॉम क्रूज से की मुलाकात

अभिनेत्री अवनीत कौर ने टॉम क्रूज से उनकी आगामी फिल्म मिशन- इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग के सेट पर मुलाकात करके सभी को चौंका दिया। सोमवार को इंस्टाग्राम पर अवनीत कौर ने टॉम के साथ अपनी मुलाकात की कई तस्वीरें और एक वीडियो पोस्ट किया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही है। इन तस्वीरों को देख फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि अवनीत अब हॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली हैं। तो आइए जानते हैं कि कौन हैं अवनीत कौर?

अच्छी डांसर भी हैं अवनीत कौर

अवनीत का जन्म 13 अक्टूबर 2001 में जालंधर, पंजाब में हुआ था। अवनीत ने अपनी शुरुआती पढ़ाई डीएवी पब्लिक स्कूल, जालंधर पंजाब से की। अभिनेत्री ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत की थी। अवनीत ने अपने करियर की शुरुआत डांस इंडिया डांस लिल में बतौर प्रतिभागी की थी, इसके अलावा अवनीत डांस के सुपरस्टार में भी नजर आई थीं।

इस शो से किया था डेब्यू

अवनीत ने अपना एक्टिंग का डेब्यू टीवी शो मेरी मां से किया था, इस शो में उन्होंने झिलमिल की भूमिका निभाई थी। इसके बाद वह डांस रिएलिटी शो झलक दिखला जा में बतौर प्रतिभागी नजर आयीं। उन्होंने साल 2012 में शो सावित्री में मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके अलावा अवनीत फिल्म मर्दानी में नजर आ चुकी हैं।

बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकी हैं अभिनेत्री

साल 2013 में एक बार अवनीत शो एक मुट्ठी आसमान में पाखी कपूर की भूमिका में दिखाई दी थी। अवनीत करीबन 400 से अधिक टीवी विज्ञापनों में काम कर चुकी हैं। बता दें कि अवनीत कौर बॉलीवुड में भी डेब्यू कर चुकी है। वह नवाजुद्दीन के अपोजिट टीकू वेड्स शेरू में नजर आई थीं।

सोशल मीडिया पर रहती हैं एक्टिव

बता दें कि अवनीत सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अभिनेत्री की काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग भी है। इसके अलावा अवनीत अपने बाकी प्रोजेक्ट्स को लेकर भी काफी बिजी चल रही हैं।

रणवीर या टाइगर नहीं बल्कि कार्तिक बनेंगे शक्तिमान?

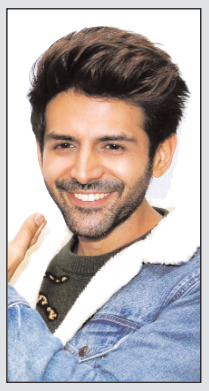

भारत के सुपरहीरो शक्तिमान की भूमिका निभाने के लिए लोकप्रिय दिग्गज अभिनेता मुकेश खन्ना ने भारतीय स्क्रीन पर इस किरदार की वापसी की घोषणा से प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। मुकेश खन्ना ने इस शो का टीजर जारी कर भी अपने प्रशंसकों का उत्साह भी सातवें आसमान पर है। हालांकि, नए शक्तिमान को लेकर लगातार नए नामों को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। अब रणबीर के बाद बॉलीवुड के इस अभिनेता का नाम सुर्खियों में हैं। हाल ही में, मुकेश खन्ना ने एक प्रेस मीट को होस्ट किया और आधिकारिक रूप से वापसी की घोषणा की, लेकिन शो में शक्तिमान की भूमिका निभाने वाले एक्टर को लेकर अभिनेता ने कोई अपडेट नहीं दिया। अब खबर आ रही है कि कार्तिक आर्यन इस भूमिका के लिए नए नाम हैं और उनको लेकर मुकेश खन्ना लगातार चर्चा कर रहे हैं। हाल ही में आई खबरों के अनुसार, कार्तिक आर्यन को 90 के दशक की मशहूर सुपरहीरो टीवी सीरीज में अहम भूमिका निभाने के लिए चुना गया है।

8 साल बाद अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन साझा करेंगी निम्रत कौर

बॉलीवुड अभिनेत्री निम्रत कौर ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और दमदार अभिनय कौशल से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। एक दशक से अधिक के अपने करियर में उन्होंने अलग-अलग भूमिकाएं निभाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। अब, ऐसा प्रतीत होता है कि अभिनेत्री आगामी पीरियड एरियल ड्रामा स्काई फोर्स का हिस्सा बन गई हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और सारा अली खान भी मुख्य भूमिका में हैं।

कथित तौर पर निम्रत कौर एक और महत्वपूर्ण भूमिका की तैयारी कर रही हैं। रिपोर्ट की मानें तो वह अगले साल रिलीज होने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म स्काई फोर्स में अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। अगर रिपोर्ट सही साबित होती है तो अक्षय और निम्रत 8 साल बाद बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। इससे पहले दोनों को साल 2016 की फिल्म एयरलिफ्ट में साथ देखा गया था। निम्रत कौर को फिल्मों में अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। द लंचबॉक्स में उनके मार्मिक प्रदर्शन से लेकर एयरलिफ्ट में उनकी कमांडिंग भूमिका और सजिनी शिंदे का वायरल वीडियो में उनकी हालिया उपस्थिति तक, निम्रत ने आलोचकों की प्रशंसा और दर्शकों की सराहना दोनों हासिल की है।

स्काई फोर्स की रिलीज डेट

स्काई फोर्स में निम्रत अहम भूमिका में होंगी। साथ ही कहानी में साजिश की एक अतिरिक्त परत जोड़ेंगी। रिपोर्ट की मानें तो अक्षय कुमार, सारा अली खान, वीर पहाड़िया और निम्रत कौर अभिनीत दिनेश विजन की स्काई फोर्स गणतंत्र दिवस 2025 के सप्ताहांत पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

स्काई फोर्स के ट्रेलर को लेकर जानकारी भी सामने आई है। खबर है कि फिल्म का ट्रेलर क्रिसमस 2024 पर रिलीज होने वाला है, जिसके बाद एक महीने तक चलने वाला प्रचार अभियान होगा। दिनेश विजन ने बैक-टू-बैक कई हिट फिल्में दी हैं, जिनमें हालिया रिलीज फिल्में मुंजा और स्त्री 2 शामिल हैं। स्काई फोर्स का निर्देशन संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर ने किया है। फिल्म की रिलीज डेट और ट्रेलर को लेकर निर्माताओं की ओर से आधिकारिक अपडेट का इंतजार है।

दमदार अभिनय से अलग पहचान बना रहे हैं विनीत कुमार सिंह

विनीत कुमार सिंह ने दर्शकों को पसंद आने वाले प्रभावशाली प्रदर्शन देने के लिए एक अद्वितीय करियर पाथ का अनुसरण किया है। संघर्ष और दृढ़ संकल्प से भरी उनकी यात्रा ने उन्हें ऐसी भूमिकाएँ निभाने के लिए प्रेरित किया है जो विशिष्ट हैं, बॉलीवुड मानदंडों को चुनौती देती हैं और सकारात्मक प्रभाव छोड़ती हैं। यह बहुमुखी प्रतिभा शिल्प के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है। आइए उनकी कुछ उल्लेखनीय भूमिकाओं के बारे में जानें जो जुनून और शक्ति के संचार हैं।

गैंग्स ऑफ वासेपुर

प्रतिष्ठित फिल्म सीरीज गैंग्स ऑफ वासेपुर में, विनीत कुमार सिंह ने दानिश खान का किरदार निभाया था, जो नैतिक अस्पष्टता में डूबा हुआ एक चरित्र था। उन्होंने जटिल किरदारों को अपनाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते हुए, भूमिका में एक प्रामाणिक और कच्ची गुणवत्ता लाई। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित इस डार्क कॉमेडी क्राइम ड्रामा में दानिश खान के रूप में सिंह का प्रदर्शन जल्द ही प्रशंसकों का पसंदीदा बन गया।

मुक्काबाज़

मुक्काबाज़ में, सिंह ने एक महत्वाकांक्षी मुक्केबाज श्रवण कुमार सिंह की भूमिका निभाई। भूमिका के प्रति उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट थी क्योंकि एक मुक्केबाज के जीवन को प्रामाणिक रूप से चित्रित करने के लिए उन्हें मुक्केबाजी सहित कठोर प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा। इस स्पोर्ट्स ड्रामा को व्यापक आलोचनात्मक प्रशंसा मिली और इसने सिंह के करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित किया, जिससे एक प्रतिभाशाली अभिनेता के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई।

गोल्ड

गोल्ड में, सिंह ने फिल्म में एक हॉकी खिलाड़ी इम्तियाज अली शाह की भूमिका निभाई। यह फिल्म भारत की राष्ट्रीय हॉकी टीम की 1948 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की यात्रा के इर्द-गिर्द घूमती है। उनके प्रदर्शन ने कहानी में भावनात्मक गहराई जोड़ दी, और भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण के दौरान खिलाड़ियों के व्यक्तिगत और सामूहिक संघर्षों को उजागर किया।

गुंजन सक्सैना

द कारगिल गर्ल- सिंह ने गुंजन सक्सैना- द कारगिल गर्ल में फ्लाइट कमांडर दिलीप सिंह के रूप में एक बार फिर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने एक वायु सेना अधिकारी की कच्ची तीव्रता और प्रामाणिकता में खुद को ढाल लिया, और अपने सम्मोहक चित्रण के लिए सराहना अर्जित की। इन भूमिकाओं के माध्यम से, विनीत कुमार सिंह ने फिल्म उद्योग में अपने लिए एक विशिष्ट स्थान बनाते हुए, अपने प्रदर्शन में जुनून और शक्ति लाने की उल्लेखनीय क्षमता का प्रदर्शन किया है। फिलहाल विनीत कुमार सिंह अपनी फिल्म मैच फिक्सिंग की रिलीज की तैयारी में हैं।

ओटीटी पर आएगी नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री

नवंबर के 15 दिन खत्म हो गए हैं और इतने दिनों में कई मूवी और सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे चुकी हैं। फिर चाहें वो 'देवरा' हो या हॉलीवुड मूवी 'डेडपूल वॉल्वरिन'। दर्शकों ने भी बीते हफ्ते रिलीज हुई मूवी और सीरीज को काफी पसंद किया। वहीं, अब हम आपको इस हफ्ते आने वाली फिल्मों और सीरीज के बारे में बताते हैं, जिन्हें आप वीकेंड पर आसानी से देख सकते हैं। इस बार साउथ लेडी सुपरस्टार 'नयनतारा' की डॉक्यूमेंट्री से लेकर 'डयून- प्रोफेसी' तक ओटीटी पर काफी कुछ देखने को मिलने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

42 दिन के त्योहार में बिके 42.88 लाख वाहन

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल त्योहारी मौसम में वाहनों की रिकॉर्ड खुदरा बिक्री हुई है। नवरात्र से लेकर धनतेरस के 15 दिन बाद तक के 42 दिनों में कुल 42.88 लाख वाहन बिके हैं। पिछले साल के त्योहारी सीजन के 38.37 लाख की तुलना में यह 11.76 फीसदी अधिक है। इस बार त्योहारी सीजन तीन अक्तूबर से 13 नवंबर तक चला है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, मजबूत ग्रामीण मांग के कारण दोपहिया वाहनों की बिक्री 13.79 प्रतिशत बढ़कर 33.11 लाख पहुंच गई। त्योहारी सीजन की शुरुआत में बिक्री धीमी रही। बाद में इसमें तेजी आई। मांग बढ़ने और भारी छूट के कारण यात्री वाहनों की बिक्री 7.10 प्रतिशत बढ़कर 6.03 लाख यूनिट्स हो गई। फाडा का अनुमान है कि इस भारी बिक्री से यात्री वाहनों का भंडार कम हो जाएगा। फाडा ने कहा, हम 45 लाख यूनिट्स या उससे भी ज्यादा की बिक्री के लक्ष्य को हासिल कर सकते थे, लेकिन दक्षिण भारत विशेष रूप से बंगलूरू और तमिलनाडु में बेमौसम भारी बारिश ने इस पर पानी फेर दिया। चक्रवात ने ओडिशा को प्रभावित किया। यह साल समाप्त होने में अभी 1.5 महीने हैं। फाडा का कहना है कि इन्वेंट्री खत्म करने पर फोकस हो, ताकि 2025 में हम 21 दिन की इन्वेंट्री के साथ प्रवेश करें।

घटने लगी प्याज की कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी। प्याज की कीमतें घटने लगी हैं। जी हां, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्याज की औसत खुदरा कीमतों में इस सप्ताह मामूली गिरावट आई है। बीते सोमवार को यह 67 रुपये प्रति किलोग्राम थी। यह शुक्रवार को 63 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। सरकार को उम्मीद है कि अगले 1-2 सप्ताह में कीमतों में और गिरावट आएगी। इस समय राजस्थान के अलवर इलाके में प्याज की फसल लगभग तैयार हो गई है। लेकिन इसे खेतों से उखाड़ने और उसकी कटाई के लिए अभी पर्याप्त मजदूर नहीं मिल रहे हैं। क्योंकि दिवाली-छठ के दौरान ये मजदूर बिहार और झारखंड चले गए थे। अब वे धीरे-धीरे वापस आ रहे हैं। इससे लोकल प्याज की सप्लाई बढ़ेगी। इस बीच, सरकारी सहकारी समितियों - नैफेड और एनसीसीएफ ने खुदरा और थोक बाजार में प्याज की सप्लाई बढ़ा दी है। सरकार ने इस साल पौने पांच लाख टन प्याज का बफर स्टॉक बनाया है।

उत्पादन कम, उपभोग ज्यादा क्रूड इंपोर्ट पर बढ़ा खर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में क्रूड ऑयल का उत्पादन नहीं बढ़ पाने और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का उपभोग बढ़ने के बीच मौजूदा वित्त वर्ष में अक्टूबर तक क्रूड इंपोर्ट में साढ़े 3 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। क्रूड ऑयल का दाम घटने पर भी बढ़े आयात के चलते इंपोर्ट पर लगभग 8 प्रतिशत ज्यादा पैसे खर्च करने पड़े। इस बीच, पेट्रोलियम मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी ने उत्खनन और उत्पादन बढ़ाने पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि 'साल 2030 तक सरकार उत्खनन का क्षेत्र 10 लाख वर्ग किलोमीटर तक ले जाना चाहती है, जिससे इंडिया की एनर्जी सिक्योरिटी और मजबूत होगी।' पुरी ने जियो इंडिया 2024 कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमारे पास क्रूड ऑयल का 65.18 करोड़ टन और नैचरल गैस का 1138.6 बिलियन क्यूबिक मीटर का भंडार है।'

उत्पादन का हाल

पेट्रोलियम एंड नैचरल गैस मिनिस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में देश में 27 लाख टन क्रूड उत्पादन का लक्ष्य था, लेकिन प्रोडक्शन 22 लाख टन ही हो सका। पिछले साल अक्टूबर में यह 23 लाख टन था। सरकारी कंपनियों में ऑयल इंडिया लिमिटेड ही 3 लाख टन का टारगेट हासिल कर सकी। ओएनजीसी ने 17 के मुकाबले 14 लाख टन पर पहुंच सकी और प्राइवेट/जॉइंट वेंचर्स के जरिए 7 के मुकाबले 4 लाख टन प्रोडक्शन हो सका। अप्रैल से अक्टूबर तक 1.8 करोड़ टन के मुकाबले कुल 1.54 करोड़ टन प्रोडक्शन हुआ, जो सालभर पहले की इसी अवधि में 1.59 करोड़ टन था।

उपभोग और आयात बढ़ा

अक्टूबर में पेट्रोल-डीजल सहित पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का उपभोग सालभर पहले के इसी महीने से 2.9 प्रतिशत बढ़कर 2 करोड़ टन रहा। अप्रैल से अक्टूबर तक उपभोग में सालभर पहले की इसी अवधि के मुकाबले 3 प्रतिशत की बढ़त रही और 13.37 करोड़ टन का आंकड़ा रहा। अक्टूबर में क्रूड ऑयल का आयात सालभर पहले से 4.2 प्रतिशत बढ़कर 1.95 करोड़ टन रहा। अप्रैल से अक्टूबर तक इंपोर्ट 3.5 प्रतिशत बढ़कर 14 करोड़ टन से अधिक रहा। अक्टूबर में इंपोर्ट बिल करीब 11 प्रतिशत घटकर 10.6 बिलियन डॉलर रहा, लेकिन अप्रैल से अक्टूबर तक का इंपोर्ट बिल सालभर पहले से 7.6 प्रतिशत बढ़कर 81.7 बिलियन डॉलर हो गया।

आयात पर निर्भरता बढ़ी

अक्टूबर में इंपोर्ट बिल घटने के पीछे ब्रेंट क्रूड के ऐवरेज ग्लोबल प्राइस में कमी का योगदान रहा। सालभर पहले के 91.1 डॉलर प्रति बैरल के मुकाबले इस साल यह 75.6 डॉलर प्रति बैरल रहा। अक्टूबर में इंडियन बास्केट के लिए क्रूड प्राइस 75.12 डॉलर रही, जो सालभर पहले 90.1 डॉलर थी।

इस दौरान इंपोर्ट पर निर्भरता बढ़ी। सालभर पहले के 87.7 प्रतिशत के मुकाबले अक्टूबर में यह 89 प्रतिशत हो गई। अप्रैल से अक्टूबर तक की अवधि में भारत ने अपनी जरूरत का 88.1 प्रतिशत क्रूड इंपोर्ट किया। सालभर पहले यह 87.6 प्रतिशत था।

फायदा ही फायदा...! ऑनलाइन खरीदारी में क्रेडिट कार्ड से जमकर हुआ पेमेंट, कारण जानकर चौंक जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल इन दिनों काफी तेजी से बढ़ रहा है। वहीं ऑनलाइन खरीदारी में यह इस्तेमाल कुछ ज्यादा है। खासतौर से ई-कॉमर्स कंपनियों से। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2024 में 1,76,201 करोड़ रुपये क्रेडिट कार्ड से खर्च हुए। इनमें से सबसे ज्यादा रकम ऑनलाइन खरीदारी में खर्च हुई।

क्रेडिट कार्ड यूजर्स ने ऑनलाइन खरीदी में 1,15,168 करोड़ रुपये ऑनलाइन खर्च किए। यह सितंबर में कुल खर्च का करीब 65 प्रतिशत है। जानकारों के मुताबिक ई-कॉमर्स छूट के कारण क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन खर्च में तेजी जारी है। ऑनलाइन ट्रांजेक्शन का मूल्य कुछ समय के लिए इन-स्टोर पेमेंट से आगे निकल गया है, लेकिन ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की

मात्रा अभी भी फिजिकल ट्रांजेक्शन से पीछे है। सितंबर में इन-स्टोर ट्रांजेक्शन की संख्या 19.8 करोड़ थी, जो 19.4 करोड़ ऑनलाइन पेमेंट से थोड़ी अधिक थी। अप्रैल में ऑफलाइन ट्रांजेक्शन 18.4 करोड़ थे, जबकि ऑनलाइन 15.9 करोड़ थे। ऑनलाइन खर्च में उछाल त्योहारी सीजन के दौरान ई-कॉमर्स बिक्री में वृद्धि के अनुरूप है, जो सितंबर में शुरू हुआ था। डेटम इंटेलिजेंस ने अनुमान लगाया कि सितंबर और अक्टूबर में ई-कॉमर्स की बिक्री लगभग 12 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई, जो पिछले साल से 23 प्रतिशत अधिक है। फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बिक्री 26 प्रतिशत बढ़ी। इसमें मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक्स का योगदान रहा। डेटम के अनुसार, क्रिक-कॉमर्स में ऑनलाइन कार्ड खर्च साल-दर-साल 74 प्रतिशत बढ़ रहा है।

क्यों आई क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में तेजी?

पैसाबाजार की ओर से 700 क्रेडिट कार्ड यूजर्स के बीच त्योहारी खरीदारी के रुझानों पर एक सर्वे किया गया। इसमें पता चला कि यूजर्स ने कार्ड के इस्तेमाल पर विशेष ऑफर और सुविधा के कारण ऑनलाइन खरीदारी को प्राथमिकता दी गई। सर्वे के मुताबिक 80 प्रतिशत यूजर्स को त्योहारी सीजन के दौरान ऑनलाइन खरीदारी में काफी फायदा हुआ।

67 वर्षीय दास 67 साल में सबसे लंबे समय तक रहे आरबीआई गवर्नर, 10 दिसंबर को पूरा होगा कार्यकाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने 67 वर्ष में सबसे लंबे समय तक गर्वनर बने रहने का रिकॉर्ड बनाया है। 67 वर्षीय दास का कार्यकाल 10 दिसंबर को खत्म हो रहा है। माना जा रहा है कि इस बार उन्हें सेवा विस्तार नहीं मिलेगा। ऐसे में सरकार विधानसभा चुनावों के खत्म होने के बाद नए गवर्नर की तलाश शुरू कर सकती है। शक्तिकांत दास को 2018 में भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई गवर्नर बनाया गया था। कोरोना में बेहतर काम करने के बाद उन्हें तीन साल का सेवा विस्तार मिला। अगर उन्हें 18 महीने से ज्यादा का फिर से सेवा विस्तार मिलता है तो वह केंद्रीय बैंक के इतिहास में सबसे लंबे समय तक गवर्नर बने रहने का रिकॉर्ड बना सकते हैं। इससे पहले बेनेगल रामा राव जुलाई 1949 से जनवरी 1957 के बीच सात साल से ज्यादा समय तक गवर्नर रहे थे। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति यानी एमपीसी की बैठक 4-6 दिसंबर के बीच होगी। दास ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के दरों में कटौती पर पिछले दिनों कहा कि वे इसका दिसंबर में जवाब देंगे।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार 6 सप्ताह तेज गिरावट, पाकिस्तान का बढ़ गया!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह भी भारी गिरावट देखने को मिली है। बाजार में गिरावट की वजह विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार से पैसे निकालना है। तभी तो 8 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 6.477 बिलियन की तेज गिरावट हुई है। यह लगातार छठा सप्ताह है, जबकि अपना भंडार घटा है। उधर पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर बढ़ोतरी हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक से जारी आंकड़ों के मुताबिक आठ नवंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 6.477 बिलियन की भारी गिरावट हुई है। इसी के साथ अपना विदेशी मुद्रा भंडार अब घट कर 675.653 बिलियन रह गया है। इससे एक सप्ताह पहले भी अपने भंडार में 2.675 बिलियन की कमी

हुई थी। यह लगातार छठा सप्ताह है, जबकि अपना विदेशी मुद्रा भंडार घट ही रहा है। इसी साल 27 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियन पर था। यह अब तक का सर्वकालिक उच्चतम स्तर है।

फॉरेन करेंसी एसेट्स में भी कमी

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां भी घटी हैं। आठ नवंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने एफसीएएस में 4.467 बिलियन की कमी हुई है। अब अपना एफसीए भंडार घट कर यूएसडी 585.383 बिलियन रह गया है। उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व भी कम हुआ

बीते सप्ताह देश का गोल्ड रिजर्व या स्वर्ण भंडार भी घट गया है। रिजर्व बैंक के मुताबिक आठ नवंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के स्वर्ण भंडार में 1.936 बिलियन की कमी हुई है। इसी के साथ अब अपना सोने का भंडार घट कर यूएसडी 67.814 बिलियन का रह गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में कमी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर में करीब 60 मिलियन डॉलर की कमी हुई है। अब यह घट कर 18.159 बिलियन डॉलर का रह गया है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में में भी कमी हुई है। इस सप्ताह इसमें .14 मिलियन की कमी हुई है। अब यह घट कर .4.298 बिलियन का रह गया है।

पाकिस्तान का भंडार बढ़ गया

अपने पड़ोसी देश, पाकिस्तान को इन दिनों विदेशी मुद्रा भंडार की जबरदस्त किल्लत झेलनी पड़ रही है। तब भी वहां का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले सप्ताह बढ़ गया। इससे पहले के सप्ताह में वहां का भंडार घटा था। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक के मुताबिक आठ नवंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में 33.7 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब वहां का विदेशी मुद्रा भंडार 15.965 अरब डॉलर का हो गया है।

200 रुपये का डिविडेंड देने के बाद फिर 1 शेयर पर 60 का डिविडेंड दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट इसी महीने

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रॉक्टर एंड गैम्बल हेल्थ लिमिटेड एक बार फिर से एक्स-डिविडेंड करने जा रहा है। कंपनी इस बार एक शेयर पर 60 रुपये का डिविडेंड देगी। कंपनी इसी महीने एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी। बता दें, गुरुवार को कंपनी के शेयर बीएसई में बाजार बंद होने के समय पर 1.41 प्रतिशत की गिरावट के बाद 5143.95 रुपये के लेवल पर था।

शेयर बाजारों को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि एक शेयर पर 60 रुपये का डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। कंपनी ने इस डिविडेंड के लिए 28 नवंबर 2024 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें डिविडेंड ही का लाभ मिलेगा।

प्रॉक्टर एंड गैम्बल हेल्थ लिमिटेड एक बार फिर से एक्स-डिविडेंड करने जा रहा है। कंपनी इस बार एक शेयर पर 60 रुपये का डिविडेंड

देगी। कंपनी इसी महीने एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी। बता दें, गुरुवार को कंपनी के शेयर बीएसई में बाजार बंद होने के समय पर 1.41 प्रतिशत की गिरावट के बाद 5143.95 रुपये के लेवल पर था।

शेयर बाजारों को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि एक शेयर पर 60 रुपये का डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। कंपनी ने इस डिविडेंड के लिए 28 नवंबर 2024 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें डिविडेंड ही का लाभ मिलेगा।

इस साल अबतक 200 रुपये का डिविडेंड कंपनी दे चुकी है। इससे पहले कंपनी 14 फरवरी 2024 को एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 150 रुपये का स्पेशल डिविडेंड और 50 रुपये का अंतरिम डिविडेंड दिया था। बता दें, कंपनी पहली बार 29 मई 2001 को एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 3.5 रुपये का डिविडेंड दिया था।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा है

प्रॉक्टर एंड गैम्बल हेल्थ लिमिटेड के शेयर बीते एक हफ्ते के दौरान करीब 10 प्रतिशत तक टूट गया है। वहीं, एक महीने में स्टॉक का भाव 1.48 प्रतिशत तक गिरा है। एक साल में यह डिविडेंड स्टॉक महज 0.61 प्रतिशत का ही रिटर्न देने में सफल रहा है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 5835.95 रुपये और कंपनी का 52 वीक लो लेवल 4640.30 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप बीएसई में 8538.64 करोड़ रुपये का है।

डिजिटल कॉमर्स के दम पर आए बदलाव से एमएसएमई को मिला सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। चाहे अर्थव्यवस्था बड़ी हो या छोटी, हर अर्थव्यवस्था में कुछ कंपनियां ऐसी होती हैं, जो हमेशा चर्चा में रहती हैं। हालांकि चकाचौंध से दूर किसी भी देश के कारोबार का झंडा बुलंद करने वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) ही होते हैं। पारंपरिक तौर पर पहले एमएसएमई की बाजार, टेक्नोलॉजी और फंड तक पहुंच सीमित हुआ करती थी। टेक्नोलॉजी या तो उनके काम की नहीं होती थी या फिर उस तक पहुंच मुश्किल होती थी। दूसरी ओर, फंड बहुत महंगे होते थे। नतीजतन ये उद्यम आकार में छोटे ही रह जाते थे और कभी अपनी स्थानीय सीमा से बाहर नहीं बढ़ पाते थे। दो दशक पहले डिजिटल कॉमर्स का पदार्पण हुआ और एमएसएमई के संचालन का तरीका हमेशा के लिए बदल गया। अब नतीजा स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है - रेडसियर की तरफ से एमएसएमई को लेकर जारी हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 6.4 करोड़ एमएसएमई संचालन में है और इनमें से 12 प्रतिशत यानी करीब 77 लाख एमएसएमई डिजिटल रूप से सशक्त हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है।

ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म टेक्नोलॉजी को लोकतांत्रिक बनाने में अहम साबित हुए हैं। एक ओर जहां टेक्नोलॉजी की लागत कम हो रही है, वहीं यह लगातार बदल और बढ़ रही है। ऐसे में नई टेक्नोलॉजी को खरीदना हमेशा बहुत आसान नहीं होता है। इसी कमी को ईकॉमर्स पूरा कर देता है। यहां एमएसएमई को टेक्नोलॉजी तक पहुंच मिलती है, जिसे वे अपनी जरूरत के अनुरूप प्रयोग करने में सक्षम होते हैं। इसलिए उन्हें लगातार टेक्नोलॉजी में निवेश करने की जरूरत नहीं रह जाती। लॉजिस्टिक्स की महंगी व्यवस्था को संभालने की जिम्मेदारी भी ईकॉमर्स कंपनियां उठाती हैं, जिससे ज्यादातर एमएसएमई को बस अपने मुख्य परिचालन पर ध्यान देना होता है और उनका कारोबार बढ़ता है। ईकॉमर्स कंपनियों की तरफ से मिलने वाली डिजिटल टेक्नोलॉजी की मदद से एमएसएमई के लिए कारोबार का विस्तार करने के साथ-साथ इन्वेंटरी मैनेजमेंट से लेकर अकाउंटिंग एवं बिलिंग तक के रोजाना के काम करना भी संभव होता है।

2025 पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी टूर इस्लामाबाद से शुरू होगा: आईसीसी

दुबई, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की कि 2025 पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी टूर शनिवार को इस्लामाबाद से शुरू होगा। ट्रॉफी को शहर के प्रसिद्ध स्थलों जैसे दमन-ए-कोह, फैसल मस्जिद और पाकिस्तान स्मारक में भी प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर भी मौजूद रहेंगे। ट्रॉफी टूर हर बड़े आईसीसी इवेंट से पहले एक प्रमोशनल इवेंट होता है, लेकिन गुरुवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा घोषणा किए जाने के बाद यह एक बड़े विवाद में फंस गया कि स्कार्दू, मुरी, हुंजा और मुजफ्फराबाद जैसे स्थान - जिनमें से तीन पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आते हैं - ट्रॉफी टूर सूची में होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा शुक्रवार को कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद आईसीसी द्वारा घोषित ट्रॉफी टूर कार्यक्रम में केवल मुरी को ही रखा गया है, जबकि 25 नवंबर तक पाकिस्तान संस्करण की यात्रा के लिए तक्षशिला, खानपुर, एबटाबाद, नथिया गली और कराची जैसे स्थानों को सूची में रखा गया है।

आईसीसी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अनुराग दहिया ने कहा, सभी भाग लेने वाले देशों में प्रदर्शित किए जाने वाली विजेता ट्रॉफी से खेल के उत्साही प्रशंसकों को प्रतिष्ठित ट्रॉफी के करीब होने का अविस्मरणीय अनुभव मिलेगा।

ट्रॉफी 26-28 नवंबर तक अफगानिस्तान का दौरा करेगी, फिर 10-13 दिसंबर तक बांग्लादेश जाएगी और 15-22 दिसंबर तक दक्षिण अफ्रीका में रहेगी। इसके बाद यह 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक ऑस्ट्रेलिया में रहेगी और उसके बाद 6-11 जनवरी तक न्यूजीलैंड जाएगी। 12-14 जनवरी तक इंग्लैंड का दौरा करने के बाद, ट्रॉफी 15-26 जनवरी तक भारत में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी, उसके बाद 27 जनवरी को पाकिस्तान वापस आएगी। पुरुषों की चैंपियंस ट्रॉफी आखिरी बार 2017 में इंग्लैंड में आयोजित की गई थी और पाकिस्तान ने जीती थी। लेकिन आठ टीमों के इस टूर्नामेंट का औपचारिक कार्यक्रम अधर में लटका हुआ है, क्योंकि बीसीसीआई ने सुरक्षा चिंताओं के कारण पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर दिया है.

दक्षिण अफ्रीका में टी20 श्रृंखला में जीत विशेष है: वीवीएस लक्ष्मण

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम के मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में जीत को विशेष करार दिया। भारत ने शुक्रवार को यहां चौथे और अंतिम मैच में 135 रन से जीत दर्ज करके चार मैच की श्रृंखला 3-1 से जीती। इस श्रृंखला में बल्लेबाज तिलक वर्मा और संजू सैमसन तथा गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। लक्ष्मण ने एक्स पर पोस्ट किया, 'जिस तरह से हमारे खिलाड़ी पूरी श्रृंखला में खेले उससे मुझे वास्तव में उन पर बहुत गर्व है। श्रृंखला में 3-1 से जीत विशेष प्रयास का परिणाम है। सूर्यकुमार यादव ने बेहतरीन कप्तानी की।

संजू सैमसन और तिलक ने बल्लेबाजी में कमाल दिखाया तो गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन असाधारण रहा। पूरी टीम ने जिस तरह का प्रदर्शन किया और एक दूसरे की सफलता का आनंद उठाया, उससे मुझे इन खिलाड़ियों पर गर्व है। इस यादगार जीत के लिए बधाई। कप्तान सूर्यकुमार ने भी श्रृंखला में जीत को विशेष बताया। उन्होंने ड्रेसिंग रूम में अपने साथियों को संबोधित करते हुए कहा, 'शाबाश मेरे साथियो। हर किसी को बधाई। हर कोई जानता है कि विदेशों में श्रृंखला जीतना कितना मुश्किल है। प्रत्येक खिलाड़ी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। प्रत्येक खिलाड़ी को श्रेय जाता है। हमने टीम के रूप में यह श्रृंखला जीती है। सूर्यकुमार ने कहा, 'यह जीत विशेष है और मुझे पूरा विश्वास है कि हर कोई इससे खुश होगा।

रोहित शर्मा दूसरी बार बने पिता-सूर्या

▶ संजू और तिलक ने दी बधाई

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। भारत के टी20 स्टार सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा को उनके परिवार में एक नए सदस्य के जुड़ने पर शुभकामनाएं दीं। रोहित की पत्नी रितिका सजदेह ने बेटे को जन्म दिया है। हालांकि, इस जोड़े ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

तिलक ने कहा, रोहित भाई, आपके लिए वास्तव में बहुत खुश हूं। हम इस पल का इंतजार कर रहे थे और अगर यह एक-दो दिन बाद होता तो मैं वहां आपके साथ होता। मैं जल्द ही आ रहा हूं। सैमसन ने कहा, चेता और उनके परिवार के लिए बहुत खुश हूं। अब हमें छोटे साइड आर्म और छोटे पैड के साथ तैयार रहना होगा क्योंकि नया क्रिकेटर आ गया है। रोहित ने निजी कारणों का हवाला देते हुए बीसीसीआई से एक या दो टेस्ट मैचों के लिए समय मांगा था, जिसके बाद वे अभी तक पर्थ में अपने साथियों के साथ नहीं जुड़े हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में सलामी बल्लेबाज की भागीदारी अभी भी स्पष्ट नहीं है।

जोहान्सबर्ग में भारत की शानदार जीत में तिलक ने 10 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 47 गेंदों पर नाबाद 120 रन बनाए थे, जबकि सलामी बल्लेबाज सैमसन ने 56 गेंदों पर 9 छक्कों और 6 चौकों की मदद से नाबाद 109 रन बनाकर भारत को 20 ओवरों में 283 रनों के विशाल स्कोर तक पहुंचाया था।

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य के दबाव में दम तोड़ दिया और 18.2 ओवर में 148 रन पर आउट हो गए। अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिए, जबकि वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट लिए। भारत ने मैच 135 रन से जीतकर इस प्रारूप में अपनी तीसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। इस बीच, यह दक्षिण अफ्रीका की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी टी20 हार थी। भारतीय टी20 कप्तान ने कहा, हमने एक बात तय कर ली है, हम आक्रामक रहना चाहते हैं लेकिन साथ ही हमें गेम पर पूरा फोकस भी रखना होगा।

दक्षिण अफ्रीका में दो शतक जड़ने पर तिलक वर्मा ने कहा, ये एक अविश्वसनीय अहसास

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। भारतीय युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने अंतिम दो मैचों में लगातार शतक जड़कर मेहमान टीम को 3-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सेंचुरियन में तीसरे टी20 में अपना पहला शतक लगाने के बाद, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपने पिछले प्रदर्शन को बेहतर किया और प्रोटियाज गेंदबाजों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने 47 गेंदों पर 10 छक्के और 9 चौके की मदद से नाबाद 120 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने 56 गेंदों पर 9 छक्कों और 6 चौकों की मदद से नाबाद 109 रन बनाए। इन दोनों पारियों के बदौलत भारत ने 20 ओवरों में 283 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में, दक्षिण अफ्रीका की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई और 18.2 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिए, जबकि वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट लिए। भारत ने मैच 135 रन से जीतकर इस प्रारूप में अपनी तीसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जबकि, यह दक्षिण अफ्रीका की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी टी20 हार थी। तिलक ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में कहा, मैं एक मजेदार बात बताना चाहता था, पिछले साल जब मैं यहां खेला था तो मैं पहली ही गेंद पर आउट हो गया था। यह पारी टीम और सीरीज के लिए बहुत महत्वपूर्ण थी। मैं बस अपनी योजनाओं पर फोकस और अपनी फॉर्म को बनाए रखना चाहता हूं। इसी तरह अपने बेसिक्स पर खेलना चाहता हूं जैसा कि मैंने पिछले गेम में किया था, मैं शांत था.. यह एक अविश्वसनीय अहसास है।

तिलक चार मैच में 280 रन बनाकर सीरीज में शीर्ष स्कोरर रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया। जोहान्सबर्ग में भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक रात थी, क्योंकि उन्होंने कई उपलब्धियां हासिल की। संजू सैमसन और तिलक वर्मा के बीच नाबाद 210 रन की साझेदारी टी20 में भारत के लिए किसी भी विकेट के लिए सबसे ज्यादा है।

▶ मैं आपको जान से मार दूंगा

टायसन को जेक पॉल के भाई और डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर लोगन से मिली धमकी

टेक्सास, एजेंसी। प्रसिद्ध खेल पत्रकार एरियल हेलवानी ने टायसन से मैच के बाद मुक्केबाजी में उनकी योजनाओं के बारे में पूछा। इस पर टायसन ने जवाब दिया- मुझे नहीं मालूम। यह स्थिति पर निर्भर करता है।

जेक पॉल ने शनिवार को पेशेवर मुक्केबाजी मैच में अमेरिकी दिग्गज माइक टायसन को हराकर सभी को चौंका दिया। हालांकि, दोनों मुक्केबाजों के बीच उम्र का भारी अंतर था। टायसन की उम्र जहां 58 साल है और वह 19 साल बाद प्रोफेशनल बॉक्सिंग में वापसी कर रहे थे, वहीं जेक पॉल की उम्र 27 साल है। 58 वर्षीय टायसन ने आर्लिंगटन के एटी एंड टी स्टेडियम में आठ राउंड के मुकाबले के दौरान कड़ी मेहनत की और आखिरी राउंड तक डटे रहे। उन्होंने जेक को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, वह जीत हासिल नहीं कर सके। मैच के बाद टायसन से पूछा गया कि क्या यह उनका आखिरी मुक्केबाजी मुकाबला था और इसका उन्होंने दिलचस्प जवाब दिया।

प्रसिद्ध खेल पत्रकार एरियल हेलवानी ने टायसन से मैच के बाद मुक्केबाजी में उनकी योजनाओं के बारे में पूछा। इस पर टायसन ने जवाब दिया- मुझे नहीं मालूम। यह स्थिति पर निर्भर करता है। जब इसी विषय पर आगे पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता कि यह आखिरी मैच है?

टीम इंडिया की सबसे बड़ी टेंशन कोच को शांत रखना, टिम पेन ने उठाया गंभीर पर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर दोनों ही टीमें एक्शन मोड में है, साथ ही तीखी बयानबाजी का दौर भी शुरू हो चुका है। इस बीच पूर्व ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान टिम पेन ने टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। टिम पेन ने भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर की रिकी पोंटिंग के प्रति हालिया टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मेहमान टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता दबाव में शांत नहीं रह पाना हो सकता है। पोंटिंग ने कहा था कि वे विराट कोहली के फॉर्म को लेकर चिंतित हैं। पिछले पांच वर्षों में उन्होंने दो टेस्ट शतक बनाए हैं। लेकिन गंभीर ने इसके जवाब में प्रेस कॉन्फ्रेंस में पलटवार करते हुए कहा, पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है? उन्हें ऑस्ट्रेलिया के बारे में बात करनी चाहिए।

इसके बाद पोंटिंग ने कहा कि गंभीर एक जल्दी नाराज हो जाने वाला व्यक्ति है। मुझे पता था कि वह कुछ ऐसी ही प्रतिक्रिया देगा। पेन ने कहा, मुझे यह चीज पसंद नहीं है। यह क्रिकेट के लिहाज से एक अच्छा संकेत नहीं है, क्योंकि उनसे बस एक बहुत ही सरल सवाल पूछा गया था। मुझे लगता है कि शायद वह रिकी को अभी भी ऐसे व्यक्ति के रूप में देख रहे हैं जिसके खिलाफ वह खेल रहे हैं, लेकिन रिकी अब एक कमेंटेटर हैं। उन्हें अपनी राय देने के लिए पैसे मिलते हैं, और उनकी राय बिल्कुल सही थी। विराट का प्रदर्शन गिरता जा रहा है, यह निश्चित रूप से चिंता का विषय है। लेकिन मेरे लिए, भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता रोहित शर्मा की बल्लेबाजी नहीं है, विराट कोहली की बल्लेबाजी नहीं है बल्कि उनके कोच और दबाव में शांत न रह पाने की उनकी क्षमता है। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांच टेस्ट मैचों में से पहला टेस्ट मैच 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगा। इसके बाद एडिलेड, ब्रिसबेन, मेलबर्न और पर्थ में मैच होंगे।

पेन का यह भी मानना है कि पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री, जो ऑस्ट्रेलिया में भारत की दो टेस्ट सीरीज जीत के सूत्रधार थे। उन्होंने अपने शांत रवैये से टीम को एक नई ऊर्जा दी थी। जो शायद गंभीर के कार्यकाल में आना मुश्किल है।

39 साल के रोनाल्डो ने बाइसाइकिल किक से किया स्कोर दो गोल दागे

पुर्तगाल ने पोलैंड को 5-1 से हराया

मैड्रिड, एजेंसी। रोनाल्डो ने इसके बाद अपने चिर परिचित अंदाज में जश्न मनाया। रोनाल्डो के अलावा राफा लियाओ, ब्रूनो फर्नांडीस और पेड्रो नेटो ने गोल दागे। पोलैंड ने एकमात्र गोल 88वें मिनट में किया। पोलैंड की इस हार से क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल के दम पर पुर्तगाल ने शुक्रवार को पोलैंड को 5-1 से हराकर नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। रोनाल्डो ने पोर्टो में खेले गए मैच में शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

उन्होंने (72वें मिनट) पेनल्टी किक पर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 134वां गोल किया और फिर कुछ देर बाद (87वें मिनट) ओवरहेड पास पर बाइसाइकिल किक से गोल करके पुर्तगाल की तरफ से अपने कुल गोल की संख्या 135 पर पहुंचा दी। रोनाल्डो ने इसके बाद अपने चिर परिचित अंदाज में जश्न मनाया। रोनाल्डो के अलावा राफा लियाओ, ब्रूनो फर्नांडीस और पेड्रो नेटो ने गोल दागे। पोलैंड ने एकमात्र गोल 88वें मिनट में किया। पोलैंड की इस हार से क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। स्कॉटलैंड ने क्रोएशिया को 1-0 से हराकर नौ मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज करके टूर्नामेंट के शीर्ष स्तर पर बने रहने की अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं। इस बीच बुखारेस्ट में रोमानिया और कोसोवो के बीच मैच को इंजरी टाइम में रोक दिया गया और बाद में इसे गोल रहित ड्रॉ पर रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई हुई और कोसोवो के खिलाड़ी मैदान से बाहर चले गए। यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए ने यह नहीं बताया कि खेल को बीच में क्यों रोक दिया गया लेकिन कथित तौर पर कोसोवो के खिलाड़ी सर्बियाई समर्थक नारे सुनकर नाराज थे। इस फ़ुटबॉल संस्था ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, रोमानिया और कोसोवो के बीच यूईएफए नेशंस लीग मैच रद्द कर दिया गया है। यूईएफए उचित समय पर आगे की जानकारी देगा। ग्रुप ए4 में पहले ही अपना पहला स्थान सुनिश्चित कर चुके स्पेन ने कोपेनहेगन में डेनमार्क को 2-1 से हराया।

ड्राइविंग लाइसेंस से पकड़ा गया मोहम्मद शमी का सच?

नईदिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी भारतीय क्रिकेट के सबसे महान गेंदबाजों में से एक हैं. इंटरनेशनल क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट ले चुके हैं और हाल ही में चोट से वापसी के कारण सुर्खियों में बने रहे हैं. अब वो उम्र में फ्रॉड की अफवाहों को लेकर चर्चा का केंद्र बन गए हैं. शमी, 2023 वनडे वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे थे, लेकिन उम्र में फ्रॉड की खबरें उनकी बदनामी का कारण बन गई हैं. इसी वजह से शमी ट्रोल भी हो रहे हैं.

मोहम्मद शमी ने पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ झेला है. उनकी वाइफ रहीं हसीन जहां ने उनपर घरेलू उत्पीड़न और मैच फिक्सिंग जैसे गंभीर आरोप भी लगाए. अच्छी बात यह रही कि क्चष्टष्ठ बहुत समय पहले ही शमी को फिक्सिंग मामले में क्लीन चिट दे चुका है. अब एक ड्राइविंग लाइसेंस की तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें शमी की उम्र 42 साल बताई गई है.

ड्राइविंग लाइसेंस का सच

एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर मोहम्मद शमी का ड्राइविंग लाइसेंस शेयर कर दिया है. इसे देखकर पता चलता है कि शमी की उम्र 42 साल है जबकि वो खुद को 34 वर्षीय बताते हैं.

उम्र में 8 साल का अंतर पाने के बाद लोग शमी को ट्रोल करने में लगे हैं. एक गौर करने वाली बात यह भी है कि ड्ड से उस पोस्ट को डिलीट किया जा चुका है, जो पॉलिसी का उल्लंघन कर रहा था. मगर अन्य लोगों ने तस्वीर लेकर इसे सोशल मीडिया पर दोबारा शेयर करने में जरा भी देर नहीं लगाई. अभी तक ऐसा कुछ सामने नहीं आया है कि यह ड्राइविंग लाइसेंस की तस्वीर असली या एडिट की गई है. यह तस्वीर ना केवल शमी बल्कि क्चष्टष्ठ पर भ सवाल खड़े कर रही है.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट से बाहर होंगे शुभमन गिल? टीम इंडिया की बढ़ गई टेंशन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. इसका पहला मैच पर्थ में आयोजित होना है. इससे ठीक पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है. एक रिपोर्ट के मुताबिक ओपनर शुभमन गिल चोटिल हो गए हैं. गिल फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए. अगर वे पर्थ टेस्ट से पहले फिट नहीं हुए तो पहले मैच से बाहर हो जाएंगे.

गिल टीम इंडिया के लिए नंबर तीन पर बैटिंग करते हैं. वे ओपनिंग भी कर चुके हैं. टाइम्स ऑफ इंडिया की एक खबर के मुताबिक शुभमन शनिवार को फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए. उनकी उंगली में चोट लगी है. गिल की चोट पर अभी तक आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है. भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 22 नवंबर से खेला जाना है. इसमें अभी वक्त है. अगर गिल तब तक ठीक हो गए थे पहले टेस्ट में खेलेंगे, नहीं तो इससे

बाहर हो जाएंगे. गिल भारत के लिए कई मौकों पर शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं. उनका चोटिल होना टीम की टेंशन बढ़ा सकता है. गिल की इंजरी पर अभी आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है. लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इस पर अगले तीन में जानकारी दे सकता है.

संक्षिप्त समाचार

नक्सलियों के डर से छोड़े थे गांव, 21 साल बाद वापस अबूझमाड़ लौटेगा 25 परिवार

रायपुर, एजेंसी। नक्सलियों के डर से अपना गांव छोड़ने के दो दशक से अधिक समय बाद लगभग 25 आदिवासी परिवार छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में अपने मूल स्थान पर लौटने की योजना बना रहे हैं। इन परिवारों के लगभग 100 सदस्यों ने 2003 में अबूझमाड़ स्थित गारपा गांव में घर छोड़ दिया था।

2003 में अबूझमाड़ स्थित गारपा गांव छोड़ने के बाद इन 25 परिवारों को नारायणपुर शहर के बाहरी इलाके में सरकारी भूमि पर बसाया गया। यहां उन्होंने आजीविका के लिए खेती करना शुरू कर दिया। अब 21 साल बाद ये परिवार हाल ही में अपने मूल स्थान को देखने गए। विकास कार्यों और स्थानीय आबादी के लिए पुलिस द्वारा वहां एक शिविर स्थापित करने के बाद अब ये परिवार वहां पुनर्वास की योजना बना रहे हैं।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले की सीमा से लगा अबूझमाड़ हाल तक नक्सलियों का गढ़ माना जाता था। 4 अक्टूबर को सुरक्षाबलों ने इलाके में एक मुठभेड़ के दौरान 31 नक्सलियों को मार गिराया था। नक्सलियों की धमकी के बाद गांव छोड़ने वाले 60 साल के सुक्कुराम नुरेटी ने पीटीआई को बताया कि पैतृक जमीन छोड़ना कभी

आसान नहीं था। हमारे पास अपनी जान बचाने के लिए भागने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

नुरेटी का परिवार उन 25 परिवारों में से एक था, जिन्होंने अप्रैल 2003 में गारपा छोड़ दिया था। नुरेटी अबूझमारिया समुदाय से हैं, जो विशेष रूप से कमजोर एक आदिवासी समूह है।

उन्होंने कहा कि गांव के 80 परिवारों में से लगभग 25 लोग गायत्री परिवार के अनुयायी थे। नक्सलियों ने इस पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने हमें धमकी दी कि अगर हमने गायत्री परिवार का अनुसरण नहीं छोड़ा तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इसलिए हमने गांव छोड़ने का फैसला किया। नुरेटी ने कहा कि वे हमेशा वापस लौटना चाहते थे। पूर्व में जनपद पंचायत के सदस्य रह चुके नुरेटी ने कहा कि अब ऐसा लगता है कि हमारा सपना सच हो जाएगा। वहां एक पुलिस शिविर स्थापित किया गया है और चीजें बेहतर होने लगी हैं। नुरेटी और गांव छोड़ने वाले अन्य लोगों ने पिछले सप्ताह गारपा का दौरा किया। इन लोगों ने भगवान शिव का मंदिर खोला जो 2003 से बंद था। उन्होंने कहा कि हम गांव में फिर से बसने की योजना बना रहे हैं क्योंकि वहां हमारे खेत और घर हैं। छत्तीसगढ़ पुलिस ने पिछले आठ महीनों में गारपा, कस्तूरमेटा, मस्तूर, इरकभट्टी, मोहंती और होराडी गांवों में सुरक्षा शिविर स्थापित किए हैं। पुलिस के अनुसार, इन शिविरों की स्थापना ने नक्सलियों को क्षेत्र में बहुत सीमित एरिया में धकेल दिया है।

नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि दूरदराज और नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा शिविर हजारों ग्रामीणों को नियाद नेल्लानार योजनाओं के माध्यम से विकास कार्यों और कल्याणकारी उपायों का लाभ उठाने में मदद करेंगे। नियाद नेल्लानार के तहत राज्य सरकार सुरक्षा शिविरों के 5 किलोमीटर के दायरे में आंतरिक गांवों में विकास कार्य कर रही है। एसपी ने कहा कि नव स्थापित शिविरों के आसपास के गांवों से नक्सलियों द्वारा बेदखल किए गए आदिवासी अपने घरों को लौटने लगे हैं। ग्रामीणों पर पहले विकास परियोजनाओं का विरोध करने के लिए नक्सलियों का दबाव था। लेकिन, वे अब सड़क, मोबाइल टावर, स्वास्थ्य सुविधा और स्कूलों की मांग कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासन के प्रयासों से आने वाले दिनों में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

चंडीगढ़ की एक इंच जमीन भी हरियाणा को नहीं देंगे

इस पर सिर्फ पंजाब का हक

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आप) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें चंडीगढ़ में हरियाणा विधान सभा परिसर स्थापित करने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है। प्रतिनिधिमंडल में मंत्री हरजोत बैंस, आप नेता दीपक बाली और परमिंदर सिंह गोल्डी शामिल थे। राजभवन के बाहर एक प्रेस वार्ता में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह मामला पंजाब के लिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि चंडीगढ़ पंजाब की राजधानी है और पूरी तरह से राज्य का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पंजाब की आप सरकार हरियाणा विधानसभा के निर्माण के लिये चंडीगढ़ में जमीन आवंटित करने के किसी भी फैसले का दृढ़तापूर्वक विरोध करती है।

चीमा ने कहा कि चंडीगढ़ कायदे से सिर्फ पंजाब की राजधानी है। किसी अन्य राज्य को यहां अपनी विधानसभा बनाने का कोई अधिकार नहीं है। हरियाणा सरकार ने पंचकुला में 12 एकड़ के बदले चंडीगढ़ में 10 एकड़ जमीन मांगी है। यह प्रस्ताव चंडीगढ़ में अपना विधानसभा परिसर स्थापित करने के उनके स्पष्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो हमें स्वीकार नहीं है। उन्होंने दो टूक कहा कि चंडीगढ़ का एक इंच भी जमीन हरियाणा को नहीं दिया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि पिछली सरकारें चंडीगढ़ के संबंध में पंजाब के हितों की रक्षा करने में विफल रही हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब पंजाब और हरियाणा का निर्माण हुआ था, तो यह स्पष्ट था कि हरियाणा अपनी राजधानी पंचकुला में स्थापित करेगा, न कि चंडीगढ़ में। इसलिए हरियाणा को अपनी विधानसभा पंचकुला में ही बनानी चाहिए।

आप प्रतिनिधिमंडल ने यह भी चिंता व्यक्त की कि पिछली राज्य सरकारें इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाने में विफल रही हैं, जिससे समय के साथ स्थिति और भी अधिक जटिल होते चली गई। चीमा ने कहा कि हम पंजाब के अधिकारों का और हनन नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब एक ऐसा राज्य है, जो देश के लिये अपने बलिदानों के लिये जाना जाता है। यहां भी हम अपने हक के लिए लड़ेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे इस मुद्दे को पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाएंगे और पंजाब की आवाज जोर से उठाएंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि चंडीगढ़ पंजाब की अविभाजित राजधानी बनी रहे।

मुंबई में 26/11 आतंकी हमले के बाद कसाब को परोसी गई बिरयानी, कांग्रेस पर बरसे जेपी नड्डा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार में जुटे केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से निपटने के तरीके को लेकर तत्कालीन यूपीए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस पर पाकिस्तान के आतंकवादी अजमल कसाब को बिरयानी परोसने का आरोप लगाया। मालूम हो कि मुंबई हमलों में भूमिका के लिए कसाब को दोषी ठहराया गया था और बाद में मौत की सजा सुनाई गई। नड्डा ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार पर पाकिस्तान के प्रति निष्क्रिय रवैया अपनाने का भी आरोप लगाया। ठाणे में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, %26/11 का हमला मुंबई में हुआ था। यूपीए सरकार डोजियर लेकर पाकिस्तान जाती रही और अजमल कसाब को बिरयानी परोसी गई।% जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी संविधान का ककहरा तक नहीं समझते और इसकी प्रति दिखाते रहते हैं, जबकि उन्हें यह नहीं पता कि डॉ. भीम राव आंबेडकर धार्मिक आधार पर आरक्षण का समर्थन नहीं करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस कर्नाटक और तेलंगाना में अल्पसंख्यकों को अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए निर्धारित आरक्षण देना चाहती है। नड्डा ने कहा, 'गांधी नहीं जानते कि संविधान धार्मिक आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता। उन्हें संविधान का ककहरा तक नहीं पता। वह अपनी 'मोहब्बत की दुकान' में नफरत की सामग्री बेचते हैं।'

वोट बैंक की राजनीति को रोकना होगा, बोले नड्डा

राहुल गांधी लोकसभा चुनावों के साथ-साथ महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों में भी संविधान की एक प्रति दिखाकर मतदाताओं से कह रहे हैं कि भाजपा इसे बदलना चाहती है और आरक्षण को खत्म करना चाहती है। नड्डा ने इस पर बल देते हुए कहा, 'हमें तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति को रोकना होगा। तेलंगाना और कर्नाटक में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण खत्म करके कांग्रेस अल्पसंख्यकों को आरक्षण देना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया।' नड्डा ने देश को भरोसा और नेतृत्व प्रदान करने के साथ-साथ विकास कार्यों की गति देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की।जेपी नड्डा ने कहा, 'मोदी सरकार सत्ता समर्थक है, गरीब समर्थक है, किसान समर्थक है, युवा समर्थक है, दलित समर्थक है, महिला समर्थक है। यह जिम्मेदार और जवाबदेह है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करना अपनी आदत बना ली है।' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वहीं, कांग्रेस ने कभी घोषणापत्रों को महत्व नहीं दिया और कभी-कभी एक ही तरह के वादे कई बार पेश करती है। नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले, कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में दुनिया भारत और पाकिस्तान को एक समान मानती थी और इस देश की यात्रा के बाद पड़ोसी देश के लाहौर या रावलपिंडी में ठहराव होता था। उन्होंने कहा कि अब वे ऐसा नहीं करते हैं। कूटनीतिक शब्दावली बदल गई है।

फिल्मी अंदाज में जांच करने पहुंचे मंत्री, सड़क से निकली बजरी, मौके पर जेई से ईई तक सस्पेंड

चंडीगढ़, एजेंसी। बॉलीवुड फिल्म खट्टा-मीठा तो आपको याद ही होगी जिसमें एक्टर अक्षय कुमार रोड कॉन्ट्रैक्टर होते हैं और देश में सड़कें बनाने में भ्रष्टाचार की कहानी बयान करते हैं। अब असल में ऐसा ही मामला हरियाणा के हिसार में सामने आया है। यहां शुक्रवार को सड़क की जांच करने आए हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा के होश उड़ गए। जब उन्होंने सड़क पर ठोकर मारी तो बजरी बाहर आ गई। इसे देखकर मंत्री गुस्से से लाल हो गए। इसके बाद उन्होंने मौके पर बीच सड़क पर एक्जिक्युटिव इंजीनियर, एसडीओ और जूनियर इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया।

इस तरह आई अधिकारियों की लापरवाही सामने

इस सड़क के निर्माण को लेकर पिछले कुछ दिनों से मंत्री गंगवा के पास शिकायत आ रही थी। जानकारी के मुताबिक, शिकायत मिलने पर मंत्री रणबीर गंगवा हिसार के धांसू गांव में बन रही 5.440 किमी लंबी सड़क की जांच करने पहुंच गए। सड़क की क्वालिटी चेक करने के लिए मंत्री ने सड़क के बीच गाड़ी रुकवाई। जब उन्होंने सड़क के बीचो बीच ठोकर मारी तो बजरी सड़क पर बिखर गई। गंगवा ने मौके पर सुपरिटेंडेंट इंजीनियर को और अन्य तमाम अधिकारियों को बुला लिया।

पहली मीटिंग में ही मंत्री ने चेताया था- मंत्री गंगवा ने एक्जिक्युटिव इंजीनियर से कहा था कि जब मैंने पहली बैठक में कह दिया था कि काम की क्वालिटी में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, तो ऐसा घटिया काम कैसे हुआ। क्या अधिकारी निर्माण होने पर सोए रहे या यहां आकर जांच करने की जहमत नहीं उठाई इस पर एक्जिक्युटिव इंजीनियर को कोई जवाब देते नहीं बना। बता दें कि मंत्री बनने के बाद लोक निर्माण विभाग मंत्री रणबीर गंगवा राज्य के सभी उच्च अधिकारियों के साथ पंचकूला में मीटिंग की थी। इसमें गंगवा ने कहा था कि हमें प्रदेश के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम करना है। प्रदेश के लोगों को सफर के दौरान किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। बैठक में गंगवा ने अधिकारियों से यह भी कहा था कि सड़क निर्माण कार्य में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए, वरना अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

94 साल से ऑस्ट्रेलिया में चल रहा है दुनिया का सबसे लंबा वैज्ञानिक प्रयोग, अब तक गिरी सिर्फ 9 बूंदें

क्रींसलैंड, एजेंसी। दुनिया भर में वैज्ञानिक प्रयोगों की एक लंबी सूची है, जिनका उद्देश्य नई खोज और अनुसंधान के जरिए मानवता के लिए कुछ नया करना है। इन प्रयोगों की अवधि आम तौर पर कुछ सालों तक होती है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसा प्रयोग है, जो 94 साल से चल रहा है और इसे दुनिया का सबसे लंबा वैज्ञानिक प्रयोग माना जाता है। इस प्रयोग का नाम पिच ड्रॉप है और इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज किया गया है।

पिच ड्रॉप प्रयोग का इतिहास- इस प्रयोग की शुरुआत 1927 में क्रींसलैंड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर थॉमस पर्नेल ने की थी। हालांकि इस प्रयोग को तकनीकी रूप से 1930 से मान्यता मिली है, लेकिन इसकी शुरुआत 1927 में हुई थी। पर्नेल का उद्देश्य यह जानना था कि अत्यधिक चिपचिपे (गाढ़े) तरल पदार्थ जैसे पिच

(जो कोलतार जैसा दिखता है) में समय के साथ कितना बदलाव आता है।

क्या है पिच ड्रॉप

इस प्रयोग में कोलतार की तरह लगने वाले पिच नाम के चिपचिपे तरल पदार्थ को एक फ्लास्क में रख दिया गया है। उसकी बूंदें नीचे गिरने के लिए छोड़ दी गई हैं। प्रयोग के तहत यह जानने की कोशिश की जा रही है कि आखिर पिच की एक बूंद कितने साल बाद नीचे गिरती है।

श्रीलंका संसदीय चुनाव- राष्ट्रपति दिसानायके के गठबंधन की जीत

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के गठबंधन एनपीपी की जीत हुई है। सभी सीटों के नतीजों सामने आ चुके हैं। एनपीपी ने जिलों के आधार पर तय होने वाली 196 सीटों में से 141 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। नतीजों के मुताबिक एनपीपी को 61 प्रतिशत यानी 68 लाख वोट मिले हैं। दूसरे स्थान पर 18 प्रतिशत वोट और 35 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी एसजेबी पार्टी मौजूद है। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के समर्थन वाले नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट को 5 प्रतिशत वोट और 3 सीटें ही मिली हैं। वहीं श्रीलंका की राजनीति में दबदबा रखने वाले राजपक्षे परिवार की श्रीलंका पीपल्स फ्रंट पार्टी 2 सीटों के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। इसके साथ ही 29 सीटों को सभी पार्टियों के बीच वोटिंग प्रतिशत के आधार पर बांट दिया गया है।

तमिल जिले जाफना में एनपीपी की जीत- एनपीपी ने तमिल जिले जाफना में भी जीत हासिल की है। यहां एनपीपी को 6 में 3 सीटों पर जीत मिली है। एनपीपी की जीत से पारंपरिक तमिल दलों को बड़ा झटका लगा है। राष्ट्रपति दिसानायके को संसद में मिले बहुमत के बाद उनकी ताकत में इजाफा हुआ है। दरअसल संसद से मंजूरी मिलने के बाद ही राष्ट्रपति दिसानायके सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों को लागू कर सकते हैं। इस साल सितंबर में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद दिसानायके ने संसद को भंग कर दिया था। इसके बाद संसदीय चुनाव का ऐलान किया गया था। श्रीलंका में आखिरी बार अगस्त 2020 में संसदीय चुनाव हुए थे। पिछली बार दिसानायके की पार्टी को सिर्फ 3 सीटें मिली थी। 2020 में हुए चुनावों के नतीजे इस प्रकार थे- अलजजीरा के मुताबिक राष्ट्रपति दिसानायके का मानना है कि देश की शक्ति काफी हद तक 'कार्यकारी राष्ट्रपति' के अधीन है। वे इस पावर को कम करने का वादा लेकर चुनाव में उतरे थे, लेकिन उन्हें संविधान में बदलाव की जरूरत होगी। उन्हें इसके लिए दो-तिहाई सीटें चाहिए। दिसानायके ने संसदीय चुनाव में जनता से इतनी सीटें जिताने की अपील की थी।

श्रीलंका में कार्यकारी राष्ट्रपति पद पहली बार 1978 में अस्तित्व में आया था। इसके बाद से ही इसकी आलोचना होती रही है, लेकिन सत्ता में आने के बाद अब तक किसी भी दल ने इसकी ताकत को खत्म करने की कोशिश नहीं की है। दिसानायके ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और रानिल विक्रमसिंघे के दौर में आईएमएफ के साथ हुई डील में सुधार करने का वादा किया है।

पाकिस्तान में ननकाना साहिब जा रहे हिंदू तीर्थयात्री की गोली मारकर हत्या, 4 लाख लूटे

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के ननकाना साहिब में प्रकाश पर्व में हिस्सा लेने जा रहे हिंदू तीर्थयात्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। स्थानीय पुलिस के अनुसार समारोह में हिस्सा लेने जा रहे तीन पाकिस्तानी हिंदू तीर्थयात्रियों को लुटेरों ने घेर लिया, इन तीन लोगों में से एक की लुटेरों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। एजेंसी के मुताबिक सिंध प्रांत के लरकाना शहर के मूल निवासी राजेश कुमार अपने दोस्त और एक रिश्तेदार के साथ कार से लाहौर से ननकाना साहिब जा रहे थे, तभी लाहौर से लगभग 60 किलोमीटर दूर मानांवाला-ननकाना साहिब रोड पर तीन लुटेरों ने उनका रास्ता रोक लिया। उनकी गाड़ी रोकने के बाद बंदूकधारी लुटेरों ने इन पर गोली चलानी शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि बंदूकधारियों ने तीनों से साढ़े चार लाख रुपये और चालक से 10,000 रुपये छीन लिए। कुमार के विरोध करने पर लुटेरों ने उन पर गोलियां चला दीं और भाग गए। बुधवार रात डकैती और गोलीबारी की घटना के बाद राजेश कुमार की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई।

अमेरिका में नौकरी पर आएगा भारी संकट, पद संभालने से पहले रामास्वामी का बड़ा संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बड़े पैमाने पर नौकरशाहों की नौकरी जाने वाली है. उद्यमी से राजनेता बने भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने इसके संकेत दिए हैं. उन्होंने सांकेतिक रूप से कहा कि एलन मस्क नौकरियों से छंटना में छेनी (तराशने वाला औजार) का नहीं बल्कि चेनसॉ (काटने वाली बड़ी मशीन) का इस्तेमाल करते हैं. यही नहीं उन्होंने ये भी कहा कि नौकरशाहों की अधिक संख्या अच्छा नहीं है. इससे सरकार पर आर्थिक बोझ के साथ-साथ इनोवेशन पर भी असर पड़ता है.

विवेक रामास्वामी और टेस्ला प्रमुख एलन मस्क को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को महान राष्ट्र बनाने के लिए बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है. रामास्वामी ने गुरुवार को फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि वह और एलन मस्क लाखों संघीय नौकरशाहों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू करने की स्थिति में हैं. इसी तरह वह इस देश को बचाएंगे. रामास्वामी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि आप एलन को जानते हैं या नहीं, लेकिन वह छेनी (तराशने वाला औजार) नहीं लाते हैं. वह चेनसॉ (काटने वाली बड़ी मशीन) लाते हैं. हम इसे नौकरशाही के पास ले जा रहे हैं. यह बहुत मजेदार होने वाला है.

उन्होंने आगे कहा कि हमे पिछले चार सालों में यह विश्वास करना सिखाया गया है कि हम एक पतनशील राष्ट्र बन गए हैं. हम प्राचीन रोमन साम्राज्य के अंत में हैं. मुझे नहीं लगता कि हमें उस पतनशील राष्ट्र के रूप में रहना चाहिए. मुझे लगता है कि पिछले हफ्ते जो कुछ हुआ उसके साथ हम फिर से एक उत्थानशील राष्ट्र बन गए हैं. एक ऐसा राष्ट्र

जिसके सबसे अच्छे दिन अभी भी हमारे सामने है. रामास्वामी ने कहा, अमेरिका में सुबह होने जा रही है. एक नए सवेरे की शुरुआत होगी. एक ऐसे देश की शुरुआत होगी जहां हमारे बच्चे बड़े होंगे और हम उन्हें बताएंगे और यह बात सच साबित होगी कि आप अपनी कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ अमेरिका में फिर से आगे बढ़ेंगे. आप हर कदम पर अपनी बात कहने के लिए स्वतंत्र होंगे और सबसे अच्छे व्यक्ति को नौकरी मिलेगी चाहे उसका रंग कुछ भी हो.

इस बीच मस्क और रामास्वामी ने घोषणा की कि वे सरकारी दक्षता विभाग के कार्यों की प्रगति पर अमेरिकी जनता को अपडेट करने के लिए हर हफ्ते लाइवस्ट्रीम करेंगे. रामास्वामी ने कहा, हमारा लक्ष्य सरकार के आकार को छोटा करना और जनता के साथ यथासंभव पारदर्शी होना है. साप्ताहिक डॉगकास्ट जल्द ही शुरू होंगे. सरकारी दक्षता विभाग का काम सिस्टम में सुधार करना है जिससे देश महान बन सके. इसे ऐसा विभाग बनाना है जिसपर ट्रंप सरकार को गर्व हो. एलन मस्क और मैं राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा हमें दिए गए जनादेश को पूरा करने के लिए तत्पर हैं.

रामास्वामी ने कहा कि नौकरशाहों की अधिक संख्या का अर्थ कम इनोवेशन और अधिक खर्च है. उन्होंने कहा कि यह अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए), परमाणु विनियामक आयोग (एनआरसी) और अनगिनत अन्य 3-अक्षर एजेंसियों के साथ एक वास्तविक समस्या है. उन्होंने आगे कहा, वे इस बात से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं कि कैसे उनके दैनिक निर्णय नए आविष्कारों को रोकते हैं और लागत लगाते हैं जो विकास को रोकते हैं. हम देश में सबसे प्रतिभाशाली दिमागों को इकट्ठा कर रहे हैं. रामास्वामी ने बड़ी बात कही कि उन्हें लगता है कि देश को पीछे धकेलने वाली मुख्य समस्या संघीय नौकरशाही है. उस लागत को लक्षित करें, पैसे बचाएं, स्वशासन को बहाल करें.

इंटरनेशल स्पेस स्टेशन में आ गई दरारें, 50 जगह लीकेज, सुनीता विलियम्स को बड़ा खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) को लेकर नासा भी टेंशन में आ गया है। आईएसएस में पिछले पांच साल से हल्का लीकेज जारी था। हालांकि अब पता चला है कि कम से कम 50 जगहों पर लीकेज की समस्या है। इसके अलावा आईएसएस में दरारें भी आ रही हैं। नाआस की एक जांच रिपोर्ट लीक हो गई जिसमें पता चला कि आईएसएस पर खतरा मंडरा रहा है। साथ ही सुनीता विलियम्स समेत यहां के अंतरिक्षयात्रियों की भी जान पर बनी हुई है। रूस ने पृथ्वी की कक्षा में घूमते लैब में माइक्रो वाइब्रेशन का भी दावा किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129